हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 29.05.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 301 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

सिद्धारमैया ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

बेंगलुरु : कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल की अनुपस्थिति में उनके सचिव को अपना इस्तीफा सौंपा दिया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल के मंत्रियों के साथ अपने आवास पर ब्रेकफास्ट के साथ बैठक कीथी। हालांकि यह बैठक एक घंटा देर से शुरू हुई क्योंकि सिद्धारमैया खुद एक घंटे की देरी से अपने आवास में उस जगह पहुंचे, जहां मंत्रियों के लिए ब्रेकफास्ट की टेबल सजी थी। बैठक में शिवकुमार और सिद्धारमैया ने एक-दूसरे को गले लगाकर एकजुटता का संदेश दिया और शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छूकर उनका आशीर्वाद भी लिया। सिद्धारमैया ने अपने सभी साथियों का धन्यवाद दिया। इसके बाद सिद्धारमैया राजभवन पहुंचे। राज्यपाल की अनुपस्थिति में सिद्धारमैया ने उनके सचिव को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

इसके तुरंत बाद कर्नाटक कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की फोटो शेयर करते हुए लिखा, उस दिन, आज के दिन, हमेशा के लिएङ्क एकता ही हमारी शक्ति है! जनसेवा ही हमारी शाश्वत प्रतिबद्धता है!

बताया गया कि सिद्धारमैया ने ब्रेकफास्ट बैठक में अपने इस्तीफे का ऐलान करते हुए अगले मुख्यमंत्री के लिए डीके शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव भी कर दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री के नाम पर विधायक दल की मोहर लगनी अभी बाकी है। माना जा रहा है कि विधायक दल की बैठक कल यानी 29 मई की शाम 5 बजे बेंगलुरु के एक होटल में बुलाई गई है।

राज्य की राजनीति में सक्रिय रहूंगाः सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने साफ कर दिया कि संविधान पर हमला करने और सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ अपनी अंतिम सांस तक संघर्ष जारी रखूंगा। उन्होंने कहा कि वे पद छोड़ने के बाद भी राज्य की राजनीति में सक्रिय रहेंगे। कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद एक पत्रकार वार्ता कर अपने आगे की राजनीति पर खुल कर बात की। पत्रकार वार्ता में सिद्धारमैया ने राजनीतिक जीवन, संविधान के प्रति आस्था और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को भावुक अंदाज में व्यक्त किया। सिद्धारमैया ने बताया कि राज्यपाल की अनुपस्थिति में उन्होंने अपना इस्तीफा उनके सचिव को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल शहर में नहीं हैं, ऐसा राजभवन से बताया गया। इसलिए मैंने उनके सचिव को इस्तीफा पत्र सौंप दिया है। मुझे विश्वास है कि संवैधानिक प्रक्रिया के तहत मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाएगा।

एक नजर

मशहूर शायर डॉ. बशीर बद्र का निधन

भोपाल : मशहूर शायर डॉ. बशीर बद्र का गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे भोपाल में निधन हो गया। उन्होंने 91 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से लाखों प्रशंसकों में शोक की लहर है। सोशल मीडिया पर शायरडॉ. बशीर बद्र के प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। डॉ. बशीर बद्र लंबे समय से डिमेंशिया नामक बीमारी से ग्रसित थे। उनकी याददाश्त जा चुकी थी। वे लोगों को पहचान भी नहीं पा रहे थे। पिछले कुछ समय से उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। जिंदगी की आम बातों को सरल, सहज और सलीके से कहने का हुनर रखने वाले इस बुजुर्ग शायर के घर तभी से खामोशी पसरी थी। उन्हें आधुनिक गजल का उस्ताद माना जाता है। साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

रक्षा मंत्री कल करेंगे नौसेना संग्रहालय का लोकार्पण

लखनऊ : रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 मई को सीजीसीटी लखनऊ में नवनिर्मित नौसेना संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे। गुरुवार को महानिदेशक पर्यटन वेदपति मिश्र ने बताया कि नौसेना संग्रहालय का निर्माण भारतीय नौसेना और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने मिलकर किया है। इसमें समुद्र की रक्षा करने वाली नौसेना की वीरता, शक्ति, पराक्रम और तकनीकी दक्षता का दशार्या गया है। इस संग्रहालय में दर्शकों को कई नौसैनिक यंत्र देखने को मिलेंगे।

ट्विशा शर्मा मामला

रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह गिरफ्तार

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के चर्चित अभिनेत्री ट्विशा शर्मा मौत मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए मृतका की सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, मप्र उच्च न्यायालय के अग्रिम जमानत निरस्त किए जाने के ठीक अगले दिन आज गुरुवार सुबह करीब सीबीआई के अधिकारी उनके भोपाल स्थित निवास पर पहुंच गए थे। घर के भीतर लगभग सात घंटे तक चली लंबी और कड़ी पूछताछ के बाद शाम 5:10 बजे सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई की टीम अब गिरिबाला सिंह को मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी में है।

खाई में गिरी टैक्सी, 3 की मौत और 9 घायल

कुल्लू : हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बीच वीरवार को कुल्लू जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पंचायत चुनाव में वोट डालने के बाद शिरड़ मेला देखने जा रहे लोगों से भरी एक टाटा सूमो टैक्सी गहरी खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों का इलाज क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में चल रहा है। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ अनुराग बेहर ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच रांची में फाउंडेशन द्वारा बनाए जा रहे अजीम प्रेमजी मेडिकल यूनिवर्सिटी, एक हजार शैय्या वाले मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल एवं स्कूल की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही राज्य में साझा सहयोग से शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र पर भी कार्य किए जाने के संबंध में सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। मौके पर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के झारखंड हेड राकेश तिवारी एवं फाउंडेशन के प्रोजेक्ट हेड कैलाश कांडपाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड एकेडमिक काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

गंगा नदी में नाव पलटने से 3 की मौत

एजेंसी

पटना : बिहार में पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में गंगा नदी में एक बड़ा हादसा हो गया है। बाढ़ के उमानाथ घाट के पास छोटी नाव पलटने से 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 4 लोग लापता हैं। वहीं 7 लोगों को राहत और बचाव दल ने बचा लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह बाढ़ अनुमंडल के उमानाथ घाट के समीप बिंद टोली के 14 लोग नाव पर चढ़कर समस्तीपुर जिला के सुल्तानपुर दियारा, मोहिउद्दीननगर गए थे। अक्सर लोग परवल तोड़ने एवं अन्य खेती कार्यों से वहां जाते थे। वापस लौटने के क्रम में तेज हवा के कारण सुल्तानपुर दियारा, समस्तीपुर के पास नाव पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और गोताखोरों का दल मौके पर पहुंचा। राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। नदी में डूबे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर तलाश अभियान चलाई जा रही है।

मॉस्को में सुरक्षा मामलों की उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की दो टूक

आतंकवाद पर दोहरे मापदंड बर्दाश्त नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली / मॉस्को : भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक मंच से दुनिया को कड़ा संदेश दिया है। गुरुवार को मॉस्को में आयोजित सुरक्षा मामलों के उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं बैठक को संबोधित करते हुए डोभाल ने साफ तौर पर कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी भी तरह के दोहरे मापदंड नहीं चल सकते। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज दुनिया के जिम्मेदार देशों को यह स्पष्ट रूप से चुनना होगा कि वे आतंकवाद के प्रायोजकों का समर्थन करते हैं या फिर उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के लिए आगे आते हैं।

गौरतलब है कि रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु द्वारा आयोजित इस उच्च स्तरीय सुरक्षा फोरम का मुख्य विषय 'बहुध्रुवीय विश्व के उदय के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौतियां और खतरे' था, जहां भारत ने वैश्विक शांति और सुरक्षा को लेकर अपना रुख बेहद मजबूती से साझा किया।

वैश्विक संस्थाओं और जलमार्गों की सुरक्षा में सुधार की मांग उठाई

वैश्विक संगठनों के ढांचे में सुधार की वकालत

अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने वर्ष 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के बाद स्थापित हुए वैश्विक संस्थानों और ढांचों में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की जटिल अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए इन पुराने पड़ चुके संगठनों को और अधिक प्रभावी और प्रासंगिक बनाया जाना बेहद जरूरी है।

'ग्लोबल साउथ' को मिले उचित प्रतिनिधित्व

डोभाल ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विकासशील और कम विकसित देशों की आवाज बुलंद करते हुए कहा कि वैश्विक सुधारों के तहत 'ग्लोबल साउथ' के देशों को ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। वैश्विक स्तर पर नीतिगत फैसले लेने वाली प्रक्रियाओं में इन देशों के विचारों और हितों को प्राथमिकता के साथ शामिल किया जाना आवश्यक है।

जलमार्गों की सुरक्षा पर जताई चिंता

पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) के मौजूदा हालातों और तनाव का जिक्र करते हुए एनएसए ने समुद्री व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों के जरिए व्यापार की सुरक्षित और बिना किसी बाधा के आवाजाही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

चुनाव से पहले बीजेपी का बड़ा दांव चार राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदले

एजेंसी

नयी दिल्ली : आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने गुरुवार को बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने देश के चार महत्वपूर्ण राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की है।

दिल्लीः वीरेंद्र सचदेवा की जगह हर्ष मल्होत्रा को कमान सौंपी गई है।

पंजाबः सुनील जाखड़ को हटाकर पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी और बरनाला के

पूर्व विधायक सरदार केवल सिंह ढिल्लों को नया अध्यक्ष बनाया गया है।

हरियाणाः मोहन लाल बड़ौली की जगह पानीपत की पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई है।

त्रिपुराः पूर्वोत्तर में संगठन को धार देने के लिए अभिषेक देबराय को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सड़क हादसे में सीआईएसएफ दरोगा समेत 5 की मौत

बुलंदशहर : दो अलग-अलग सड़क हादसों में सीआईएसएफ के एक दरोगा समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। पहला हादसा जैनपुर गांव के पास हुआ। छुट्टी पर घर आए सीआईएसएफ दरोगा अशोक कुमार अपनी बाइक पर सामान बांध रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें और वहां मौजूद जितेंद को रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा हादसा गुलावठी थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 334 पर हुआ। यू-टर्न ले रही गाड़ी को बचाने के चक्कर में कार समेत खाई में पलट गए। हादसे मे 2 की मौत हो गई।

तृणमूल नेता शांतनु सेन ने राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। इसी क्रम में राज्यसभा के पूर्व सांसद और वरिष्ठ तृणमूल नेता शांतनु सेन ने गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरजी कर रेप और मर्डर केस समेत कई विवादों को लेकर पार्टी नेतृत्व पर अप्रत्यक्ष निशाना साधा है।

पेशे से डॉक्टर और कोलकाता नगर निगम के पार्षद शांतनु सेन ने

अपना इस्तीफा पत्र पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को भेजा है। हालांकि उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता नहीं छोड़ी है।

टीएमसी नेता के खेत से 2.24 करोड़ कैश बरामद

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता के खेत से करोड़ों रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस ने उत्तर 24 परगना जिले के बादुरिया नगरपालिका के अध्यक्ष दीपंकर भट्टाचार्य के कृषि फार्म हाउस पर छापा मारकर 2.24 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं। हैरानी की बात यह है कि आरोपी नेता ने इस भारी-भरकम रकम को 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियों के रूप में चार ट्रॉली बैग और बोरियों में भरकर खेत में छिपाया हुआ था। बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में मशीनों द्वारा इस राशि की गिनती पूरी की गई।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, दीपंकर भट्टाचार्य के पास से अब तक कुल 3.04 करोड़ रुपये बरामद हो चुके हैं। इसमें से 80 लाख रुपये उनकी गिरफ्तारी के समय ही बरामद कर लिए गए थे, जबकि बाकी की रकम खेत की तलाशी के दौरान मिली।

दीपंकर भट्टाचार्य के खिलाफ विपक्ष (भाजपा और माकपा) ने दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस को अंदेशा है कि यह पैसा राज्य सरकार की आवास योजना 'बंगला बाड़ी' के तहत दिए जाने वाले आवंटनों में वसूला गया कमीशन है। इसके अलावा, उन पर स्थानीय व्यापारियों और निवासियों से जबरन धन उगाही करने के भी गंभीर आरोप हैं।

पूछताछ में खुद उगला राज

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी दीपंकर भट्टाचार्य को सोमवार को बादुरिया के एक होटल से गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें पुलिस रिमांड पर भेजा था। पुलिस हिरासत में कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुद स्वीकार किया कि उसने अपने खेतों में भारी मात्रा में कैश छिपा कर रखा है। इस स्वीकारोक्ति के बाद जब पुलिस टीम ने फार्म हाउस पर रेड की, तो वहां नोटों से भरे बैग और बोरियां बरामद हुईं।

ईरान का पलटवार : अमेरिकी एयरबेस पर दागीं मिसाइलें

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन : मिडिल ईस्ट में एक बार फिर युद्ध के बादल गहरे हो गए हैं। पिछले 48 घंटों में अमेरिकी सेना द्वारा किए गए लगातार दो हमलों के जवाब में ईरान ने बड़ा पलटवार किया है। ईरान की 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आइआरजीसी) ने गुरुवार तड़के रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के पास स्थित एक अमेरिकी सैन्य

एयरबेस पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं। आइआरजीसी ने खुद इस हमले की पुष्टि की है, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में हाई-अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'तस्नीम' के मुताबिक, ईरानी सुरक्षा बलों ने यह जवाबी कार्रवाई गुरुवार सुबह स्थानीय समयानुसार करीब 5:00 बजे की। आइआरजीसी द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उनके बलों ने अमेरिकी सेना के एक सक्रिय एयरबेस को निशाना बनाया है। हालांकि, सुरक्षा कारणों से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि हमला किस विशिष्ट बेस पर हुआ है और इससे कितना नुकसान पहुंचा है। ईरान का साफ कहना है कि यह कार्रवाई बंदर अब्बास हवाई अड्डे के पास हुए अमेरिकी हमले का सीधा बदला है। दोनों देशों के बीच ताजा विवाद का मुख्य केंद्र ईरान का दक्षिणी तट पर स्थित 'बंदर अब्बास' पोर्ट सिटी बन गया है। यह इलाका ईरान की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था की लाइफलाइन माना जाता है। अमेरिका का आरोपः अमेरिकी नौसेना का दावा है कि ईरान 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछा रहा है।

एक नजर

राम जानकी मंदिर में मंडा पूजा शांतिपूर्वक संपन्न

बड़कागांव : बड़कागांव राम जानकी मंदिर में पुजारी चिंतामणि महतो के नेतृत्व में मंडा पूजा शांतिपूर्वक संपन्न 40 फीट ऊंचे लट्ठ से परिक्रमा कर फूल का किया छिड़काव। कुल 33 भक्तों ने अपने पीठ पर कील लगवाकर लठे से परिक्रमा की। बुधवार की रात्रि को मेले का आयोजन किया गया। जिसमें कई गांव से भारी संख्या में मंडा पूजा में शामिल हुए। और परिक्रमा के फूल छिड़काव दौरान फूल को लपकने के लिए लोगों ने, आगे आंचल एवं हाथ फैलाया। कहा जाता है कि फूल को अपने तिजोरी या घर में रखने से सुख एवं स्मृद्धि प्राप्त होती है। मेले के दौरान पूर्व विधायक अंबा प्रसाद शामिल हुई एवं लोगों से मुलाकात कर उनके मनोबल को बढ़ाया मेला में तीन महिलाओं की जिसमें दो महिला की मंगलसूत्र एवं एक की पर्स उचक्कों ने चुरा कर भाग गए। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से अध्यक्ष जय हिंद महतो पुजारी चिंतामन महतो इंग्लेश सोनी, पिंटू गुप्ता ,पदम महतो, पवन कुमार, कीर्तन महतो ,बुद्धिनाथ महतो, तूलेश्वर महतो के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने में जुटा झामुमो, बीएलए गठन को लेकर बैठक आयोजित

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रखंड स्तरीय बूथ कमेटी एवं बीएलए गठन को लेकर प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइयां के आवास पर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव संजय कुमार सिंह ने की। बैठक में प्रखंड के सभी 127 बूथों पर बीएलए नियुक्त करने एवं संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि कार्यकर्ता डोर-टू-डोर जाकर लोगों को पार्टी की नीतियों एवं जनहितकारी योजनाओं से अवगत कराएंगे तथा संगठन को और मजबूत करेंगे। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। सभी कार्यकताओं को सक्रिय होकर जनता के बीच जाने और पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। बैठक में सचिव सरोज मेहता, कोषाध्यक्ष इंद्रदेव राम, हेमंत भुइयाँ, दीपन साव, मुंद्रिका सिंह, चुरामन गंझु, सूरज वर्मा, गणेश राम, विजय भुइयां, मोती भुइयां, अरविंद महतो, विनोद यादव सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नयाटांड़-नापो खुर्द सड़क वर्षों से जर्जर मार्ग पर मरम्मत करने की मांग

बड़कागांव : राष्ट्रीय जनता दल पिछड़ा प्रकोष्ठ के हजारीबाग जिला अध्यक्ष कुंज बिहारी साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नयाटांड़ से नापो खुर्द होते हुए लूरंगा जाने वाली सड़क की बदहाल स्थिति पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह सड़क पिछले लगभग पांच वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़ी हुई है, लेकिन अब तक इसके जीर्णोद्धार की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। कुंज बिहारी साव ने कहा कि सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे और टूटे हुए हिस्से आम लोगों के लिए मुसीबत बन चुकी हैं। प्रतिदिन इस मार्ग पर दुर्घटनाएं हो रही हैं और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि यदि किसी गंभीर मरीज या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना पड़े तो रास्ते की स्थिति इतनी खराब है कि समय पर उपचार मिलना भी मुश्किल हो जाता है।

जल-जंगल-जमीन संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : झारखंड जस्ट ट्रांजिशन नेटवर्क सारथी और लोक स्वर के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को सारथी नेटवर्क के वार्षिक स्थापना दिवस के अवसर पर खूंटी प्रखंड के सिल्दा गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिल्दा, डांडोल, डुंगरा, कलामाटी एवं चालागी गांवों के ग्राम प्रधान, महिला समूहों की नेत्रियां, किशोरी समूह की सदस्याएं, वार्ड सदस्य, सहिया एवं सेविकाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान फोकस ग्रुप डिस्कशन (एफजीडी) आयोजित कर बढ़ते तापमान, हीट वेव, जल संरक्षण, जंगल और जमीन की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने झारखंड की पहचान जल-जंगल-जमीन को सुरक्षित रखने के लिए सामुदायिक स्तर पर पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों के बीच पौधों का वितरण किया गया और पंचायत क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पेसा कानून के सहयोग से गांव की प्राकृतिक संपदाओं और संसाधनों की रक्षा करने की सामूहिक शपथ ली।

लोक स्वर की सचिव शालिनी समवेदना ने सारथी नेटवर्क की सोच और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सारथी झारखंड के विभिन्न हिस्सों में कार्यरत 43 सामाजिक संगठनों का साझा नेटवर्क है, जो न्यायपूर्ण बदलाव, पर्यावरण संरक्षण एवं समुदाय आधारित विकास के लिए कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक स्वर के समन्वयक गुंजन बेदिया, फील्ड कोऑर्डिनेटर सुमन सनीचरेया और बिट्ठू सहित महिला समूह सदस्य हीरा देवी, प्रियंका, सुमितरा देवी एवं गांव के सरकारी विद्यालय के शिक्षक दिनेश ने प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ती गर्मी का प्रभाव ग्रामीण जीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, इसलिए समुदाय को संगठित होकर जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए आगे आना होगा।

शांतिपूर्ण माहौल में मनाई गई ईद उल अजहा मस्जिदों और ईदगाहों में अदा की गई नमाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही समेत पूरे प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। पर्व को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बरही अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुड्डू एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर स्वयं विभिन्न ईदगाहों एवं मस्जिदों का निरीक्षण करते नजर आए। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में निर्धारित समय पर अकीदतमंदों ने नमाज अदा की तथा क्षेत्र में अमन-चैन, तरक्की और भाईचारे की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष एवं पूर्व जिप प्रतिनिधि मो. कयूम ने कहा कि ईद-उल-अजहा इस्लाम धर्म का प्रमुख पर्व है, जिसे त्याग, बलिदान और अल्लाह की राह में समर्पण के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने अल्लाह के हुक्म पर अपने पुत्र हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम की कुबार्नी देने की तैयारी की थी। उनकी अटूट आस्था और समर्पण से प्रसन्न होकर अल्लाह ने उनके पुत्र की जगह एक दुंबे की कुबार्नी कबूल की थी। इसी याद में मुस्लिम समुदाय द्वारा बकरीद का पर्व मनाया जाता है और कुबार्नी दी जाती है। उन्होंने कहा कि बकरीद का वास्तविक संदेश केवल पशु की कुबार्नी देना नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, लोभ और नफरत का त्याग करना है। यह पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।

ईद-उल-अजहा पर चौपारण में दिखी भाईचारे की मिसाल, ईदगाहों में अदा हुई नमाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड में ईद-उल-अजहा का त्यौहार वृहस्पतिवार को खुशी-ओ-मसरत से मनाया गया। सुबह सात बजे से विभिन्न ईदगाहों में नमाज अदा की गई। नमाज की इमामत करते हुए अमन-चैन व भाईचारे की दुआ कराई गई। हजारों लोगों ने एक साथ हाथ उठाकर मुल्क की तरक्की, अमन-चैन और भाईचाई की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इसके बाद कुबार्नी का सिलसिला शुरू हुआ। ईद के अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर सेवइयों का स्वाद लिया और कुबार्नी का गोश्त आपस में बांटा। गरीबों को भी तबररुक के रूप में वितरित किया गया। मोहल्लों और गलियों में रौनक बनी रही। बच्चे नए कपड़ों में नजर आए और पूरे दिन त्यौहार की खुशियां मनाते रहे। इस दौरान पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर, अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव एवं थानेदार पंकज कुमार पूरे दिन सक्रिय दिखे। अधिकारियों ने स्वयं क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जिससे त्यौहार पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा जिला समिति हजारीबाग के जिला उपाध्यक्ष मो० अब्दुल सलाम ने अपने मित्रों एवं क्षेत्रवासियों के साथ गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे एवं सौहार्द का संदेश दिया। रामचक के इमाम मौलाना एहसान ने कहा कि कुबार्नी जानवर की नही बल्कि आपकी नियत की होती है, अल्लाह तक न कुबार्नी की गोस्त पहुंचती है न खून, पहुंचती है सिर्फ आपकी नियत, इसलिए पाक नियत से कुबार्नी करे।

भाजपाइयों ने नवपदस्थापित एसडीपीओ से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही में नवपदस्थापित एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर से गुरुवार को भाजपाइयों ने शिष्टाचार भेंट किया। साथ ही पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। और बरही में शांति बहाल और अपराधमुक्त बनाने की मांग की। इस दौरान एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने आश्वासन दिया कि आम जनता और पुलिस प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने के लिए टीम भावना के साथ कार्य किया जाएगा तथा आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, बरही मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, राजदेव यादव एवं सचिन यादव मुख्य रूप से मौजूद थे।

गोरिया करमा में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : लोगों को कानून के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में डीएलएसए हजारीबाग द्वारा चलाए जा रहे 90 दिवसीय कानूनी जागरूकता आउटरीच कार्यक्रम के तहत गुरुवार को बरही प्रखंड के गोरिया करमा पंचायत में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रशिक्षित अधिकार मित्रों ने ग्रामीणों को कानून और उनके अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से आपसी विवादों का समाधान बातचीत और आपसी सहमति से निशुल्क कराया जाता है। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता और अधिवक्ता उपलब्ध कराने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजा, महिला उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल श्रम, नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, साइबर अपराध सहित विभिन्न कानूनी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से विवादों के समाधान में रुचि दिखाई।

पिता ने बेटी का गला घोंट कर की हत्या, गिरफ्तार

पलामू : गढ़वा जिले के केतार थाने की पुलिस ने गत दिनों थाना क्षेत्र के परती कुशवानी गांव निवासी निर्मल सिंह के घर से मृत मिली पुत्री आकृति कुमारी की हत्या मामले का खुलासा किया है। आकृति को उसके पिता ने ही राजस्थान में शादी नहीं करने पर रस्सी से गला घोटकर हत्या कर दी थी और शव को कमरे में बंद कर राजस्थान फरार हो गया था। एसडीपीओ सत्येन्द्र नारायण सिंह ने गुरुवार को बताया कि 19 मई को निर्मल सिंह के घर से दुर्गंध आने पर पुलिस ने निर्मल के पुत्र अविनाश कुमार सिंह की मौजूदगी में घर का ताला खोला तो 17 वर्षीय आकृति कुमारी का शव मिला। मृतका के भाई अविनाश के फर्द बयान पर पुलिस ने पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया। तकनीकी सहायता और मानवीय सूचना के आधार पर पता चला कि निर्मल सिंह घटना के बाद राजस्थान भाग गया था और जमानत कराने को लेकर गढ़वा आने वाला है। 27 मई को पता चला कि उत्तर प्रदेश के कोन होकर खरौंधी के रास्ते निर्मल सिंह नगर ऊंटारी जा रहा है। बजरमरवा के पास से उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

अस्पताल के उद्घाटन के दौरान नहीं मिले चिकित्सक, उपाधीक्षक ने दी कार्रवाई की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत जपला-छत्तरपुर मुख्य मार्ग स्थित नवस्थापित जेके हॉस्पिटल के उद्घाटन समारोह में उस समय अप्रत्याशित स्थिति उत्पन्न हो गई, जब कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हुसैनाबाद के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ एसके रवि ने अस्पताल संचालन से जुड़े दस्तावेजों और चिकित्सकीय व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को उद्घाटन समारोह के लिए डॉ रवि को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

फीता काटने के बाद उन्होंने अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक से मिलने की इच्छा जताई, लेकिन अस्पताल प्रबंधन की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मामला चर्चा का विषय बन गया। अस्पताल के प्रचार-प्रसार में डॉ सीपी सिंह (एमबीबीएस) का नाम प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था, जबकि उद्घाटन के समय उनकी अनुपस्थिति ने प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। स्थिति को गंभीर मानते हुए चिकित्सा उपाधीक्षक ने अस्पताल प्रबंधन से आवश्यक पंजीकरण, लाइसेंस और चिकित्सकीय व्यवस्था से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि जांच में नियमों की अनदेखी या अवैध संचालन की पुष्टि होती है तो संबंधित क्लिनिक के विरुद्ध सीलिंग सहित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डॉ रवि ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी पलामू सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव को भी दे दी है, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्घाटन समारोह में उनकी उपस्थिति केवल आमंत्रण के आधार पर थी और किसी भी प्रकार की अनियमितता को प्रशासन बर्दाश्त नहीं करेगा।

उल्लेखनीय है कि हुसैनाबाद और आसपास के क्षेत्रों में पूर्व में भी कई ऐसे क्लिनिकों पर कार्रवाई हो चुकी है, जहां पंजीकृत चिकित्सकों के नाम का उपयोग कर नियमों के विपरीत संचालन किया जा रहा था। ताजा मामले के बाद क्षेत्र में अवैध क्लिनिकों की जांच को लेकर फिर से बहस तेज हो गई है। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से विशेष जांच अभियान चलाकर ऐसे संस्थानों की पहचान करने और आम जनता की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

अचानक हुई नरेश रविदास की मौत से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, मदद की उठी मांग

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत करियातपुर पंचायत के ग्राम शिवपुर निवासी नरेश रविदास की अचानक हुई मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। उनके असामयिक निधन से परिवार बेसहारा हो गया है। बताया जाता है कि नरेश रविदास परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे और छत्तीसगढ़ में वाहन चालक के रूप में कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। ग्रामीणों ने बताया कि नरेश रविदास बेहद मिलनसार और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम का माहौल बन गया। परिवार के सामने अब आर्थिक संकट भी गहरा गया है। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। नरेश रविदास के निधन पर ड्राइवर संघ ने भी गहरा शोक व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान किया। करियातपुर पंचायत के मुखिया मनोज कुमार ने कहा कि नरेश रविदास के निधन से परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे प्रशासन और सरकार से संपर्क कर परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने का प्रयास करेंगे। मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी पूरन राम, मोहन प्रजापति, महेंद्र यादव, महेश यादव, अजय प्रजापति, मनोवर अंसारी, मो. वासिम, सरफराज आलम, रूपलाल रविदास, अमरेंद्र राम, तुलसीराम, लक्ष्मण यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

अलगडीहा ईदगाह में अकीदत के साथ अदा हुई ईद-उल-अजहा की नमाज

बरही: ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व क्षेत्र में शनिवार को धार्मिक श्रद्धा, पारंपरिक उल्लास और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर अलगडीहा ईदगाह में सुबह से ही नमाज़ियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों लोगों ने एक साथ ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज अदा कर देश और दुनिया में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद ईदगाह परिसर में आपसी भाईचारे और मोहब्बत का खूबसूरत नजारा देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर "ईद मुबारक" कहा और त्योहार की शुभकामनाएं दीं। बच्चों में भी खासा उत्साह देखा गया। ईदी मिलने और नए कपड़ों में बच्चे काफी खुश नजर आए। इस्लामिक सलाहकार हाफिज मुमताज खान ने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, कुबार्नी और इंसानियत का संदेश देने वाला पर्व है। यह त्योहार समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करता है। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने अपने-अपने घरों में सुन्नत-ए-इब्राहिमी के तहत कुबार्नी की रस्म अदा की। पर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

सिकरी में बकरीद पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत सिकरी में बकरीद का पर्व गुरुवार को आपसी भाईचारे, शांति ,सौहार्दपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाह एवं मस्जिदों में नमाज अदा कर खुशहाली, अमन-चैन और तरक्की की दुआ मांगी। पर्व के दौरान प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सिकरी ओपी थानाप्रभारी राम कुमार राम पुलिस बल के साथ क्षेत्र में लगातार भ्रमण करते रहे तथा लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बकरीद आपसी प्रेम, त्याग और भाईचारे का संदेश देने वाला पर्व है, जिसे सभी लोगों को मिल-जुलकर मनाना चाहिए। मौके पर विभिन्न समुदाय के लोगों ने भी एक-दूसरे को बकरीद की शुभकामनाएं दीं। पूरे क्षेत्र में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। प्रशासन की सतर्कता एवं लोगों के सहयोग से पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

वन संपदा संरक्षण में वनपाल संटू कुमार की बड़ी पहल, अवैध केंदू संग्रहण पर कसा शिकंजा

चौपारण : प्रखंड के भगहर, भंडार एवं कठम्बा जंगल क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध रूप से केंदू पत्ता के विदोहन और संग्रहण के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की। वनपाल संटू कुमार के नेतृत्व में चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान के दौरान भारी मात्रा में संग्रहित केंदू पोला को जब्त किया गया। बताया जाता है कि वन विभाग को लगातार सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग जंगल क्षेत्रों से अवैध तरीके से केंदू पत्ता का संग्रहण कर रहे हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभागीय टीम ने संबंधित इलाकों में सघन जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई स्थानों से अवैध रूप से संग्रहित केंदू पोला बरामद किया गया। वनपाल संटू कुमार ने कहा कि वन संपदा की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर विभाग पूरी तरह गंभीर है। अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है तथा उनके खिलाफ वन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए वन वाद दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जंगलों में अवैध विदोहन और संग्रहण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी इस तरह के अवैध कार्यों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अभियान में चौपारण वन प्रक्षेत्र के सभी वनकर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वन विभाग की इस कार्रवाई के बाद अवैध केंदू पत्ता संग्रहण में लगे लोगों में हड़कंप मच गया है।

एक नजर

इरफान अंसारी ने राज्यवासियों को दी ईद की बधाई

रांची : मंत्री इरफान अंसारी ने ईद-अल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर जामताड़ा-देवघर सहित पूरे राज्यवासियों को बधाई देते हुए पर्व को त्याग, बलिदान, भाईचारे और इंसानियत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि बकरीद का संदेश समाज, मानवता और जरूरतमंदों के लिए कुबार्नी की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने सभी से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील करते हुए ईद-अल-अजहा की मुबारकबाद दी और अमन, खुशहाली व बरकत की दुआ की। उन्होंने कहा कि हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुबार्नी सच्चाई, ईमान और इंसाफ के रास्ते पर डटे रहने की प्रेरणा देती है। बकरीद केवल जानवर की कुबार्नी नहीं, बल्कि नफरत, लालच, अहंकार और अन्याय जैसी बुराइयों को समाप्त करने का भी संदेश देती है। इस दौरान उन्होंने राज्यवासियों से वोटर सूची के सत्यापन को लेकर सतर्क रहने की अपील भी की। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिए आदिवासी और मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। यदि लोगों का नाम वोटर सूची और सरकारी रिकॉर्ड से हटता है तो भविष्य में नागरिक अधिकार, सरकारी सुविधाएं, बैंक खाते और जमीन-जायदाद प्रभावित हो सकते हैं।

प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई का सुप्रीमो अमृत होरो गिरफ्तार

रांची : रांची पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के सुप्रीमो अमृत होरो उर्फ मेचो को लापुंग क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। अमृत पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, रांची एसएसपी राकेश रंजन के नेतृत्व में पुलिस की स्पेशल टीम ने अमृत को लापुंग से गिरफ्तार किया। वह पीएलएफआई का शीर्ष कमांडर था और संगठन का नेतृत्व कर रहा था। एनआईए के जरिए पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप की गिरफ्तारी और फिर गुमला में मार्टिन केरकेटा के एनकाउंटर के बाद अमृत होरो को संगठन का सुप्रीमो बनाया गया था।गिरफ्तारी के बाद पुलिस अमृत से संगठन के नेटवर्क, हथियारों की सप्लाई और अन्य उग्रवादियों के ठिकानों की जानकारी ले रही है।

एशियन गेम्स ट्रायल में झारखंड के तीन पहलवान का चयन

रांची: झारखंड के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। राज्य के तीन प्रतिभाशाली पहलवान एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए रांची से रवाना हो चुके हैं। यह पहला मौका है जब झारखंड से एक साथ तीन पहलवानों ने सीनियर स्तर के एशियन गेम्स ट्रायल के लिए क्वालीफाई कर अपनी जगह पक्की की है। इस ऐतिहासिक सफलता से राज्य के खेल जगत में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। एशियन गेम्स ट्रायल में भाग लेने वाले इन तीन खिलाड़ियों में रिया कुमारी: 53 किलोग्राम महिला वर्ग, अभिषेक कुमार: 60 किलोग्राम वर्ग, अमित गोप: 77 किलोग्राम ग्री? रोमन वर्ग (रांची) शामिल हैं। ये तीनों खिलाड़ी दिल्ली और लखनऊ में आयोजित होने वाले कड़े चयन ट्रायल्स में अपनी चुनौती पेश करेंगे। अगर वे यहाँ बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे, तो उन्हें जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम का टिकट मिल सकता है।

रांची रेल मंडल के 5 प्रस्तावों को बोर्ड की हरी झंडी

गरीब रथ और पाटलिपुत्र एक्सप्रेस का प्रस्ताव तकनीकी कारणों से खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची रेल मंडल के यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विभिन्न ट्रेनों में कोच बढ़ाने के लिए रांची रेल मंडल द्वारा भेजे गए 7 प्रस्तावों में से 5 को रेलवे बोर्ड और संबंधित जोनों ने मंजूरी दे दी है। इसके बाद अब जल्द ही रांची से खुलने और गुजरने वाली 5 महत्वपूर्ण ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे, जिससे यात्रियों को कंफर्म सीट मिलने में आसानी होगी। हालांकि, दो ट्रेनों के प्रस्तावों को तकनीकी दिक्कतों की वजह से नामंजूर कर दिया गया है।

अगर मंजूरी मिलती तो गरीब रथ में थर्ड एसी का एक अतिरिक्त कोच जुड़ता और वह 21 एलएचबी कोच के साथ चलती। वहीं, रोजाना चलने वाली पाटलीपुत्र एक्सप्रेस में स्लीपर का एक अतिरिक्त कोच बढ़ने से वह 22 कोच की हो जाती।

रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह ने बताया कि मुख्यालय को कुल 7 प्रस्ताव भेजे गए थे, जिनमें से दो को छोड़कर बाकी सभी को पूरा करने का आश्वासन और स्वीकृति मिल गई है। कोचों के जुड़ने से आगामी दिनों में वेटिंग लिस्ट के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

गरीब रथ और पाटलिपुत्र एक्सप्रेस के यात्रियों को झटका

मंडल रेल प्रशासन ने रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस और हटिया-पटना पाटलिपुत्र एक्सप्रेस में भी कोच बढ़ाने का आग्रह किया था। नॉर्दन रेलवे (नई दिल्ली) और ईस्ट सेंट्रल रेलवे (दानापुर मंडल) ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इन्हें अस्वीकृत कर दिया।

इन 5 ट्रेनों में बढ़ेंगे कोच, सफर होगा आसान

रेलवे द्वारा स्वीकृत किए गए प्रस्तावों के अनुसार, निम्नलिखित ट्रेनों में कोचों की संख्या बढ़ाई जा रही है :

रांची-आरा त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस (18640): इसमें स्लीपर का 1 और थर्ड एसी के 4 नए कोच जोड़े जाएंगे। बदलाव के बाद यह ट्रेन कुल 20 एलएचबी कोचों के साथ चलेगी।

रांची-गोड्डा एक्सप्रेस (18619): इस ट्रेन में थर्ड एसी के 2 अतिरिक्त कोच लगाने की मंजूरी मिली है। इसके बाद यह 22 आईसीएफ कोच की ट्रेन हो जाएगी।

रांची-गोड्डा वाया भागलपुर एक्सप्रेस (18603): सप्ताह में तीन दिन चलने वाली इस ट्रेन में स्लीपर का 1 और थर्ड एसी के 3 कोच बढ़ाए जाएंगे, जिससे इसके कुल कोचों की संख्या 21 हो जाएगी।

रांची-चोपन एक्सप्रेस (18631): इसमें थर्ड एसी के 4 और स्लीपर का 1 अतिरिक्त कोच जोड़ा जाएगा, जिसके बाद यह ट्रेन 19 कोचों के साथ पटरी पर दौड़ेगी।

रांची-सासाराम एक्सप्रेस (18635): यात्रियों की मांग पर इस ट्रेन में एसी चेयरकार का 1 अतिरिक्त कोच जोड़ा जाएगा।

हमारा लगातार यह प्रयास है कि ट्रेनों में डिब्बों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि यात्रियों का सफर आरामदायक हो सके। वर्तमान में अकेले रांची स्टेशन पर ही यात्रियों की संख्या में करीब 9 से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है — **करुणानिधि सिंह, डीआरएम, रांची रेल मंडल**

रांची सहित पूरे झारखंड में धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और भाईचारे के माहौल में मनाई गई बकरीद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची सहित पूरे झारखंड में ईद-उल अजहा यानी बकरीद धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और भाईचारे के माहौल में मनाई गई। सुबह से ही शहर की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भीड़ लगी रही। लोगों ने नए कपड़े पहनकर ईदगाहों और मस्जिदों में पहुंचकर विशेष नमाज अदा की।

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी और अमन, शांति और खुशहाली की दुआ मांगी। शहर के मेन रोड स्थित जामा मस्जिद, हिंदपीढ़ी, डोरंडा, कांके, बरियातू, नामकुम, हरमू रोड और कडरू, कांटा टोली सहित कई इलाकों की मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों का पहुंचना शुरू हो गया था। ईदगाहों के बाहर भी लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली।

नमाज के दौरान इमामों ने कुबार्नी के महत्व, त्याग, इंसानियत और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बकरीद केवल कुबार्नी का पर्व नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की मदद और समाज में प्रेम व सद्भाव बनाए रखने का भी संदेश देता है। नमाज के बाद लोगों ने अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों से मुलाकात की।

मौके पर रांची ईदगाह के मौलाना असगर मिस्बाही ने कहा कि हिंदुस्तान में अमन-चैन बना रहे, सभी लोग खुशहाल रहें और देश में भाईचारा कायम रहे, इसे लेकर अल्लाह से विशेष दुआ की गई है। वहीं, मौजूद आम नमाजियों ने भी कहा कि भारत गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है और इस परंपरा को मजबूत बनाए रखने की दुआ मांगी गई है।

इस दौरान प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। पुलिस-प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे, ताकि पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

वहीं, एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि बकरीद पर्व को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता और कड़े इंतजाम किए गए है। सभी ईदगाहों पर पुलिस बलों की तैनाती की गई है।

ईडी के कथित दुरूपयोग के खिलाफ वामदल आज से करेंगे राज्यव्यापी प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : माकपा पोलित ब्यूरो सदस्य और विपक्ष के नेता पिनराई विजयन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के खिलाफ वामदलों ने आलोचना की है।

इस संबंध में वामदलों ने कहा है कि ईडी की कथित रूप से हो रहे दुरुपयोग के खिलाफ वामदल 29 मई से 01 जून पूरे राज्य भर में प्रदर्शन किया जाएगा।

पार्टी की ओर से कहा गया है कि पिनराई विजयन के घर पर की गई छापेमारी राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। भाजपा यह भ्रम न पाले कि इन कार्रवाइयों के जरिए वह पिनराई विजयन, उनके आंदोलन या वामपंथ को कमजोर कर सकती है।

माकपा की ओर से गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है पिछले कुछ वर्षों से राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को हथियार बनाना भाजपा की नीतिगत प्रवृत्ति बन गई है। इस कदम के खिलाफ मजबूत विरोध अवश्य उभरेगा।

पिनराई विजयन को निशाना बनाने में भाजपा को कांग्रेस का सहयोग और समर्थन प्राप्त है, इसे भुलाया नहीं जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार केरल आकर यह सवाल उठाते रहे कि पिनराई विजयन को ईडी गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही है।

मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात के ठीक अगले दिन यह कार्रवाई होना भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कांग्रेस के समर्थन से भाजपा और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भी इसी प्रकार की थी।

पिनराई विजयन को शारीरिक और राजनीतिक रूप से खत्म करने की कोशिश कांग्रेस और भाजपा बारी-बारी से करती रही है।

हेसाग और तुपूदाना में डालसा ने चलाया विधिक जागरूकता कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत गुरूवार को हेसाग और तुपुदाना में डालसा की ओर से विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसके साथ ग्रामीणों को कई मुद्दों के विभिन्न विधिक योजनाओं की जानकारी देते हुए उनके बीच पंपलेट और लीफलेट का वितरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन न्यायमूर्ति सह कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के निर्देश और न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में हुआ।

इस अवसर पर पीएलवी अमित बड़ाईक ने कहा कि झालसा की मानवता, आत्मनिर्भरता, तृप्ति, निरोगी भव, चेतना और साथी योजनाओं के माध्यम से लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बाल विवाह, बाल श्रम, नशा उन्मूलन, डायन-बिसाही और राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। पीएलवी सूरज मुण्डा और निर्मला कुमारी ने नालसा की 10 प्रमुख योजनाओं, निःशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने की प्रक्रिया, वृद्धा पेंशन, मजदूर निबंधन कार्ड और उससे मिलने वाले लाभों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही 12 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।

विजय शंकर नायक बने झारखंड कांग्रेस के नए प्रदेश प्रवक्ता, शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के नव-मनोनीत प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने संगठन में इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और राज्य के शीर्ष नेतृत्व के प्रति अपना हृदय से गहरा आभार व्यक्त किया है। पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले आधिकारिक बयान में उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रवक्ता जैसे गरिमामयी और महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी मिलना उनके लिए गौरव की बात है। इसके लिए वह केंद्रीय और प्रांतीय नेतृत्व के प्रति पूरी तरह कृतज्ञ हैं।

नव-मनोनीत प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने विशेष रूप से कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री सोनिया गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और विशेष रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय सहित पार्टी के सभी केंद्रीय व प्रदेश स्तरीय वरिष्ठ नेताओं के प्रति अपना हार्दिक धन्यवाद प्रकट किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के इन तमाम दिग्गजों ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बहुत बड़ी सांगठनिक जिम्मेदारी भी है।

श्री नायक ने कांग्रेस की नीतियों को रेखांकित करते हुए कहा कि पार्टी ने सदैव सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और भारतीय संविधान की रक्षा के लिए काम किया है। कांग्रेस हमेशा से दलित, आदिवासी, पिछड़ा, अल्पसंख्यक, गरीब, किसान, मजदूर, छात्र-छात्राओं और युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य करती आई है। उन्होंने नेतृत्व को विश्वास दिलाया कि वह कांग्रेस पार्टी की मूल विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने, संगठन को धरातल पर मजबूत करने तथा जनहित के मुद्दों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं संघर्षशीलता के साथ जनता के बीच रखने का कार्य करेंगे।

अपने भावी एजेंडे को साफ करते हुए नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि झारखंड की सवा तीन करोड़ जनता की न्यायसंगत आवाज को हर स्तर पर मजबूती से उठाना तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करना उनकी प्रथम और अंतिम प्राथमिकता होगी। अंत में उन्होंने कांग्रेस परिवार के सभी निष्ठावान कार्यकताओं, शुभचिंतकों एवं समर्थकों का भी दिल से आभार जताया, जिनके निरंतर स्नेह, अटूट विश्वास और जमीनी सहयोग के कारण उन्हें संगठन में यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्राप्त हुई है।

बारिश को लेकर आज ऑरेंज अलर्ट, तापमान में 2 डिग्री की गिरावट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान बादल छाने और ठंडी हवाएं चलने से तापमान में 02 से 03 डिग्री के गिरावट दर्ज की गई है। रांची में अधिकतम तापमान 39 डिग्री से गिरकर 37 डिग्री, पलामू में 45 डिग्री से गिरकर 43 डिग्री और जमशेदपुर में भी भी अधिकतम तापमान गिरकर 39 डिग्री से 36 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने गुरुवार को बताया कि आने वाले चार-पांच दिनों तक रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। बारिश होने से अधिकतम तापमान में और गिरावट होने की संभावना है। विभाग ने 29 मई को भी राज्य के उत्तर पश्चिम जिले (गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा) को छोड़कर शेष 20 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है।

साथ ही इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज आंधी चलने की भी संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43.5 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान खूंटी में 21.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के मंझारी में 49.3 मिलीमीटर रिकार्ड की गई।

राज्य के जिन अन्य इलाकों में भी बारिश दर्ज की गई उनमें मझगांव में 35.2 मिमी, खूंटी जिले के दियाकेल में 28 मिमी, चाईबासा में 23.8 मिमी, तांतनगर में 20.2 मिमी, बोकारो थर्मल में 15.8 मिलीमीटर, नीमडीह में 12.6 मिमी और मनोहरपुर में 10.6 मिमी सहित अन्य शामिल हैं।

गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और कड़ी धूप रही। कड़ी धूप के कारण लोगों को भीषण गर्मी महसूस हुई।

वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 36.8 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 47.8 और न्यूनतम 23.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 36.2 डिग्री और न्यूनतम 23.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

संक्षिप्त खबरें

सिल्ली-मुरी में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई

सिल्ली : मुरी के आसपास ईद उल अजहा की नमाज मस्जिद में अदा की गई नमाज के बाद सभी ने अपने वतन अपने गांव की खुशहाली के लिए दुआएं मांगी सभी एक दूसरे से गले मिले उसके बाद सभी अपने-अपने घर कुबार्नी के लिए निकल पड़े । ईद उल अजहा या जशन का पर्व नहीं ये त्याग ओर अल्लाह की राह में संपन्न करना इसे हम कहते हैं ईद उल अजहा इसे बकरीद भी कहा जाता है । हर साल दुनिया में करोड़ मुसलमान जशन ईद उल अजहा मानते हैं तो यह केवल एक त्यौहार नहीं होता है यह होता है एक यादगार पल एक सबक एक संदेश त्याग का ओर इंसानियत का । बकरीद जिसे ईद उल अजहा कहते हैं या त्योहार मनाया जाता है । हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम अल्लाह के पैगंबर थे अल्लाह ने उन्हें सपने में अपने सबसे प्यारी चीज अल्लाह के नाम पर कुर्बान करने को कहा पहला दिन ऊंट की कुबार्नी दी गई फिर रात में अल्लाह ने सपने में अपने सबसे प्यारी चीज कुर्बान करने को कहा या सिलसिला तीन दिनों तक चलता रहा । हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने सोचा सबसे ज्यादा प्यार हम अपने इकलौते बेटे हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम से करते हैं क्यों ना उसी की कुबार्नी किया जाए । हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने प्यारे एकलोते बेटे हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम से पूरी वाक्य बताएं तो बेटे ने कहा अल्लाह की मर्जी है तो आप हमारी कुबार्नी कर दीजिए ।जैसे ही हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने अपने बेटे हजरत स्माइल अलैहिस्सलाम के गर्दन में चाकू रखा अल्लाह ने एक दुंबा उसे चाकू के नीचे रख दिया इस तरह एक जानवर की कुबार्नी कराई । इस बात की याद में हर साल ईद उल अजहा मनाया जाता है । यह हिजरी कैलेंडर के 12वीं महीने जील हिज्जा के दसवीं तारीख को मनाई जाती है ।

जयराम महतो ने अदिति के परिजनों से की मुलाकात, एसएसपी से की बात

रांची : कोकर की रहने वाली 18 माह की मासूम अदिति के लापता होने के 20 दिन बाद भी गुरूवार को भी कोई सुराग नहीं मिली। इससे परिवार की बढ़ती चिंता को देखते हुए झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) सुप्रिमो सह डुमरी विधायक जयराम महतो समर्थकों के साथ अदिति के घर पहुंचे। मौके पर विधायक ने परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान विधायक ने परिवार के सदस्यों से पूरी जानकारी ली और उस नाले का भी जायजा लिया, जहां बच्ची के बह जाने की आशंका जताई जा रही है। निरीक्षण के बाद जयराम महतो ने कहा कि नाले में बच्ची के बह जाने की बात उन्हें तर्कसंगत नहीं लग रही है। उनका कहना था कि अगर ऐसा होता तो अबतक कुछ न कुछ सबूत जरूर मिल जाता। विधायक ने रांची के एसएसपी राकेश रंजन से फोन पर बात की। एसएसपी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि पुलिस और प्रशासन अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रहे हैं अगले दो दिनों के भीतर मामले में ठोस जानकारी सामने लाने की कोशिश की जाएगी। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दो दिनों के अंदर अदिति का पता नहीं चलता है तो वे सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि इतने दिनों तक एक मासूम बच्ची का कोई सुराग नहीं मिलना प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है।

बच्चे से सोने का लॉकेट छीनने वाला बदमाश सीसीटीवी की मदद से गिरफ्तार

रांची: रेलवे विभाग द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' अभियान के तहत आरपीएफ रांची को एक बड़ी सफलता मिली है। एक संयुक्त कार्रवाई में टीम ने बच्चे के गले से छीना गया भगवान हनुमान की आकृति वाला सोने का लॉकेट बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस सफल ऑपरेशन को आरपीएफ पोस्ट, डिविजनल ळडढइ टीम और रांची उक्ष की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। मली जानकारी के अनुसार, अजय कुमार सिन्हा नामक यात्री अपने परिवार को ट्रेन संख्या 18603 एक्सप्रेस में विदा करने रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर आए थे। इसी दौरान एक अज्ञात बदमाश ने उनके बच्चे के गले से सोने का लॉकेट छीन लिया। पीड़ित यात्री ने तुरंत इसकी शिकायत रेलवे सुरक्षा बल (फ्ढ्र) से की, जिसके बाद बल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत तफ्तीश शुरू कर दी। घटना के तुरंत बाद आरपीएफ ने स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। जांच के दौरान एक संदिग्ध युवक की पहचान की गई, जिसके बाद सुरक्षा टीमें उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखने लगीं। 28 मई को सीसीटीवी स्टाफ से मिली सटीक सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट डिविजनल ळडढइ टीम और उक्ष रांची की संयुक्त टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम ऋतिक मिश्रा बताया, जो बोकारो जिले का रहने वाला है। जब आरोपी की तलाशी ली गई, तो उसके पास से भगवान हनुमान की आकृति वाला सोने का लॉकेट, एक काला बटुआ और पैन कार्ड की प्रति बरामद हुई। शिकायतकर्ता अजय कुमार सिन्हा ने तुरंत बरामद लॉकेट की पहचान अपने बच्चे के लॉकेट के रूप में की। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। आरपीएफ अधिकारियों ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार आरोपी और बरामद किए गए सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी रांची के हवाले कर दिया है। जीआरपी ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। आरपीएफ पोस्ट रांची के निरीक्षक शिशुपाल कुमार ने बताया कि रेल यात्रियों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है और 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत स्टेशनों और ट्रेनों में इसी तरह लगातार निगरानी और सतर्कता बरती जाएगी।

एक नजर

पुंडी पंचायत में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रामगढ़ : साथी स्थापना दिवस के अवसर पर जलवायु अखड़ा 2026 के तहत पुंडी पंचायत में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और वैकल्पिक रोजगार को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खनन प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और रोजगार से जोड़ने पर विशेष चर्चा हुई। बैठक में बंद हो चुके कोलफील्ड क्षेत्रों के परिवारों को वैकल्पिक आजीविका उपलब्ध कराने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की जरूरत पर बल दिया गया। कार्यक्रम में जस्ट ट्रांजिशन अभियान के तहत खनन प्रभावित परिवारों के भविष्य को सुरक्षित बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्मिता संस्था और अग्रगति संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण रोजगार को लेकर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। पुंडी पंचायत की मुखिया रोपण देवी ने कहा कि अग्रगति संस्था गांवों में पर्यावरण और आजीविका को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। रोपण देवी ने बताया कि नेट-नेट पहल के माध्यम से महुआ संग्रहण को बढ़ावा दिया गया, जिससे जंगलों में आग लगने की घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि लगातार इस तरह के प्रयास किए जाएं तो आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण को और मजबूती मिलेगी। बैठक में साल बीज, चिरौंजी और महुआ दानों के संरक्षण और उपयोग पर भी विस्तार से चर्चा हुई। ग्रामीणों को बताया गया कि महुआ का उपयोग केवल शराब निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे खाद्य सामग्री और औषधियां भी तैयार की जाती हैं। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जंगल बचाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई।

ट्रक की चपेट में आने से गैरेज मिस्त्री की मौत

धनबाद : जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित सिमराटांड़ में सड़क हादसे में एक गैरेज मिस्त्री की मौत हो गई। मृतक की पहचान विकास शर्मा (32) के रूप में हुई है, जो बिहार के लखीसराय जिले के बढ़ैया का रहने वाला था। वह बरवाअड्डा में किराए के मकान में रहकर गोविंद गाड़ी गैरेज में मिस्त्री का काम करता था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गैरेज संचालक गोविंद हाजरा ने बताया कि विकास शर्मा रोज की तरह गुरुवार सुबह काम पर पहुंचा था। इसी दौरान गैरेज में खड़ी एक ट्रक जेएच-10-सीई-5756 अचानक अपनी जगह से लुढ़क गया, जिसने पास में खड़े विकास शर्मा को अपनी चपेट में लिया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों और सहकर्मियों ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बरवाअड्डा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज ट्रक को अपने कब्जे ले लिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि विकास काफी मेहनती और मिलनसार व्यक्ति था और लंबे समय से गैरेज में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था।

अमन और भाईचारे के साथ मनाया गया बकरीद का पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मरकच्चो प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मुस्लिम धर्मावलम्बियों का त्याग व बलिदान का पवित्र त्योहार ईद उल अजहा (बकरीद) गुरुवार को अमन व शांति के साथ संपन्न हो गया। बकरीद को लेकर सुबह से लोग तैयारियों में जुट गए। बच्चों में खासकर उत्साह देखने को मिला। नए कपड़े में सजे बच्चे खूब इठला रहे थे। ईद को लेकर बच्चों ने खास तैयारियां की थी। ईद पर मिले उपहार की खुशियां दूसरों से बताने में मशगूल थे। समय पर लोगों ने मस्जिदों व ईदगाहों में पहुंच गए। प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो जामा मस्जिद समेत दशारो, पपलो, शाहगंज, कर्बला नगर, मंझला नगर, देवीपुर, दरदाही, नावाडीह 1, खरखार, ताराटांड़, महूँगाय, विंडोमोह, महुआटांड़, तेलिया मारन, मुरकमनाय खेशमी समेत कई मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ईद उल अजहा की नमाज पढ़ी। मौके पर लोगों ने देश में अमन, भाईचारगी और मुल्क की तरक्की के लिए दुआ मांगी। नमाज के उपरांत सभी मुस्लिम भाई आपसी गीले शिकवे भूलकर एक दूसरे से गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी। इसके बाद लोगों ने अपने अपने घरों में बकरे की कुर्बानी दी।

अमन, भाईचारे और इंसानियत के पैगाम के साथ भुरकुंडा कोयलांचल में अकीदत से मनाई गई बकरीद

भुरकुंडा : कोयलांचल भुरकुंडा, भदानीनगर, बासल सहित आसपास के क्षेत्रों में बकरीद का पर्व आपसी सौहार्द, भाईचारे और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही ईदगाहों और मस्जिदों में मुस्लिम धर्मावलंबियों की भीड़ उमड़ पड़ी, जहां लोगों ने अकीदत के साथ विशेष नमाज अदा कर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में पर्व को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। पर्व के अवसर पर घरों में तरह-तरह के लजीज व्यंजन बनाए गए, जिसका लोगों ने परिवार और रिश्तेदारों के साथ आनंद लिया। बकरीद के मौके पर कई लोगों ने जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया। पर्व के दौरान सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। पूरे क्षेत्र में लोगों ने प्रेम और सद्भाव के साथ त्योहार मनाया। पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार, भदानीनगर ओपी प्रभारी अख्तर अली और बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार पुलिस बल के साथ विभिन्न ईदगाहों और संवेदनशील क्षेत्रों में मुस्तैद रहे। वहीं पतरातू अंचलाधिकारी मनोज चौरसिया बतौर दंडाधिकारी कई स्थानों पर मौजूद रहे। असामाजिक तत्वों द्वारा किसी प्रकार की अफवाह फैलाने की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन सोशल मीडिया पर भी लगातार नजर बनाए हुए था। प्रशासन की सतर्कता और लोगों के सहयोग से पूरे क्षेत्र में बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

जयनगर में अकीदत और भाईचारे के साथ मनाई गई बकरीद, अमन-चैन की मांगी गई दुआ

कोडरमा : जयनगर प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को ईद उल अजहा (बकरीद) का त्योहार धार्मिक आस्था, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया गया। सुबह होते ही विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक और अल्लाहु अकबर की सदाओं से पूरा माहौल गूंज उठा। लोगों ने नए परिधानों में ईदगाह पहुंचकर नमाज अदा की और देश में अमन, तरक्की एवं भाईचारे की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कई जगहों पर जरूरतमंदों के बीच कुर्बानी का गोश्त बांटकर इंसानियत और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती अमीरुद्दीन मिस्बाही ने अपने तकरीर में कहा कि ईद उल अजहा त्याग, सब्र और इंसानियत का पर्व है। उन्होंने कहा कि असली कुर्बानी अपने अंदर की बुराइयों, लालच और नफरत को खत्म करना है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने, गरीबों की मदद करने तथा समाज में शांति और मोहब्बत कायम रखने की अपील की। ईद पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया।

अमन, भाईचारे और कुर्बानी के जज्बे के साथ पतरातू में मनाई गई बकरीद

पतरातू : पतरातू और आसपास के क्षेत्रों में ईद-उल-अजहा यानी बकरीद का पर्व धार्मिक आस्था, भाईचारे और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही ईदगाहों और मस्जिदों में मुस्लिम धर्मावलंबियों की भीड़ उमड़ पड़ी, जहां लोगों ने अकीदत के साथ विशेष नमाज अदा कर देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। पर्व को लेकर पतरातू, जयनगर, सांकुल, सोलिया, पलानी, तालाटांड़, उचरिंगा, मस्जिद कॉलोनी, हफुआ, पालु, रोचाप और कुरबीज सहित विभिन्न क्षेत्रों के ईदगाहों और मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी। बकरीद के अवसर पर मुस्लिम धर्मावलंबियों ने परंपरा और धार्मिक मान्यता के अनुसार कुबार्नी अदा की। पर्व के दौरान लोगों ने जरूरतमंदों की मदद कर इंसानियत और सामाजिक सौहार्द का संदेश भी दिया। घरों में विशेष पकवान बनाए गए और परिवार के साथ त्योहार की खुशियां साझा की गईं। पूरे पतरातू क्षेत्र में बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पर्व को लेकर लोगों में खास उत्साह देखा गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने पूरे उल्लास के साथ त्योहार मनाया।

रामगढ़ में शराब दुकान का शटर तोड़ लाखों की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ थाना क्षेत्र के बिजूलिया स्थित शराब दुकान में देर रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात नकाबपोश चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर लाखों की नकदी और महंगी शराब पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, रात करीब चार बजे चोर दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसे। बताया जा रहा है कि आरोपी करीब एक घंटे तक दुकान के अंदर रहे और आराम से नकदी व शराब समेटते रहे। प्रारंभिक जांच में लगभग 1 लाख 80 हजार रुपये नकद चोरी होने की पुष्टि हुई है, जबकि शराब के नुकसान का आकलन अभी जारी है। सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान का शटर टूटा और थोड़ा खुला देखा तो इसकी जानकारी तुरंत दुकान मालिक को दी। इसके बाद मालिक और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और दुकान के अंदर सामान बिखरा देख चोरी की पुष्टि हुई। घटना की खबर फैलते ही आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई।घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में नकाबपोश चोर साफ दिखाई दे रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि आरोपी चार पहिया वाहन से आए थे और उसी से चोरी का सामान लेकर फरार हो गए। चौंकाने वाली बात यह है कि घटना बैंक और तीन एटीएम के सामने हुई, जिससे शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्ती व्यवस्था पर नाराजगी जताई है। कर्मचारी धर्मेंद्र कुमार ने चोरी की पुष्टि करते हुए बताया कि नकदी के साथ महंगी शराब भी गायब है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया है।

आदिवासी अस्मिता के समर्थन में रामगढ़ में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित विवादित बयान के विरोध में गुरुवार को रामगढ़ के सुभाष चौक पर आदिवासी कांग्रेस द्वारा जोरदार पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष गगन करमाली ने किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आदिवासी समाज को वनवासी कहे जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे आदिवासी पहचान, संस्कृति और इतिहास का अपमान बताया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस और आदिवासी कांग्रेस कार्यकर्ता सुभाष चौक पर जुटे। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की पहचान और परंपरा से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी अलग संस्कृति, इतिहास और सामाजिक व्यवस्था है, जिसे कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष कुसुम लता मुंडा, प्रदेश सचिव मुन्ना पासवान, जवाहर बालमंच प्रदेश अध्यक्ष तारीख हनवर, बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष दिनेश मुंडा, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी, विधायक प्रतिनिधि संजय साहू, मांडू प्रखंड अध्यक्ष सागर महतो, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार, जवाहर बालमंच जिला अध्यक्ष कार्तिक राम, अनुसूचित जाति जिला अध्यक्ष उदित राम और यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष टिंकू खान ने भी संबोधित किया।

कोडरमा के कॉलेजों को वीबीयू से हटाकर गिरिडीह जोड़ने का फैसला तानाशाही, आज जे जे कॉलेज में छात्रों का होगा जुटान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिले के प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक जगन्नाथ जैन कॉलेज (जे जे कॉलेज) समेत जिले भर के अन्य महाविद्यालयों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय (वीबीयू), हजारीबाग से विच्छेदित कर गिरिडीह में नवनिर्मित सर जे सी बोस विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करने के राज्य सरकार के गजट नोटिफिकेशन के खिलाफ छात्र समुदाय में भारी आक्रोश है। सरकार के इस अव्यवहारिक और छात्र विरोधी फैसले के विरोध में 'जे जे कॉलेज बचाओ समिति, कोडरमा' के बैनर तले आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। 29 मई को सुबह 11:00 बजे जे जे कॉलेज परिसर में जिले भर के छात्रों और छात्र आंदोलन के समर्थकों की बड़ी बैठक बुलाई गई है। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जिले के तीन प्रमुख पूर्व छात्र नेताओं ने सरकार के इस गजट और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर सीधे सवाल उठाए हैं। पूर्व छात्र नेता महेश भारती ने कहा कि राज्य में नए विश्वविद्यालयों का निर्माण होना चाहिए। शैक्षणिक स्थिति में सुधार का प्रयास स्वागत योग्य है, लेकिन इसके नाम पर कोडरमा के छात्रों पर आत्मघाती फैसले थोपना सरासर तानाशाही रवैया है। कोडरमा से हजारीबाग (वीबीयू) की दूरी मात्र 60 किलोमीटर है, जहाँ जाने में बहुत कम समय लगता है। इसके विपरीत, हमें लगभग 120 किलोमीटर दूर गिरिडीह के सर जे सी बोस विश्वविद्यालय से जोड़ा जा रहा है, जो दोगुनी दूरी पर है। यह पूरी तरह तर्कहीन और छात्र विरोधी कदम है। वहीं पूर्व छात्र नेता देवेंद्र कुमार ने कहा कि इस तुगलकी फरमान का सबसे बुरा असर हमारे जिले की छात्राओं पर पड़ेगा। कोडरमा से गिरिडीह के लिए न तो यातायात की कोई सुगम व्यवस्था है और न ही सीधी कनेक्टिविटी। छात्राओं को इतनी लंबी दूरी तय करने में भारी असुरक्षा और असुविधा का सामना करना पड़ेगा। आने-जाने में ज्यादा समय बर्बाद होगा, वाहन भाड़ा दोगुना लगेगा और यदि किसी काम में देरी हुई, तो वहां रात्रि विश्राम के लिए भारी फजीहत झेलनी पड़ेगी। हम इस व्यवस्था को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। वहीं पूर्व छात्र नेता रवि पासवान ने कहा कि इतने संवेदनशील और गंभीर मुद्दे पर हमारे स्थानीय सांसद और विधायकों का रवैया अत्यंत उदासीन और निराशाजनक रहा है। शैक्षणिक मामलों में जनप्रतिनिधियों की इस खामोशी के कारण ही आज कोडरमा का छात्र ठगा हुआ महसूस कर रहा है और आंदोलन के मूड में है। उनकी इस चुप्पी का जवाब अब छात्र 'इंकलाब' के नारों से देंगे। हमारी मांग है कि सरकार तुरंत इस गजट को वापस ले। कोडरमा जिले के गौरवशाली जे जे कॉलेज व अन्य कॉलेजों का अस्तित्व और प्रशासनिक संबद्धता विनोबा भावे विश्वविद्यालय के साथ ही बनी रहे। 'जे जे कॉलेज बचाओ समिति' ने जिले के सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं से अपील की है कि वे कोडरमा की आने वाली पीढ़ियों के भविष्य और अपनी बेटियों की सुगम शिक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए 29 मई 2026 को ठीक सुबह 11 बजे जे जे कॉलेज जरूर पहुंचें। यह लड़ाई दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कोडरमा के शैक्षणिक स्वाभिमान को बचाने की है।

संक्षिप्त खबरें

पासवा कोडरमा की हुई बैठक, सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय

कोडरमा : प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) कोडरमा की बैठक बीआरए इंटरनेशनल स्कूल में जिला कार्यकारी अध्यक्ष अभय कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सदस्यता शुल्क निर्धारण, सभी प्रखंडों में सदस्यता अभियान चलाने तथा 5 जुलाई को जिलास्तरीय बैठक आयोजित कर जिला व प्रखंड पदाधिकारियों के नवीनीकरण का निर्णय लिया गया। इसके अलावा 5 सितंबर को शिक्षक सम्मान समारोह तथा अक्टूबर माह में निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए खेल-कूद, वाद-विवाद और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करने पर सहमति बनी। बैठक में जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारी समेत जिले के सैकड़ों विद्यालय संचालक उपस्थित रहे।

भाजपा कोडरमा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

कोडरमा : कोडरमा मधुबन डुमरी में भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की दो दिवसीय कार्यशाला दिनांक 26/05/2026 एवं 27/05/2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 26 मई को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं धनबाद के पूर्व सांसद पी ऐन सिंह के द्वारा किया गया। उनका स्वागत भाजपा कोडरमा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने किया। स्वागत भाषण में जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं में उत्साहवर्धन होता है तथा उन्हें पार्टी की विचारधारा की विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकताओं के बौद्धिक विकास के साथ-साथ संगठन विस्तार की क्षमता को भी मजबूत करते हैं। दो दिवसीय इस कार्यशाला में कुल 11 सत्र आयोजित किए गए, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन, विचारधारा एवं राजनीतिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उद्घाटन दिवस पर पी ऐन सिंह ने कहा भारतीय जनता पार्टी अध्यच्छिय प्रणाली कि पार्टी है पार्टी संगठन अपने विचारधारा और देश हित में कार्य करती है हमारी पार्टी में व्यक्ति प्रधान नहीं होता है पार्टी विचारधारा प्रधान होती हैं दूसरे सत्र में विकास प्रीतम,तीसरे सत्र में प्रेम मित्तल , चौथे सत्र में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू जी,पांचवे सत्र में संगठन महामंत्री कर्मबीर जी,छठे सत्र में शैलेंद्र सिंह जी एवं सातवें सत्र में विक्रांत उपाध्याय जी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बौद्धिक मार्गदर्शन दिया। दूसरे दिन 27 मई 2026 को आयोजित सत्रों में आठवें सत्र में अन्नपूर्णा देवी जी, नौवें सत्र में छेत्रिय महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी जी, दसवें सत्र में बालमुकुंद सहाय जी,ग्यारहवें सत्र में प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी जी ने अपने विचार रखे और कार्यशाला का समापन समारोह किया गया।

संस्कृति, परंपरा और एकता का महाकुंभ बनेगा संथाल समाज का 30वां स्थापना दिवस

रामगढ़ : अक्षत बैंक्वेट हॉल, फोरलाईन कुजू में संथाल समाज दिशोम मांझी परगना तैयारी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 30 मई को होने वाले 30वें स्थापना दिवस समारोह को ऐतिहासिक, भव्य और पारंपरिक स्वरूप देने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड सचिव टिरु मांझी ने की, जबकि संचालन प्रखंड कोषाध्यक्ष अमित हंसदा ने किया। कार्यक्रम में महासचिव सोनाराम मांझी, केंद्रीय सचिव अलख कुमार मांझी और केंद्रीय कोषाध्यक्ष एतो बास्के मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि झारखंड के विभिन्न जिलों और गांवों से आने वाले ग्राम प्रधानों (मांझी बाबा) को स्थापना दिवस समारोह में मंच पर सम्मानित किया जाएगा। इसे संथाल समाज की परंपरा, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया। कार्यक्रम में दर्जा प्राप्त मंत्री एवं संथाल समाज दिशोम मांझी परगना के केंद्रीय अध्यक्ष फागु बेसरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर समाज के लोगों में खास उत्साह देखा जा रहा है। अतिथियों के स्वागत के लिए विशेष स्वागत समिति का गठन किया गया है। समिति पारंपरिक संथाली नृत्य, संगीत और आदिवासी संस्कृति के साथ अतिथियों का स्वागत करेगी। साथ ही बैच और पारंपरिक गमछा भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। समारोह में पारंपरिक लोकनृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुति और समाज की एकता को दर्शाने वाले कार्यक्रम आयोजित होंगे। बैठक में सोनाराम हेम्ब्रोम, रॉयल हंसदा, सन्नी सोरेन, प्रदीप सोरेन, बिरेंद्र मांझी, महेश सोरेन, सुरेश सोरेन, रामचंद्र टुडू, विजय मुर्मू, राजेश हंसदा, सहदेव किस्कू सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुजरात में मजदूर की मौत, गांव में मातम

धनबाद : जिले के पूर्वी टुंडी प्रखंड अंतर्गत चुरुरिया पंचायत के दलदली गांव से मजदूरी करने गए गांव के युवक मनोज मरांडी की कार्यस्थल पर हादसे में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। मृतक का शव गुरुवार को यहां पहुंचते ही गांव में मातम के साथ ग्रामीणों आक्रोश व्याप्त हो गया और उन्होंने सरकार से मुआवजा और परिवार के पुनर्वास की मांग की है। जानकारी के अनुसार पूर्वी टुंडी के दलदली गांव निवासी मनोज मरांडी गुजरात की एक निजी कंपनी में मजदूरी का काम करता था। काम के दौरान हुए एक भीषण हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कंपनी प्रबंधन ने फोन के जरिए घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। मनोज मरांडी का शव गुरुवार को उसके पैतृक गांव में पहुंचते ही उसकी पत्नी रोहणी देवी, बूढ़े माता-पिता और दोनों मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृत मजदूर की चाची सशांकी देवी और ग्रामीणों का कहना है कि मनोज ही परिवार का एकमात्र सहारा था और उसी की कमाई से पूरे घर का खर्च चलता था। घटना के बाद पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से मृतक के परिवार को तत्काल मुआवजा देने, पत्नी को रोजगार या पेंशन उपलब्ध कराने और बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था करने की मांग की है।

एक नजर

कश्मार गांव में उल्लास के साथ मनाया गया रोहिन पर्व

पटमदा : पटमदा प्रखंड के काश्मार पंचायत के काश्मार गांव में रोहिन पर्व काफी उल्लास पूर्वक मनाया गया। जानकारी देते हुए तारापद तिवारी ने बताया कि काश्मार में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीणों के द्वारा श्रद्धा पूर्वक पूजा पाठ के साथ पूजा संपन्न हुआ। प्रत्येक परिवार में पूजा का प्रसाद ग्रहण करने रिश्तेदार और बंधु मित्र पहुंचते हैं।

चाईबासा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बकरीद का पर्व

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला में मुस्लिम समुदाय का पवित्र त्योहार बकरीद गुरुवार (जुमरात) को शहर चाईबासा में हर्षोल्लास, भाईचारे और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी और अमन-चैन तथा खुशहाली की दुआ मांगी। शहर के मस्जिद ए तैयबा, मस्जिद ए आसरा, मदीना मस्जिद, मदरसा रहमानिया, मदरसा अनवारुल उलूम तथा ईदगाह चाईबासा में विशेष नमाज अदा की गई। इस दौरान नमाजियों ने देश और दुनिया में शांति, भाईचारे और सौहार्द कायम रहने की दुआ की। ईदगाह चाईबासा में अंजुमन इस्लामिया की ओर से विशेष नमाज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर चाईबासा बहामन टूटी, सदर थाना प्रभारी हीरालाल महतो तथा मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर अंजुमन इस्लामिया के सचिव सह सामाजिक कार्यकर्ता फैयाज खान उर्फ बल्लो खान ने सभी अधिकारियों का अंगवस्त्र और पौधा भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। मौके पर अंजुमन इस्लामिया के सचिव फैयाज खान ने कहा कि बकरीद मुस्लिम समुदाय का पवित्र कुर्बानी का त्योहार है। यह पर्व हमें त्याग, प्रेम और इंसानियत का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि हम अल्लाह ताला से दुआ करते हैं कि पूरी दुनिया में अमन, चैन और शांति बनी रहे तथा लोग आपसी भाईचारे और सम्मान के साथ रहें। पूरे शहर में बकरीद को लेकर उत्साह का माहौल देखा गया।

जल संरक्षण और पौधारोपण को लेकर एकल अभियान की बैठक

खूंटी: एकल अभियान मुरहू संच समिति की बैठक गुरुकवार को सरस्वती शिशु मंदिर कोड़ाकेल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संच अध्यक्ष डॉ डीएन तिवारी ने की। बैठक में डॉ तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में सभी लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक होने और पानी की बबार्दी रोकने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि एकल अभियान के तहत 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न गांवों में पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को सफल बनाने के लिए आचार्यों की ओर से गांवों में लोगों की सूची तैयार की जाएगी और पौधे लगाने के लिए पहले से गड्ढे तैयार कराने को कहा जाएगा। समिति की ओर से आम, कटहल, लीची, अनार, आंवला, नींबू सहित अन्य फलदार पौधे मंगाए जाएंगे। परिवहन और यातायात खर्च को देखते हुए प्रति पौधा 10 रुपये सहयोग राशि ली जाएगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 05 जून से पौधारोपण अभियान शुरू कर दिया जाएगा।

बकरीद पर मस्जिदों में अदा हुई विशेष नमाज अमन और खुशहाली की मांगी गई दुआ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : जिला मुख्यालय खूंटी सहित जिले के सभी प्रखंडों में त्याग, बलिदान और प्रेम का पर्व ईद-उल-अजहा गुरुवार को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित कर्रा रोड की जामा मस्जिद, जन्नतनगर की मदीना मस्जिद, पाशा कॉलोनी की मस्जिद-ए-जोहरा और जन्नतनगर की मस्जिद-ए-कौसर सहित अन्य मस्जिदों में सुबह ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज के दौरान लोगों ने खूंटी सहित पूरे राज्य में खुशहाली, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ

मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर बकरीद की बधाई दी। इसके बाद कब्रिस्तानों में जाकर अपने पुरखों और सगे-संबंधियों की कब्रों पर फातिहा पढ़ी गई। बाद में कुर्बानी की रस्म अदा की गई। पर्व को लेकर बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में खासा उत्साह देखने को मिला। मस्जिदों और मुस्लिम बहुल इलाकों में पर्व की रौनक देखते ही बन रही थी। जामा मस्जिद में उपायुक्त मो जावेद हुसैन ने भी नमाज अदा की और लोगों से गले मिलकर बकरीद की बधाई दी। वहीं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने जामा मस्जिद के बाहर नमाज अदा कर बाहर निकल रहे बच्चों और अन्य नमाजियों के बीच टॉफियां बांटकर खुशियों में अपनी सहभागिता निभाई। दूसरी ओर, पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। संवेदनशील स्थलों और मस्जिदों के आसपास दंडाधिकारियों के साथ पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। वहीं अहले सुबह से ही पुलिस जवान बाइक से शहर के गली-मुहल्लों में लगातार गश्ती करते रहे। जामा मस्जिद के इमाम मोहम्मद मोहिबुल्लाह ने बताया कि बकरीद का मुस्लिम धर्म में विशेष महत्व है। इस पर्व को ईद-उल-अजहा या कुर्बानी का त्योहार भी कहा जाता है। ईद-उल-अजहा का अर्थ त्याग वाली ईद है। इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाह और मस्जिदों में जमात के साथ विशेष नमाज अदा करते हैं। इस्लाम धर्म की मान्यता के अनुसार पैगंबर हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने कुर्बानी की परंपरा की शुरूआत की थी, तभी से इस परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है।

चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो राजव्यापी अभियान के तहत किशोरियों का संवाद सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बाल कल्याण संघ एवं मिरेकल फाउंडेशन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर, राज्य सरकार द्वारा संचालित "चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो" अभियान के तहत बुधवार को बोड़ाम प्रखंड के गोरडीह गांव में माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम ओर रैली निकाली गयी। रैली में बड़ी संख्या में किशोरियों, महिलाओं ने भाग लेकर स्वच्छता एवं जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के बारे में कार्यक्रम समन्वयक ओम प्रकाश तिवारी ने कहा कि राज्य में केवल 52 से 55 प्रतिशत किशोरियां एवं महिलाएं ही सैनिटरी नैपकिन का उपयोग करती हैं। जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि माहवारी स्वच्छता महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान, शिक्षा एवं सुरक्षित जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। समाज में जागरूकता

बढ़ाकर ही इस स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि 4 जून तक बोड़ाम, घाटशिला एवं पटमदा प्रखंड के पंचायत एवं गांव स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत किशोरियों एवं महिलाओं को सुरक्षित माहवारी प्रबंधन, सैनिटरी नैपकिन के उपयोग एवं सुरक्षित निपटान के प्रति जागरूक किया जाएगा। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार बड़ी संख्या में महिलाएं असुरक्षित साधनों का उपयोग करती हैं। जिससे कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। अभियान के माध्यम से माहवारी से जुड़ी झिझक, भ्रांतियों एवं चुप्पी को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है अभियान के दौरान पंचायत एवं समुदाय स्तर पर बैठक, प्रभातफेरी, शपथ ग्रहण, जागरूकता रैली एवं स्वच्छता आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही स्वयं सहायता समूह, किशोरी समूह एवं विभिन्न हितधारकों के सहयोग से गांव-गांव में जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

झामुमो जिलाध्यक्ष विक्टर सोरेन ने कार्यकर्ताओं संघ की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के पटमदा प्रखंड में झामुमो जिलाध्यक्ष विक्टर सोरेन ने पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के पदाधिकारियों के साथ ग्राम प्रधान संघ भवन में एक संगठनात्मक बैठक की। बैठक में केंद्रीय कमिटी के निर्देश पर सभी पदाधिकारियों से राज्य में चल रहे एस आई आर सर्वे पर पैनी नजर रखने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकताओं से अपने विधानसभा क्षेत्र के योग्य मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करवाने पर जोर देने के लिए प्रत्येक बूथ पर एक बूथ लेबल एजेंट बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया ।ताकि कोई भी योग्य मतदाता सूची से वंचित ना रहे। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एस आई आर सर्वे को लेकर झारखंड के सभी जिला अध्यक्ष को विशेष रूप से सक्रिय रहकर अपने जिले में योग्य वोटरों का नाम मतदाता सूची में अंकित करवाने का निर्देश दिया है।

वही झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय आगामी 3 जून को जमशेदपुर में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। बैठक में पटमदा के 92 और बोड़ाम के 63 बूथ में बूथ लेबल एजेंट बनाने का आदेश दिया था। जिसमें पटमदा प्रखंड अध्यक्ष अश्वनी महतो ने जिलाध्यक्ष विक्टर सोरेन को बूथ लेबल एजेंट का सूची सौंपा।इस दौरान बैठक में जिला संगठन सचिव सह विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, पटमदा प्रखंड अध्यक्ष अश्वनी महतो, जितुलाल मुर्मू, सुफल टुडू, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जमशेदपुर में अकीदत और भाईचारे के साथ मनाई गई बकरीद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : ईद-उल-अजहा यानी बकरीद का त्योहार गुरुवार को जमशेदपुर शहर में पूरी धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही शहर की विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने अल्लाह की इबादत कर देश-दुनिया में अमन, चैन, तरक्की और इंसानियत कायम रहने की दुआ मांगी। मानगो ईदगाह, आमबगान ईदगाह, जुगसलाई ईदगाह, कपाली ईदगाह, धतकीडीह, सोनारी, कदमा, बिष्टुपुर, परसुडीह और गोलमुरी सहित शहर के कई इलाकों में सुबह से ही त्योहार की रौनक देखने को मिली। नए कपड़े पहनकर बच्चे, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में नमाज अदा करने पहुंचे। ईदगाहों के आसपास लोगों की चहल-पहल बनी रही और इत्र की खुशबू से पूरा वातावरण महक उठा। ईद की नमाज के दौरान पेश इमामों ने अपने खुतबे में हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम और हजरत

इस्माइल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी का जिक्र करते हुए लोगों को त्याग, सब्र, इंसानियत और अल्लाह की राह में कुर्बानी देने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि अल्लाह के हुक्म पर हजरत इब्राहिम अपने बेटे हजरत इस्माइल को कुर्बान करने के लिए तैयार हो गए थे, लेकिन अल्लाह ने उनकी सच्ची नीयत देखकर हजरत इस्माइल की जगह एक दुंबे की कुर्बानी कबूल कर ली। इसी याद में हर वर्ष ईद-उल-अजहा का पर्व मनाया जाता है। इमामों ने अपने संबोधन में समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। साथ ही लोगों से गरीबों, जरूरतमंदों और बेसहारा लोगों की मदद करने का संदेश दिया।

छोटानागपुर के आदि पुरखानी परब 'रोहिन' के साथ पटमदा व बोड़ाम में कृषि कार्य का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : छोटानागपुर की पुरखानी पर्व रोहिन परब गुरुवार को पटमदा एवं बोड़ाम प्रखंड क्षेत्र में पारंपरिक रीति-रिवाजों और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसानों ने धान बीज रोपण कर नए कृषि सत्र की शुरूआत की। गांवों में सुबह से ही खेत-खलिहानों में पारंपरिक पूजा-अर्चना और प्रकृति आराधना का वातावरण देखने को मिला। जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता सुधांशु बानूआर ने बताया कि रोहिन पर्व केवल एक पर्व नहीं, बल्कि कृषि सभ्यता, प्रकृति संरक्षण और पुरखों की परंपरा से जुड़ी सांस्कृतिक धरोहर है। छोटानागपुर क्षेत्र में सदियों से किसान इस दिन खेतों में पहली बार धान बीज डालकर खेती कार्य की शुरूआत करते हैं। मान्यता है कि इस दिन धरती माता, जल,

जंगल और प्रकृति महाशक्ति की पूजा करने से अच्छी फसल और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि किसान खेत में तीन मुट्ठी धान बीज डालकर अपने पूर्वजों और प्रकृति देवता का स्मरण करते हैं। शाम के समय खेत से "रोहिन माटी" लाने की भी विशेष परंपरा है। इस मिट्टी को पवित्र माना जाता है तथा वर्षभर घरों में होने वाले विभिन्न धार्मिक एवं पारिवारिक अनुष्ठानों में इसका उपयोग किया जाता है।रोहिन परब के अवसर पर गांवों में पारंपरिक लोकगीत, रीति-रिवाज और सामूहिक पूजा का आयोजन भी किया गया। बुजुर्गों ने नई पीढ़ी को कृषि संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक एकता का संदेश दिया। समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने कहा कि इस पर्व में "रोहिन फल" खाने का विशेष महत्व है। यह फल औषधीय एवं एंटीबायोटिक गुणों से भरपूर माना जाता है, जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग इसे स्वास्थ्य और प्रकृति के वरदान के रूप में देखते हैं।

कोयला वर्चस्व को लेकर दो गुटों में गैंगवार, फायरिंग में तीन घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले के कतरास थाना क्षेत्र अंतर्गत छाताबाद में बुधवार देर रात अवैध कोयला कारोबार में वर्चस्व को लेकर दो गुटों के बीच जमकर गोलीबारी हुई है। रात करीब एक बजे हुई अंधाधुंध फायरिंग से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना में दोनों पक्षों के तीन लोग गोली लगने से घायल हो गए है। घायलों में छाताबाद निवासी मो. तौसिफ, नीतीश कुमार यादव तथा एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं। बताया जा रहा है कि मो. तौसिफ के कंधे में गोली लगी है, जबकि नीतीश कुमार यादव की जांघ में गोली लगी है। गंभीर रूप से घायल तौसिफ को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दुगार्पुर रेफर किया गया है। वहीं नीतीश यादव का

इलाज निचितपुर स्थित एक निजी क्लीनिक में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार छाताबाद स्थित कैलूडीह मैदान के समीप देर रात स्कॉर्पियो सवार कुछ लोग पहुंचे और कैलूडीह मस्जिद भवन के पास अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दूसरे पक्ष की ओर से भी जवाबी फायरिंग की गई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी से पूरा इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा और लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, कतरास थाना प्रभारी प्रवीण कुमार, कतरास अंचल इंस्पेक्टर मो. रुस्तम अंसारी सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बताया कि गोलीबारी में शामिल अपराधियों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों के अनुसार जिस इलाके में गोलीबारी हुई, उसके समीप एक आउटसोर्सिंग परियोजना संचालित है। आसपास लंबे समय से अवैध कोयला खनन और कोयला तस्करी का कारोबार चल रहा है। चोरी का कोयला साइकिल और बाइक के जरिए लाकर छाताबाद और स्वास्तिक टॉकीज के बीच बड़े पैमाने पर डंप किया जाता है, जहां से बाद में ट्रकों और अन्य वाहनों से विभिन्न इलाकों में भेजा जाता है। बताया जा रहा है कि इसी अवैध कारोबार में वर्चस्व को लेकर दोनों गुटों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। पिछले वर्ष मार्च में भी इसी तरह की हिंसक घटना में मनोज यादव नामक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अवैध कोयला कारोबार और बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

अकीदत और उत्साह के साथ सरिया में मनाई गई ईद-उल-अजहा, ईदगाह में गूंजी अमन-चैन की दुवाएं

सरिया : सरिया अनुमंडल मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में मुस्लिम धर्मावलंबियों का पवित्र त्योहार ईद-उल-अजहा पूरे अकीदत, पारंपरिक अदब और उत्साह के साथ मनाया गया। बीते शुक्रवार को ही मस्जिद कमेटी द्वारा यह एलान कर दिया गया था कि ईदगाह में नमाज सुबह ठीक 7:00 बजे अदा की जाएगी। इसी घोषणा के मद्देनजर सुबह से ही चारों तरफ त्योहार की रौनक देखने को मिली। सुबह होते ही मुस्लिम समुदाय के लोग, युवा और बच्चे नहा-धोकर, इत्र लगाकर और नए-नए आकर्षक परिधान पहनकर सरिया थाना के पीछे स्थित मुख्य ईदगाह की ओर बढ़ने लगे। देखते ही देखते पूरा ईदगाह परिसर नमाजियों से सहेज उठा। हर चेहरे पर त्योहार की खुशी और सादगी साफ झलक रही थी। ठीक सुबह 7:00 बजे सरिया मस्जिद के सम्मानित इमाम हजरत मौलाना गुलाम रसूल साहब ने सबसे पहले ईद-उल-अजहा की अहमियत पर रोशनी डालते हुए खुत्बा पढ़ा। इसके बाद उन्होंने उपस्थित सैकड़ों अकीदतमंदों को ईद-उल-अजहा की दो रिकात वाजिब नमाज मुकम्मल कराई। नमाज के बाद बारगाहे-इलाही में हाथ उठाकर देश में अमन, चैन, भाईचारे और खुशहाली की सामूहिक दुआएं मांगी गईं। नमाज मुकम्मल होने के बाद ईदगाह परिसर में "ईद मुबारक" की सदाएं गूंज उठीं। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर त्योहार की बधाई दी और गिले-शिकवे दूर किए। ईदगाह में नमाज और दुआ का सिलसिला पूरा होने के बाद सभी लोग अपने-अपने घरों की ओर लौटे। इसके बाद अल्लाह की राह में हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत को ताजा करते हुए बकरे की कुर्बानी दी गई। कुर्बानी के बाद गोश्त को सुन्नत के मुताबिक तीन हिस्सों में बांटकर गरीबों, यतीमों और रिश्तेदारों के बीच तकसीम (वितरण) किया गया। सुरक्षा और विधि व्यवस्था को लेकर सरिया थाना पुलिस भी मुस्तैद दिखी, जिससे पूरा त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

जमशेदपुर से आ रही तुफान बस ट्रक से सीधा टक्कर, घंटों सड़क जाम

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के सिल्ली रांगामाटी सड़क पर तुता मोड़ के पास तुफान बस जमशेदपुर से चौड़ा भाया मिलन चौक जाने के दौरान जमशेदपुर की ओर जा रहा इंटा लदे एक ट्रक को सामने से जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे ट्रक और बस का सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद चालक फरार हो गया। बस ट्रक के साथ टकराने से बस यात्रियों में अफरातफरी मच गया। अचानक टक्कर मारने से दर्जनों यात्री घायल हो गया। बीच सड़क पर बस और ट्रक का टक्कर होने से सड़क का दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। घंटों सड़क जाम हो गया। चीख और चिल्लाने की आवाज से राहगीर एवं स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गया एवं बस यात्रियों को बस से सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना की सुचना मिलते ही एएसआई नारायण साह पुलिस दल के साथ पहुंचे और जेसीबी के सहयोग से बस को सड़क से हटाया गया एवं सड़क पर आवागमन बहाल किया गया। ईचागढ़ पुलिस दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जप्त कर आगे की कार्रवाई में जुटी। बताया जा रहा है कि बस दुर्घटना के बाद कुछ अज्ञात लोगों ने बस में लोड कुछ दुकानदारों का समानों को भी चोरी कर लिया गया। बस में जमशेदपुर से आ रहा मिलन चौक के प्रिया मेडिकल का करीब 50 हजार रुपए का दवा पर भी अज्ञात चोरों ने हाथ साफ कर चंपत हो गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

रामपुर गोलीकांड के पीड़ितों से मिले पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी

पलामू : पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर में गोलीकांड से प्रभावित चौधरी परिवार से पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी ने गुरुवार को मुलाकात की। घटना की जानकारी ली और मामले को हृदयविदारक बताया। बता दें कि 23 मई को रामपुर गांव में जमीन को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हुई थी। इस क्रम में चलाई गई गोली से एक युवक सिकन्दर चौधरी की मौत हो गई थी जबकि तीन जख्मी हो गए थे। पूर्व मंत्री त्रिपाठी घटना की जानकारी लेने के क्रम में प्रभावित पक्ष की बात सुनकर भावुक हो गए। उन्होंने कहा किसी के जान की क ीमत इतनी आसान नहीं है। जमीनी विवाद हो तो कानून का सहारा ले ना की किसी की जिंदगी उजाड़ दी जाए। त्रिपाठी ने कहा कि हमारी संवेदना पीड़ित परिवार के साथ है। पलामू पुलिस अपना काम कर रही है। जल्द दूध का दूध पानी का पानी होगा। उन्होंने कहा की भविष्य में दोबारा ऐसी घटना ना घटे इसका ध्यान रहे। आगे हमारी जहां जरूरत हो हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े है। मौके पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह टिकैत, बबलू दुबे, गोपाल त्रिपाठी, सोनू पासवान, रंजन दुबे, रमेश चौधरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

कुटी काटने में फंसकर मजदूर के कटे दोनों हाथ, अधिक खून बहने से मौत

पलामू: जिले के पड़वा थाना क्षेत्र के बटसारा में कुटी काटने के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक मजदूर की पहचान पड़वा थाना क्षेत्र के गोल्हना गांव के 50 वर्षीय दशरथ प्रजापति के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह बटसारा गांव के एक खलिहान में ट्रैक्टर में लगी कुटी मशीन से पुआल काटा जा रहा था। दशरथ प्रजापति मशीन में पुआल डाल रहे थे। इसी दौरान अचानक उसका हाथ अंदर मशीन में चला गया, जिससे दोनों हाथ कट गये और अधिक खून बह जाने से उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पड़वा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई: साहस, धैर्य और इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतरराष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे 'अंतरराष्ट्रीय सगरमाथा दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद साल 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतरराष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं। माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बांहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली-सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गवर्नर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए।

अहिल्याबाई होल्कर भारतीय संस्कृति की अमरज्योति

ललित गर्ग

भारतीय इतिहास के विशाल आकाश में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं, जो केवल अपने समय के शासक नहीं होते, बल्कि युग की चेतना बन जाते हैं। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ऐसा ही एक दिव्य व्यक्तित्व हैं। वे केवल मालवा की रानी नहीं थीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सुशासन, न्याय और लोककल्याण की जीवित प्रतिमूर्ति थीं। 31 मई 2026 को उनकी 301वीं जयंती मनाई जा रही है। यह अवसर केवल एक महान शासिका को स्मरण करने का नहीं, बल्कि उस दिव्यदृष्टि और जीवन-दर्शन को पुनः समझने का है, जिसकी आज के भारत को अत्यंत आवश्यकता है। 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी गांव में जन्मी अहिल्या एक सामान्य परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी शिंदे ग्राम प्रधान थे। उस समय जब स्त्री-शिक्षा का प्रचलन लगभग नहीं था, तब उन्होंने अपनी पुत्री को शिक्षा, संस्कार और आत्मविश्वास दिया। यही शिक्षा आगे चलकर उन्हें भारतीय इतिहास की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में स्थापित करने वाली बनी।

मालवा के शासक मल्हार राव होलकर ने बालिका अहिल्या में अद्भुत प्रतिभा देखी और उनका विवाह अपने पुत्र खंडेराव होल्कर से करवा दिया। किंतु विवाह के कुछ वर्षों बाद ही युद्ध में पति की मृत्यु हो गई। उस युग की परंपराओं के अनुसार अहिल्याबाई सती होना चाहती थीं, लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें रोकते हुए कहा कि राज्य और प्रजा को उनकी आवश्यकता है। यही वह क्षण था, जहां से एक साधारण स्त्री का असाधारण नेतृत्व आरंभ हुआ। अहिल्याबाई का जीवन संघर्षों की अग्निपरीक्षा रहा। पति की मृत्यु, पुत्र मालेराव का निधन और बाद में ससुर मल्हार राव का बिछोह-इन सब आघातों के बाद भी उन्होंने स्वयं को टूटने नहीं दिया। उन्होंने व्यक्तिगत पीड़ा को जनसेवा की शक्ति में बदल दिया। यही कारण है कि उनका शासन केवल राजसत्ता नहीं, बल्कि करुणा और उत्तरदायित्व का आदर्श बन गया। 1767 में जब वे मालवा की गद्दी पर बैठीं, तब राजनीतिक अस्थिरता, षड्यंत्र और बाहरी आक्रमणों का दौर था। किंतु उन्होंने अद्भुत धैर्य, विवेक और साहस के साथ शासन संभाला। उनका प्रशासन इस बात का उदाहरण था कि सुशासन केवल शक्ति से नहीं, बल्कि संवेदना, न्याय और नैतिकता से संचालित होता है। उन्होंने कर व्यवस्था को सरल बनाया, किसानों पर लगान कम किया और व्यापार को संरक्षण दिया। उनके शासन में मालवा समृद्धि, शांति और सांस्कृतिक विकास का केंद्र बन गया। आज जब राजनीति अक्सर सत्ता-संघर्ष और स्वार्थ का पर्याय बनती जा रही है, तब अहिल्याबाई का जीवन यह संदेश देता है कि शासन का वास्तविक उद्देश्य जनता का कल्याण होना चाहिए। उन्होंने कभी राजसत्ता को अहंकार का माध्यम नहीं बनने दिया। वे प्रतिदिन खुले दरबार में प्रजा की समस्याएं सुनती थीं। उनके न्याय में न पक्षपात था और न विलंब। यही कारण था कि जनता उन्हें "लोकमाता" कहकर सम्मान देती थी।

अहिल्याबाई का सबसे बड़ा योगदान भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में दिखाई देता है। मुगल आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण देश के अनेक मंदिर और तीर्थस्थल नष्ट हो चुके थे। उन्होंने केवल मंदिरों का पुनर्निर्माण नहीं करवाया, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारका, बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम और उज्जैन सहित अनेक तीर्थों में उन्होंने घाट, मंदिर, कुएं और धर्मशालाएं बनवाईं। यह कार्य किसी संकीर्ण धार्मिक आग्रह से प्रेरित नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता को बचाने का राष्ट्रीय प्रयास था। उनकी दृष्टि केवल धर्म तक सीमित नहीं थी। वे समाज-सुधार की भी प्रबल पक्षधर थीं। उन्होंने विधवाओं को संपत्ति का अधिकार दिया, सती प्रथा और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया तथा महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिलाने का प्रयास किया। यह उस समय की दृष्टि से अत्यंत क्रांतिकारी सोच थी। उन्होंने महिलाओं की एक विशेष सैन्य टुकड़ी भी गठित की। यह इस बात का प्रमाण है कि वे नारी को केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि शक्ति और नेतृत्व की प्रतीक मानती थीं।

महेश्वर को राजधानी बनाकर उन्होंने उसे संस्कृति, कला और उद्योग का केंद्र बनाया। महेश्वरी साड़ियों की परंपरा आज भी उनके दूरदर्शी आर्थिक चिंतन की साक्षी है। उन्होंने स्थानीय उद्योगों को संरक्षण देकर आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत किया। वर्तमान समय में जब "लोकल फॉर वोकल" और आत्मनिर्भर भारत की चर्चा हो रही है, तब अहिल्याबाई का मॉडल और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। अहिल्याबाई का व्यक्तित्व आध्यात्मिकता और व्यवहारिकता का अद्भुत समन्वय था। वे धर्मनिष्ठ थीं, किंतु कट्टर नहीं। वे परोपकारी थीं, किंतु दिखावे से दूर। वे शक्तिशाली शासक थीं, किंतु विनम्रता उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि सत्ता का सर्वोच्च रूप सेवा है। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन कीए ने उन्हें "दार्शनिक रानी" कहा था, जबकि एनी बेसेंट ने उनके शासनकाल को मालवा का "स्वर्ण युग" बताया। यह केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक सत्य की स्वीकृति है कि अहिल्याबाई ने भारतीय शासन परंपरा को नैतिक ऊंचाई प्रदान की। अहिल्याबाई शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता, भ्रष्टाचार और सांस्कृतिक विघटन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब अहिल्याबाई का जीवन हमारे लिए प्रकाशस्तंभ की तरह है। वे बताती हैं कि नेतृत्व केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना है। राष्ट्र निर्माण केवल बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि सेवा, न्याय और संवेदना से होता है। अहिल्याबाई होलकर का कृतित्व बहुआयामी, दूरदर्शी और लोककल्याणकारी था। वे केवल एक सफल शासिका नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और नारी नेतृत्व की अद्वितीय प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने न्यायपूर्ण एवं संवेदनशील शासन व्यवस्था स्थापित कर मालवा को समृद्धि, शांति और विकास के शिखर पर पहुँचाया। कृषि, व्यापार, जलसंधारण, उद्योग एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा दिया, किसानों को संरक्षण दिया तथा सामाजिक समरसता को मजबूत किया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के संरक्षण हेतु तीर्थस्थलों का पुनर्निर्माण एवं विकास कराया। नारी सम्मान, विधवा संरक्षण, शिक्षा, लोकसेवा और परोपकार के क्षेत्रों में उनके कार्य अत्यंत प्रेरणास्पद रहे। उनका कृतित्व प्रशासनिक दक्षता, मातृवत संवेदना, धर्मनिष्ठा, साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रनिर्माण की चेतना का अद्वितीय संगम था।

"तमसो मा ज्योतिर्गमय"- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। अहिल्याबाई होल्कर भारतीय नारी शक्ति का वह उज्ज्वल अध्याय हैं, जिसमें साहस है, संवेदना है, संस्कृति है और सृजन है। वे इतिहास की स्मृति भर नहीं, वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की प्रेरणा हैं। उनकी 301वीं जयंती पर उन्हें स्मरण करना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके जीवन मूल्योंकृसुशासन, लोककल्याण, नारी सम्मान, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय संवेदना को अपने राष्ट्रीय जीवन में पुनः प्रतिष्ठित करें। लोकमाता अहिल्याबाई सचमुच भारतीय संस्कृति की वह अमर ज्योति हैं, जो युगों-युगों तक समाज को प्रकाश देती रहेंगी।

अमूल्य जीवन से ज्यादा महत्व शरीर गलाते मौत के शौक को

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

हमें अपने आसपास आसानी से प्राप्त होने वाला जहर है तंबाकू, हम सभी इसके बारे में, इससे होनेवाली जानलेवा बीमारियां और खतरों के बारे में अच्छे से जागरूक हैं। टीवी, अखबार और सोशल मीडिया पर तंबाकू के प्रति जागरूकता विज्ञापन देखते रहते हैं। साधारणतः अनपढ़ से लेकर उच्च शिक्षित तक, हर वर्ग, हर उम्र के लोग इसके नुकसान के बारे में जानते है, परंतु गंभीरता नहीं दिखाते, यही सबसे बड़ी समस्या है हमारे समाज कीं। हमारे आखों के सामने छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी तंबाकू का सेवन करते नजर आते है, चौराहों पर संभ्रात घर की लड़कियां, नामी स्कूल की छात्र-छात्राएं भी सिगरेट फूंकते नजर आते है, गांवों-कस्बों में भी तंबाकू उपयोगकर्ताओं की संख्या बहुत ज्यादा हैं। तंबाकू, सिगरेट के पैकेट पर घातक चेतावनी लिखी होती है, पढ़ना और चेतावनी के जानलेवा बीमारी के चित्र को समझना सबको मालूम है, पर गंभीरता ही नहीं। इस साल 2026 विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम "आकर्षण का पर्दाफाश – निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला" यह हैं।

नशे के लिए लोगों ने मिथ्य तो ऐसे पाल रखे है कि, नशे के लिए ही इनका जीवन बना हो। कोई कहता है कि तंबाकू से उनका पाचन सुधरता है, कोई कहता है कि तंबाकू के सेवन से नींद अच्छी आती है, कोई कहता है कि तंबाकू खाने से काम में मन लगा रहता है ऐसा बोल-बोल कर तंबाकू खाने लग जाते है फिर इसे लत में तब्दील कर लेते है, धीरे-धीरे तंबाकू शरीर को खोखला करना शुरू कर देता है, फिर अवयवों को गलाता है और महंगे लाइलाज बीमारी के चौखट पर खड़ा कर देता हैं। हम पूरी दौलत खर्च करके भी मौत को जीवन में नहीं बदल सकते, फिर इस अनमोल जीवन को अपने नशे के शौक को पूरा करने के लिए क्यों घातक बीमारियों के हवाले करते हो? किशोरवयीन बच्चे, युवा पीढ़ी तो आधुनिकता का दम भरने, दिखावे के चक्कर में और अभिभावकों के नियंत्रण के अभाव में तंबाकू, सिगरेट, हुक्का फुंकने लगते हैं। इस आधुनिकता के भ्रमजाल में युवाओं के लत में बढ़ोतरी के लिए नवनवीन हुक्का पार्लर का साम्राज्य शहरों में खूब फलफूल रहा हैं।

तंबाकू का सेवन विविध पद्धति से किया जाता है जैसे :- बीड़ी, सिगरेट, हाथ से बनी सिगरेट, पाइप, सिगार, हुक्का, वॉटर-पाइप, चुट्टा, धुमती और चिलम शामिल हैं। इसके अलावा तंबाकू वाला पान, खैनी, गुटखा और तंबाकू मिश्रित पानमसाला। मिश्री, गुल, बज्जर, गुड़ाखू आदि जैसे तंबाकू उत्पादों को दांतों और मसूड़ों पर लगाया जाता है और नसवार को सूंघा जाता हैं। हमारे भारत देश में हर दिन लगभग 3,500 मौतें तंबाकू इस्तेमाल की वजह से होती हैं। भारत में 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के 26.7 करोड़ तंबाकू उपयोगकर्ता हैं। 2011 में 35 से 69 साल के लोगों के लिए तंबाकू इस्तेमाल का आर्थिक खर्च 1,04,500 करोड़ रुपये था। जब कोई व्यक्ति खुद धूम्रपान नहीं करता, परंतु किसी अन्य द्वारा किए जा रहे धूम्रपान के धुएं के संपर्क में आता है एवं उस धुएं को सांस के जरिये ऑक्सीजन के साथ शरीर में लेता है तब वह व्यक्ति सेकेंड हैंड धूम्रपान वाला व्यक्ति होता हैं। हम अक्सर अपने घरों या आसपास किसी को धूम्रपान करते हुए देखते है, जिसका धुंआ पुरे घर में फैल जाता है और घर के अन्य सदस्य भी उस धूम्रपान के धुएं के शिकार बन जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, तंबाकू उन आधे से ज्यादा तंबाकू उपभोक्ताओं की जान ले लेता है जो इसे छोड़ते नहीं हैं। तंबाकू से हर साल 7 मिलियन से ज्यादा लोगों की मौत होती है; इसमें लगभग 1.6 मिलियन लोग जान गवांते है, जो सेकंड-हैंड धूम्रपान के संपर्क में आते हैं। साथ ही तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के कारण लोग विकलांग हो जाते हैं और लंबे समय तक दर्दभरी तकलीफ झेलते हैं।

तंबाकू से हर साल 1.35 मिलियन से अधिक की असमय मौत जिसमे धूम्रपान और सेकेंड हैंड स्मोक से लगभग 1.2 मिलियन भारतीयों की मौत भी शामिल हैं। स्मोकलेस तंबाकू से होने वाले वैश्विक स्वास्थ्य बोझ का 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में हैं। स्मोकलेस तंबाकू के इस्तेमाल से हर साल 2,30,000 से ज्यादा भारतीयों की मौत होती हैं। भारत में मुंह के कैंसर के लगभग 90 प्रतिशत मामले स्मोकलेस तंबाकू के इस्तेमाल से होते हैं। जो लोग बीड़ी और सिगरेट पीते हैं, वे धूम्रपान न करने वाले लोगों की तुलना में 6 से 10 साल पहले मर जाते हैं। भारत में कैंसर के सभी मामलों में से 27 प्रतिशत तंबाकू के इस्तेमाल की वजह से होते हैं। कर्करोग, हृदय विकार, मधुमेह, फेफड़ों की पुरानी बीमारियां, स्ट्रोक, इनफर्टिलिटी, अंधापन, ट्यूबरकुलोसिस, मुंह की बीमारियां अन्य के लिए यह तंबाकू बेहद घातक घटक हैं। कर्करोगों के 50 फीसदी मामले पुरुषों में और 20 फीसदी महिलाओं में तंबाकू से होते हैं। तंबाकू से भारतीय अर्थव्यवस्था को हर साल लगभग 1773.4 बिलियन रुपये (अमेरिकी डॉलर 27.5 बिलियन) का नुकसान होता है, जो देश के सकल घरेलु उत्पाद का 1 प्रतिशत से ज्यादा हैं।

भारत सरकार के वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत तंबाकू बोर्ड का गठन किया गया है, तंबाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 का उद्देश्य देश में तंबाकू उद्योग का योजनाबद्ध विकास करना हैं। सरकार की इसी वेबसाइट से प्राप्त जानकारी अनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय तंबाकू निर्यात का मूल्य 12,005.89 करोड़ रुपये (1449.54 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया। पिछले 5 वर्षों में तंबाकू किसानों की आय भी दोगुनी हो गई है, ऐसा बताया गया हैं। तंबाकू उद्योग से साल 2024-2025 में कुल 46 मिलियन लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला एवं निर्यात द्वारा 16728.02 करोड़ रुपए का राजकोष मिला, साथ ही 127 देशों को भारतीय तंबाकू निर्यात किया गया। भारत तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक हैं। भारतीय तंबाकू उद्योग 1.16 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है, सरकार ही तंबाकू उत्पादों से हर साल टैक्स के तौर पर 76,000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाती हैं। निकोटिन एंड टोबैको रिसर्च जर्नल ने प्रकाशित रिसर्च पेपर द्वारा बताया है कि, तंबाकू उत्पाद से उत्पादन शुल्क के तौर पर इकट्ठा किए गए हर 100 रुपये पर, तंबाकू सेवन से समाज पर 816 रुपये का आर्थिक बोझ पड़ता हैं। इससे यह साबित होता है कि तंबाकू का इस्तेमाल देश के खजाने पर एक बहुत बड़ा आर्थिक बोझ हैं।

तंबाकू या अन्य कोई भी नशा छोड़ने के लिए सबसे जरूरी हमारी खुद की इच्छाशक्ति है, अगर हमने ठान लिया तो हमारा साथ देने के लिए अनेक लोग सेवा में उपलब्ध हैं। अगर हम तंबाकू छोड़ दें, तो समय से पहले आनेवाली खचीर्ली बीमारियां और दर्दनाक मौत को रोक सकते है, क्योंकि इससे हमारे शरीर के अवयव बेहतर ढंग से सुचारु रूप में कार्य करते है, गंभीर रोगों का खतरा कम हो जाता हैं। हमारे स्वास्थ्य देखभाल पर होने वाला खर्च कम होने से, जीवन में हम अन्य जरूरी खर्चों के लिए ज्यादा पैसे बचाते हैं। तंबाकू छोड़ने से अपने बच्चों, परिवार के साथ-साथ समाज के लिए भी एक आदर्श बनते हैं। तंबाकू की लत छोड़ने के लिए सरकार की ओर से सुविधाएँ भी उपलब्ध है, देश के विभिन्न राज्यों के लिए सभी भाषाओं में विशेषज्ञ सलाहकारों द्वारा टेलीफोन पर मार्गदर्शन एवं परामर्श (टोल-फ्री 1800 11 2356) प्रदान किया जाता हैं। साथ ही मोबाइल (क्रमांक 011 22901701) पर मैसेज के माध्यम से सलाह दी जाती हैं। तंबाकू छोड़ने के लिए ज़िला स्तर पर सलाहकार केंद्र उपलब्ध होते है, एक टोबैको सेसेशन सेंटर या जिला तंबाकू नियंत्रण केंद्र लोगों को लत छुड़ाने में मदद करने के लिए मुफ़्त चिकित्सा परामर्श, व्यवहार चिकित्सा और दवा देता हैं।

सूडोकु नवताल- 7809

***** कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7808 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन: अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

भील और भारिया की दो कहावतें हैं- भील कहते हैं, "होने नी रेत, ने खोने नो डर" और भारिया कहते हैं "डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।" इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिला से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है- "जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?" जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भूला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ।

भारिया कहावत का अर्थ है- "बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए।" जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा- "हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाइयत, इस्लाम और वामपंथी विचारक रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे। लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है- "अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं।"

दिल्ली के लालकिले पर रविवार को संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है, जब सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूकदर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है। लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरा लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड का लाभ लेते हैं, वहीं जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं। यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि "जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।"

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि "तुम हिंदू नहीं हो इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।" लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है। दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया। असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है। झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

दैनिक पंचांग

29 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	तुला में
मंगल	मेष में
बुध	वृष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.26 बजे से
कर्क	08.39 बजे से
सिंह	10.56 बजे से
कन्या	13.07 बजे से
तुला	15.18 बजे से
वृश्चिक	17.33 ब.से
धनु	19.49 बजे से
मकर	21.54 बजे से
कुंभ	23.41 बजे से
मीन	01.13 बजे से
मेष	02.44 बजे से
वृष	04.24 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 149 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 09.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 10.38 बजे को समाप्त।
योग परिघ 04.36 बजे प्रातः को समाप्त।
करण तैतिल 09.51 बजे तदनन्तर गर 22.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872724
जूलियन दिन 2461189.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 12

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

जंगल में 15 लाख की ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

चतरा : इटखोरी थाना क्षेत्र के भुरकुंडा जंगल मैदान में पुलिस ने छापेमारी कर अवैध ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से करीब 15 लाख रुपये मूल्य का 30.31 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ और तस्करी में प्रयुक्त एक की-पैड मोबाइल बरामद किया है। डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि भुरकुंडा जंगल मैदान में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री होने वाली है। सूचना के आधार पर उनके नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जंगल क्षेत्र में घेराबंदी की और एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से काले रंग के प्लास्टिक में रखा 30.31 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ बरामद किया गया। साथ ही एक की-पैड मोबाइल भी जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गिद्धौर थाना क्षेत्र के मायाडीह गांव निवासी अशोक पासवान के रूप में की गई है।

पलामू में 180 जमीन माफिया की सूची तैयार

पलामू : पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले में सक्रिय 180 जमीन माफिया की सूची तैयार कर ली गई है। सबसे अधिक संख्या लातेहार जिले में है, जबकि सबसे कम गढ़वा जिले में है। लातेहार में 43, पलामू में 42 और गढ़वा में 31 जमीन माफिया की सूची तैयार की गई है। इस सूची को अलग-अलग कैटेगरी में बांटा गया है और मुकदमों के हिसाब से उनके नाम जोड़े गए हैं। पहली सूची में वैसे लोग हैं जिन पर पिछले 10 वर्षों में दो से अधिक मामले दर्ज हैं, जबकि दूसरी सूची में जिनके खिलाफ बार-बार पुलिस को शिकायत मिल रही है वैसे लोग शामिल हैं। पलामू रेंज के डीआईजी किशोर कौशल ने इसकी पुष्टि करते हुए गुरुवार को बताया कि पिछले कुछ महीनों से प्रमंडल में हुई आपराधिक घटनाओं के मूल में जमीन विवाद रहा है। इसी संदर्भ में तीनों जिले के जमीन कारोबार से जुड़े लोगों की सूची तैयार की गई है। इस सूची में वैसे लोगों को शामिल किया गया है जिनके खिलाफ कई बार शिकायतें मिली हैं और कहीं न कहीं उनकी भूमिका आपराधिक घटनाओं में रही है। सूची के आधार पर जमीन कारोबारी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। संपत्ति आकलन की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी।

रेल यात्रियों की समस्याओं पर संघर्ष जारी रहेगा : सरयू

पूर्वी सिंहभूम : विधायक सरयू राय के आवासीय कार्यालय में गुरुवार को रेल यात्री संघर्ष समिति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जमशेदपुर में ट्रेनों की लगातार लेटलतीफी और यात्री सुविधाओं को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति ने स्पष्ट किया कि दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक की ओर से प्रमुख मांगों को स्वीकार किए जाने के बावजूद आंदोलन समाप्त नहीं होगा और समिति पहले की तरह सक्रिय रहकर रेल सेवाओं की निगरानी करती रहेगी। समीक्षा बैठक में आंदोलन को समर्थन देने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यावसायिक और विभिन्न संगठनों के प्रति आभार जताया गया। विशेष रूप से चेंबर ऑफ कॉमर्स और मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों की भूमिका की सराहना की गई। हालांकि समिति ने इस बात पर अफसोस भी जाहिर किया कि आंदोलन में शामिल होने के लिए सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया था, लेकिन आजसू पार्टी को छोड़कर अन्य दल सक्रिय रूप से सामने नहीं आए।

ईद-उल-अजहा पर मस्जिदों व ईदगाह में हुई विशेष नमाज, मांगी अमन और तरक्की की दुआ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले भर में मुस्लिम धर्मावलंबियों का पर्व ईद-उल-अजहा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने ईदगाह व मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की। इसके उपरांत अल्लाह की राह में कुबार्नी दी। ईदगाह में जमा मस्जिद के पेश इमाम मुफ़्ती अंजर हुसैन कासमी ने अपनी तकरीर में कहा कि हजरत इब्राहिम अपने पुत्र हजरत इस्माइल को इसी दिन खुदा के हुक्म पर कुर्बान करने जा रहे थे, तो अल्लाह ने उसके पुत्र को जीवनदान दे दिया। इसी की याद में यह पर्व मनाया जाता है। यह एक जरिया है, जिससे बंदा अल्लाह की रजा हासिल करता है। बेशक अल्लाह को कुबार्नी का गोश्त नहीं पहुंचता है, बल्कि वह तो केवल कुबार्नी के पीछे बंदों की नीयत को देखता है। अल्लाह को पसंद है कि बंदा उसकी राह में अपने हलाल तरीके से कमाया हुआ धन खर्च करे। कुलीपाड़ा मस्जिद के पेश इमाम अबरार हुसैन ने कहा कि बेशक अल्लाह दिलों के हाल जानता है और वह खूब समझता है कि बंदा जो कुबार्नी दे रहा है, उसके पीछे उसकी क्या नीयत है। जब बंदा अल्लाह का हुक्म मानकर महज अल्लाह की रजा के लिए कुबार्नी करेगा तो यकीनन वह अल्लाह की रजा हासिल करेगा। लेकिन अगर कुबार्नी करने में दिखावा या तकब्बुर आ गया तो उसका सवाब जाता रहेगा। कुबार्नी इज्जत के लिए नहीं की जाए, बल्कि इसे अल्लाह की इबादत समझकर किया जाए। इस दौरान शहर में सुरक्षा के व्यापक इंतेजाम थे। जगह-जगह दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी। वहीं सभी प्रखंडों में भी सुरक्षा को लेकर दंडाधिकारी व पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का पर्व गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अहले सुबह से ही ईदगाह में नमाजियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। शहर के नयाबाजार मोगलानी चक ईदगाह, फुलवरिया ईदगाह, अकबरी मस्जिद, कासिम बाजार, जामी मस्जिद, कसाई मोहल्ला, पुन्नी टोला, महाजन टोली, रजवाड़ा, नवाब ड्योढ़ी आदि एवं प्रखंड क्षेत्र के लखीपुर, बेगम पुरा, बेंगडुब्बी, मनसिंघा, जामनगर, कोयला बाजार, जामनगर, मुगीटोला मनसिंघा, करबला, बरबन्ना, झूमरदी टोला, आलमपुरा व विभिन्न गांव के ईदगाह और मस्जिद में लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर नमाज अदा की और अमन चैन की दुआ मांगी।

साहिबगंज में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बिहार के तीन सहित ब्राउन शुगर के चार तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अवैध नशीले पर्दाथों के खिलाफ साहिबगंज पुलिस लगातार कार्रवाई पर कार्रवाई कर रही है। पुलिस की सख्ती से नशे के सौदागरों में हड़कंप मचा हुआ है। इसी सिलसिले में बुधवार की शाम को रांगा थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी कर रहे चार युवकों को गिरफ्तार किया। इसमें बिहार के तीन तस्कर भी शामिल बताये जा रहे हैं। रांगा थाना में गुरुवार को बरहरवा एसडीपीओ नितिन कुमार खंडेलवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रांगा थाना क्षेत्र के विजयपुर मयूरझूठी रोड किनारे सुनसान जगह पर एक मारुति कार से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही उनके नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने उक्त स्थान पर छापेमारी कर वैगन-आर गाड़ी से ब्राउन शुगर के साथ कहलगांव थाना क्षेत्र के श्यामपुर निवासी संजय कुमार वर्मा, बरहरवा थाना क्षेत्र के तेलीपाड़ा निवासी लाल मोहन साह तथा कहलगांव थाना क्षेत्र के कहलगांव निवासी राजेश पासवान एवं संजीत कुमार को गिरफ्तार किया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से 52 ग्राम ब्राउन शुगर, एक मारुति वैगन-आर, 5 मोबाइल फोन, वजन करने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन, ब्राउन शुगर सेवन करने वाले भूरे रंग के 50 पीस पेपर कटिंग, एक लाइटर, ब्राउन शुगर निकालने वाला चम्मच और 7200 रुपये नकद बरामद किया गया है। मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत रांगा थाना में कांड संख्या 48/26 दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। छापेमारी टीम में बरहरवा एसडीपीओ नितिन कुमार खंडेलवाल, बरहरवा पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार, रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव, एसआई गौरव भगत, एसआई महेश कुमार, एएसआई कामेश्वर मरांडी व धाम प्रकाश मिश्रा शामिल थे। पकड़े गए तस्करों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वे ब्राउन शुगर की खेप पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के कालियाचक से ट्रेन के रास्ते लाते थे।कालियाचक से बरहरवा लाकर आसपास के इलाकों में इसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर सप्लाई की जाती थी। पूछताछ में पुलिस को नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। अवैध नशे के खिलाफ साहेबगंज पुलिस का अभियान जारी है। एक महीने के अंदर बरहरवा अनुमंडल क्षेत्र में यह पुलिस की तीसरी बड़ी कामयाबी है।

एक ही रात में अलग अलग घरों से 11 मोबाइल की हुई चोरी

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के सोना जोड़ी धन जोड़ी गांव में एक ही रात में 11 मोबाइल फोन चोरी का मामला प्रकाश में आया है,जो एक हैरान करने वाली घटना है। घटना यह है कि थाना क्षेत्र के सोना जोड़ी धन जोड़ी गांव में बीते रात्रि यानी कि बुधवार रात्रि लगभग 11 मोबाइल की हुई चोरी एक साथ हुई। मोबाइल की चोरी दुकान से नहीं बल्कि अलग-अलग घरों से अलग-अलग मोबाइल की चोरी हुई है। इस घटना से गांव के लोगों में काफी दहशत है। गांव के पीड़ितों के अनुसार मोबाइल चोर एक ही रात में 11 मोबाइल की चोरी की। जिसमें अलग-अलग घरों से चोरी की गई है। चोर किधर से घुसा और कब मोबाइल लेकर भागा इनमें से एक भी पीड़ित को कुछ जानकारी नहीं। बरहेट थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

अपहरण से हत्या तक की साजिश का खुलासा मरांग टुडू मर्डर मिस्ट्री का आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र में हुए मरांग टुडू हत्याकांड मामले में साहिबगंज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हत्या मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले का खुलासा गुरुवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया गया। जानकारी के अनुसार मिजाचौकी थाना कांड संख्या 48/26 दिनांक 24 मई 2026 के तहत मृतक मरांग टुडू की हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मृतक की पत्नी तामी चोड़े, निवासी कटहल टोला सरकंडा थाना ईशीपुर बाराहाट जिला भागलपुर (बिहार) के लिखित आवेदन पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। आवेदन में पति मरांग टुडू, उम्र लगभग 41 वर्ष, की हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक साहिबगंज के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल लोकेशन एवं गुप्त सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस ने मृतक का मोबाइल बरामद किया और मामले में संलिप्त आरोपी सनत टुडू, उम्र करीब 23 वर्ष, पिता स्व. मंजू टुडू, निवासी कटहल टोला सरकंडा थाना ईशीपुर बाराहाट जिला भागलपुर (बिहार) को 27 मई 2026 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से मोबाइल भी जब्त किया है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार ग्राम बसहा मौजा पहाड़ के पास मैदान को घटना स्थल बताया गया है। मामले में अन्य संलिप्त लोगों की तलाश में छापेमारी जारी है। छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक रूपेश कुमार यादव, पुलिस अवर निरीक्षक प्रवीण कुमार प्रभाकर, पुलिस अवर निरीक्षक विक्रम कुमार बाजरी एवं मिजाचौकी थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गयी ईद-उल-अजहा की नमाज

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने दी बकरीद की बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड के आहुतग्राम ईदगाह में ईद-उल-अजहा (बकरीद) की नमाज शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के माहौल में अदा की गयी। नमाज के दौरान क्षेत्र में अमन, शांति और खुशहाली की दुआ मांगी गयी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव डॉ. तनवीर आलम ने आहुतग्राम ईदगाह पहुंचकर ग्रामीणों के साथ सामूहिक नमाज अदा की। नमाज के बाद दोनों नेताओं ने लोगों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और समाज में भाईचारा, प्रेम और एकता बनाये रखने का संदेश दिया। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, बलिदान और इंसानियत का पर्व है, जो हमें आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों एवं झारखंडवासियों को ईद-उल-अजहा की दिली मुबारकबाद देते हुए सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। ईदगाह परिसर में नमाज को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था भी चुस्त-दुरुस्त रही। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहा और पर्व की खुशियां साझा की।

ईदगाह में सौहार्दपूर्ण माहौल में अदा की गई ईद-उल अजहा की नमाज, अमन-चैन की दुआ मांगी गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : पवित्र ईद-उल-अजहा का त्योहार आज नौपाड़ा ईदगाह में शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने सामूहिक रूप से नमाज अदा की और देश व क्षेत्र में अमन, चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी। नमाज के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार समेत अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी ईदगाह पहुंचे। अधिकारियों ने नमाज़ियों से मुलाकात कर सभी क्षेत्रवासियों को ईद-उल-अजहा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक एवं जिला सोशल मीडिया चेयरमैन पियारूल इस्लाम भी मौजूद रहे। उन्होंने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी और कुबार्नी के असल संदेश – त्याग, समर्पण और इंसानियत – को याद रखने का आह्वान किया। प्रशासन ने सभी नागरिकों से आपसी प्रेम, सद्भाव एवं सामाजिक एकता बनाए रखने की अपील की। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे को मजबूत करने का अवसर होते हैं और सभी को मिलकर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए। ईदगाह परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई बकरीद की नमाज, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

पाकुड़ : जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में ईद-उल-जोहा (बकरीद) पर्व-2026 की नमाज शनिवार को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में अदा की गई। जिले के विभिन्न ईदगाहों एवं मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ी, जहां लोगों ने अमन, शांति और खुशहाली की दुआ मांगी। पर्व को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल देखा गया। बकरीद पर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। नमाज अदा किए जाने वाले सभी प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ में बिजली समस्या के त्वरित समाधान को विभाग की पहल, क्षेत्रवार अधिकारियों की सूची जारी

पाकुड़ : ज़िले के उपभोक्ताओं को बिजली फॉल्ट, ट्रिपिंग व आपूर्ति संबंधी समस्याओं से तुरंत राहत देने के लिए पाकुड़ विद्युत प्रमंडल ने सहायक एवं कनीय विद्युत अभियंताओं की अद्यतन सूची जारी की है। पाकुड़ अर्बन क्षेत्र के लिए एईई गिरधारी सिंह मुंडा को जिम्मेदारी दी गई है। इनसे पाकुड़, बल्लभपुर, हिरणपुर, रानीकोला, मालपहाड़ी आदि क्षेत्रों के उपभोक्ता मोबाइल नंबर 8789327703 पर संपर्क कर सकते हैं। वहीं पाकुड़ रूरल के तहत दुबराजपुर, पारोलबोना आदि क्षेत्रों के लिए एईई आलोक केरकेट्टा नियुक्त हैं, जिनका मोबाइल नंबर 9341785512 है। जेईई आशीष पटेल टाउन एवं ग्रामीण क्षेत्र पाकुड़, बल्लभपुर, हिरणपुर, रानीकोला, मालपहाड़ी, दुबराजपुर, पारोलबोना क्षेत्र आदि का प्रभार देखेंगे। इनसे 9140875225 पर संपर्क किया जा सकता है। अमड़ापाड़ा, लिट्टीपाड़ा, महेशपुर, हाथीमारा, जियापानी, तलवा, चंदना क्षेत्र आदि के लिए एईई प्रभुतेश्वर तिवारी को जिम्मेदारी दी गई है। इनका मोबाइल नंबर 8789498996 है। महेशपुर, तलवा, चंदना, जियापानी, हाथीमारा क्षेत्र आदि के लिए जेईई सुरेन्द्र मुर्मू से 7488537515 पर संपर्क करें। अमड़ापाड़ा एवं लिट्टीपाड़ा क्षेत्र के लिए जेईई बिंजू भूषण पूर्ति नियुक्त हैं, जिनका नंबर 8969732070 है। संपूर्ण पाकुड़ विद्युत प्रमंडल के प्रभारी कार्यपालक अभियंता शैलेन्द्र कुमार बेसरा हैं। इनसे 9431135858 पर संपर्क किया जा सकता है। विद्युत विभाग ने आमजनों से कहा है कि बिजली संबंधी किसी भी समस्या के लिए अपने क्षेत्र के संबंधित अधिकारी से सीधे संपर्क करें। विभाग निर्बाध एवं बेहतर विद्युत सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है और शिकायतों का प्राथमिकता से निष्पादन किया जाएगा।

कॉलेज से लौट रही छात्रा से छेड़छाड़ व जानलेवा हमला, विरोध पर घर में घुसकर मारपीट का आरोप

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र के जयराडंगा गांव की एक छात्रा ने स्थानीय युवक समेत चार लोगों पर रास्ते में रोककर छेड़छाड़, दुष्कर्म का प्रयास, गला दबाकर जान मारने की कोशिश तथा बाद में घर पर चढ़कर मारपीट और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक साहेबगंज को लिखित आवेदन देकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है।पीड़िता लखी कुमारी, पिता निर्मल शाह, निवासी जयराडंगा, पोस्ट कल्याणचक ने अपने आवेदन में बताया है कि वह 25 मई 2026 को बरहरवा कॉलेज से परीक्षा देकर वापस घर लौट रही थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे कल्याणचक स्टेशन से घर आने के दौरान रास्ते के एक सुनसान स्थान पर गांव के ही मुन्ना यादव ने उसे रोक लिया। आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए जबरन दबोच लिया तथा दुष्कर्म का प्रयास किया।विरोध करने पर आरोपी ने उसके आंख के पास मारपीट की, जिससे आंख के चारों ओर सूजन और कालापन आ गया।आवेदन के अनुसार आरोपी ने छात्रा का गला दबाकर जान मारने की भी कोशिश की, जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। इसी बीच रास्ते से कुछ लोगों के आने की आहट सुन आरोपी वहां से फरार हो गया।पीड़िता किसी तरह घर पहुंची और घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद जब परिजन आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे, तो आरोप है कि मुन्ना यादव, गणेश यादव और रोहित यादव एकजुट होकर पीड़िता के घर पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। जाते समय आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि आरोपियों पर पूर्व में भी गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। घटना के बाद से पीड़िता और उसका परिवार भय और दहशत में जी रहा है। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

निमार्णाधीन ओवरब्रिज के नीचे जल-जमाव से राहगीरों को हो रही है परेशानी

साहिबगंज: उधवा चौक स्थित निमार्णाधीन ओवरब्रिज के नीचे जल-जमाव से राहगीरों को यातायात करने में काफी परेशानी हो रही है। जानकारी के अनुसार विगत दिनों उधवा हाईस्कूल से उधवा चौक तक पक्की नाला निर्माण किया गया है। परंतु नाला का निकासी सीधे मुख्य चौक पर ही छोड़ दिया गया है। जिससे नाला का गंदा पानी सीधे चौक पर ही निकासी होता है। जिससे चौक पर ही जल जमाव हो जाता है। स्थानीय ग्रामीण रबीउल इस्लाम,सलीम शेख,राजेश मंडल,सरफराज शेख,शमशुल शेख,माबूद शेख,नसीम शेख आलमगीर शेख,तोहिद शेख सहित दर्जनों लोगों का कहना है कि विभिन्न चापानल व घरों से बहता पानी बेलवा चौक होते पक्की नाला के माध्यम से उधवा चौक में निकासी हो जाती है। साथ ही बताया कि नाला निर्माण के दौरान पानी का निकास का वैसे जगह करना चाहिए था जिससे चौक पर जल जमाव न हो। यहां जल जमाव से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। साथ ही पैदल आना-जाना होता है। ग्रामीणों ने बताया कि पक्की नाला से जल का निकासी ऐसे स्थानों में करने की आवश्यकता है। जिससे मुख्य चौक पर जलजमाव न हो। स्थानीय लोगो ने तत्काल इस समस्या का समाधान की मांग किया है।

नाउ फॉर क्लाइमेट थीम पर बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पूर्वी सिंहभूम : विश्व पर्यावरण दिवस के मद्देनजर टाटा स्टील ने शहर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नाउ फॉर क्लाइमेट थीम के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के जरिए बच्चों और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। सुबह आयोजित ईको आर्ट स्प्लैश लाइव पेंटिंग प्रतियोगिता में कक्षा चार से 12 वीं तक के लगभग 400 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बच्चों ने अपनी चित्रकला के माध्यम से प्रकृति, हरियाली, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। इसके बाद ईको एलीगेंस फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें पहली से तीसरी कक्षा तक के बच्चों ने भाग लिया।

एक नजर

ब्राउन शुगर के साथ पांच गिरफ्तार

लातेहार : जिले में बढ़ते नशे के कारोबार के खिलाफ लातेहार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार देर रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मोंगर मोड़ के पास छापेमारी कर 29 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ पांच युवकों को गिरफ्तार किया। वहीं गिरफ्तार आरोपितों में एक विधि विरुद्ध बालक भी शामिल है। पुलिस ने मौके से दो पल्सर मोटरसाइकिल, एक स्कूटी, नकद 14,140 रुपये तथा सात मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने गुरुवार को प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सदर थाना क्षेत्र के रिचूघटा की ओर से कुछ युवक ब्राउन शुगर खरीदकर मोटरसाइकिल और स्कूटी से मोंगर मोड़ होते हुए लातेहार शहर की ओर आने वाले हैं। सूचना के बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत आवश्यक तैयारी कर मोंगर मोड़ के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान दो बाइक और एक स्कूटी पर सवार छह युवकों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में सभी के पास से पुड़िया में ब्राउन शुगर बरामद किया गया। पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में सोनू सिंह उर्फ भगत, रितेश सिंह, छतीस सिंह, तबासीर खान और फैजान खान शामिल हैं। एक अन्य नाबालिग आरोपित को निरुद्ध किया गया है। सभी आरोपित लातेहार के ही रहने वाले हैं। आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई तीन वाहन जब्त

पश्चिमी सिंहभूम : जिला खनन कार्यालय की ओर से अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन वाहनों को जब्त किया गया। खान निरीक्षक देवानंद शर्मा ने गुरुवार की तडके सुबह सोनुआ स्थित वैधमारा रेलवे फाटक के पास औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बिना वैध कागजात के बालू परिवहन करते हुए तीन वाहनों को पकड़ा गया। जब्त वाहनों में एक स्वराज ट्रैक्टर, एक अशोक लेलैंड वाहन और एक महिंद्रा वाहन शामिल हैं। जानकारी के अनुसार सभी वाहनों पर करीब 120 सीएफटी बालू लदा हुआ था। कार्रवाई के बाद सभी वाहनों को जब्त कर सोनुआ थाना को सुपुर्द कर दिया गया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जिला खनन विभाग ने कहा है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा।

संगठन को मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता : खीरू

पलामू : पलामू परिसदन में जनता दल यूनाइटेड के प्रमंडल स्तरीय मुख्य कार्यकर्ता बैठक का आयोजन गुरुवार को किया गया। बैठक की अध्यक्षता पलामू जिला अध्यक्ष मनोज कुमार दुबे ने की, जबकि संचालन नितेश्वर मेहता ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री सुधा चौधरी, प्रदेश महासचिव सह प्रदेश कार्यालय प्रभारी श्रवण कुमार और प्रदेश सचिव राज नारायण सिंह पटेल उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पलामू प्रमंडल में संगठन को पूरी तरह मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है। सदस्यता अभियान को तेज करते हुए प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर तक संगठनात्मक सम्मेलन चलाए जाएंगे, ताकि पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाया जा सके। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी एवं प्रमंडल से पार्टी प्रत्याशी विजय प्राप्त करेंगे।

फंड के अभाव से गांव की सरकार बेहाल : संजय सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के महामिलन बैंकेट हॉल में बुधवार को भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के अंतर्गत दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिन की शुरूआत पंडित दिन दयाल उपाध्याय,भारत माता , श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुई। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राज द्वारा वर्ग वक्ता को अंग वस्त्र पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। वर्ग का संचालन जिला महामंत्री संजय सिंहा ने किया। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026' के बोकारो जिला प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कई प्रमुख बिंदुओं पर अपने विचार रखा। उन्होंने जोर दिया कि विचारधारा से प्रेरित कार्यकर्ता ही संगठन को नई ऊर्जा और राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करते हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि उज्ज्वला योजना, जन धन और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों से महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया है और वे सशक्त बनी हैं। पंचायती राज व्यवस्था का मूल उद्देश्य सत्ता का विकेंद्रीकरण कर गांव के विकास को गति देना है। इसलिए, हमारी भूमिका ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की होगी। केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न ग्रामीण योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुँचाने में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाना। संजय सेठ ने कहा हम सभी जानते कैसे झारखंड राज्य बना। स्व अटल बिहारी बाजपाई जी का सपना था वनांचल समृद्ध हो उस सपना को पूरा करने के लिए झारखंड की स्थापना किया। 32 सालों बाद झारखंड में अर्जुन मुंडा के नेतृत्व वाली सरकार ने पंचायत चुनाव करवाया ताकि हर गांव में विकास हो।गांव की सरकार की स्थापना हो। लोगों को योजनाओं का लाभ पंचायत मुख्यालय से मिले। आज वही 3 सालों से पंचायत में फंड के अभाव से योजनाएं बंद है। मुखिया वार्ड पंचायत समिति जिला परिषद के सदस्य को विकास कार्यों से दूर रखा जा रहा। 8000 हजार स्कूलों में 1 शिक्षक से चल रही। 2800 स्कूलों में भवन बन गए मगर न छात्र न शिक्षक।

बोकारो एयरपोर्ट को लेकर कुमार अमित ने केन्द्रीय मंत्री संजय सेठ को सौंपा ज्ञापन

बोकारो : बोकारो दौरे पर आए केन्द्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ से भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने पार्टी जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र राज के साथ यहां के नवनिर्मित एयरपोर्ट से यात्री विमानों के परिचालन प्रारंभ करने की मांग की। इस लेकर भाजपा नेताओं ने केन्द्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपा। मौके पर केंद्रीय मंत्री संजय सेठ में एयरपोर्ट ऑथरिटी के सम्बंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर इस एयरपोर्ट के अब तक के प्रगति की जानकारी ली एवं इनलोगों को यहां से व्यवसायिक उड़ानों को शीघ्र प्रारंभ करने को लेक आवश्यक निर्देश दिया। इसके अलावे कुमार अमित न बोकारो स्टील प्रबंधन के खाली पड़े भवनो में लघु एवं सूक्ष्म स्तर के रक्षा उपकरणों के उत्पादन प्रारम्भ करने उसके सदुपयोग करने की भी मांग की।

आरपीएफ ने 05 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : रेलवे सुरक्षा बल ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन नारकोस के तहत टाटानगर रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए करीब पांच किलो गांजा बरामद किया है। इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार 27 मई को रेलवे सुरक्षा बल को स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए आरपीएफ पोस्ट टाटा के प्रभारी राकेश मोहन और क्राइम इंटलीजेंस ब्रांच (सीआईबी) की संयुक्त टीम ने स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और यात्रियों की निगरानी बढ़ा दी। जांच के दौरान दो युवक संदिग्ध परिस्थिति में घूमते हुए दिखाई दिए। टीम ने जब दोनों से पूछताछ की तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद सुरक्षा बल ने उनके बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से अलग-अलग पैकेटों में छिपाकर रखा गया करीब पांच किलो गांजा बरामद हुआ। गांजा मिलने के बाद दोनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आरोपित किसी बड़े तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि गांजा की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। मामले में कई अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। मौके पर आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशन और ट्रेनों के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के उद्देश्य से ऑपरेशन नारकोस लगातार चलाया जा रहा है।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में चला ड्रग्स जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्वामी रामकृष्ण परमहंस शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, दुग्धा में ड्रग्स के दुरुपयोग को रोकने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के तहत सभी प्रशिक्षुओं के बीच चित्र प्रतियोगिता के द्वारा एक कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसके तहत सभी प्रशिक्षुओं के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका मुख्य थीम था ड्रग का दुष्प्रभाव। जिसमें सभी प्रशिक्षकों ने भाग लिया तथा अपने भावों को चित्र के माध्यम से उकेरते हुए कई प्रकार का चित्रांकन प्रस्तुत किया । यह कार्यक्रम झारखंड सरकार गृह कर एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निदेर्शानुसार उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय के निर्देश पर महाविद्यालय में एन एस एस तथा आईक्यूएसी के माध्यम से संपन्न किया गया। एनएसएस के

कार्यक्रम पदाधिकारी पूनम प्रसाद तथा सहायक प्राध्यापक जयश्री साह के संयुक्त मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सत्र 2025-27 के प्रशिक्षु छात्र अध्यापिका मेघा कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले भी सत्र 2025 -27 से प्रियम कुमारी रही। तृतीय स्थान बहुत ही कम अंतर के साथ प्रशिक्षु छात्र अध्यापिका पूनम कुमारी ने प्राप्त किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम को संपन्न करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी पूनम प्रसाद ने सभी प्रशिक्षुओं को ड्रग्स के रोकथाम हेतु ड्रग्स के दुरुपयोग को रोकने पर बल देते हुए उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया। साथ ही उनके अंदर एक भाव उत्पन्न करते हुए ऐसा विश्वास जताया कि आप सभी स्वयं को जागरुक करते हुए समाज में भी इस भाव को प्रसारित करेंगे। सहायक प्राध्यापिका जय शाह ने सभी प्रशिक्षुओं को चित्रांकन हेतु उत्साहित करते हुए उन्हें उनके थीम से जोड़ने का प्रयास किया।

सारथी स्थापना दिवस पर जिला स्तरीय जलवायु अखड़ा 2026 का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुरुवार को सारथी के स्थापना दिवस के अवसर पर बहादुरपुर स्थित सहयोगिणी कार्यालय में जिला स्तरीय जलवायु अखड़ा 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, जल-जंगल-जमीन, जैव विविधता संरक्षण, जल संरक्षण एवं सतत आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों से आए पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामीण, किसान, महिलाएं, युवा एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का असर गांवों की खेती, जल स्त्रोतों और ग्रामीण आजीविका पर लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे समय में समुदाय आधारित योजनाओं और स्थानीय संसाधनों के संरक्षण के जरिए ही स्थायी समाधान संभव है। कार्यक्रम में रीच टू वैली मॉडल के माध्यम से जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य वक्ता गुलाब चंद्र, गौतम सागर, पीयूषमय, जुबा, विष्णुचरण महतो आदि वक्ताओं ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर निचले इलाकों तक जल संरक्षण की समग्र योजना बनाकर जल संकट को कम किया जा सकता है। दामोदर बचाओ अभियान के गुलाब चंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन आज केवल पर्यावरण का नहीं बल्कि लोगों की आजीविका और भविष्य का भी बड़ा संकट बन चुका है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के बिना ग्रामीण समाज का विकास संभव नहीं है। उन्होंने समुदायों से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्थानीय खेती को बढ़ावा देने और जल संरक्षण के प्रति जागरूक होकर सामूहिक प्रयास करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पर्यावरण संरक्षण को ग्रामीणों की आय और रोजगार से जोड़ा जाए, तो लोग अधिक जिम्मेदारी के साथ इस दिशा में कार्य करेंगे।

दामोदर नदी में डूबने से छात्र की मौत डीसी-एसपी ने परिजनों को बंधाया ढांढस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बेरमो अनुमंडल अंतर्गत दामोदर नदी में नहाने के दौरान डूबने से शास्त्री नगर, फुसरो निवासी छात्र प्रियांशु गुलाटी की मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। घटना की सूचना प्राप्त होते ही उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना रीजनल हॉस्पिटल सीसीएल ढ़ोरी पहुंचे। उन्होंने मृतक छात्र के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा संवेदना व्यक्त की। उपायुक्त ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस कठिन घड़ी में परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। डीसी ने कहा कि दामोदर नदी सहित अन्य जलाशयों के गहरे एवं खतरनाक स्थानों पर स्थायी चेतावनी बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो सके। उपायुक्त ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को अकेले नदी, तालाब अथवा गहरे जल क्षेत्रों की ओर जाने से रोकें तथा उन्हें लगातार सतर्क एवं जागरूक करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी से बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। जानकारी के अनुसार, प्रियांशु अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने घर से निकला था। खेल समाप्त होने के बाद वह दो अन्य दोस्तों के साथ दामोदर नदी में नहाने गया। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि नदी, तालाब एवं अन्य जलाशयों के समीप विशेष सावधानी बरतें तथा बच्चों पर सतत निगरानी रखें, ताकि इस प्रकार की दुखद घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने प्रियांशु के परिजनों को आपदा प्रबंधन विभाग के तहत दी जाने वाली मुआवजा राशि भुगतान की कार्रवाई बीडीओ बेरमो एवं जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बाटबिनोर में संयुक्त किसान मोर्चा का विरोध प्रदर्शन एमएसपी आदेश की प्रतियां जलाकर जताया आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आह्वान के तहत 27 से 31 मई तक गांव-गांव में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) आदेश की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा चन्दनकियारी की ओर से बाटबिनोर पंचायत के गाँव बाटबिनोर में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान किसानों ने सरकार द्वारा घोषित एमएसपी आदेश की प्रतियां जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रखंड अध्यक्ष ज्योतिलाल महतो ने

की, जबकि संचालन संयुक्त किसान मोर्चा चन्दनकियारी के संयोजक जगन्नाथ रजवार ने किया। सभा को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य सचिव कुमुद महतो ने कहा कि केंद्र सरकार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप किसानों को लागत मूल्य (सी2+50%) के आधार पर एमएसपी देने के बजाय ए2+एफएल+50% के फामूर्ले का इस्तेमाल कर रही है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष में धान का एमएसपी 2441 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जबकि किसानों की मांग के अनुसार यह 3243 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए। इससे किसानों को प्रति क्विंटल लगभग 802 रुपये का नुकसान हो रहा है। वहीं किसान सभा के जिला अध्यक्ष विश्वनाथ बनर्जी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार किसानों और मजदूरों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एमएसपी में बढ़ोतरी का आदेश किसानों के साथ धोखा है। उन्होंने मांग की कि एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए तथा किसानों से सी2+50% के आधार पर फसलों की खरीद सुनिश्चित की जाए। किसान नेताओं ने यूरिया और डीएपी की कमी एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने, साथ ही डीजल, पेट्रोल और खाना पकाने की गैस की बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती है तो चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। मौके पर डॉ. खखन गोराई, अंकित कुम्भकार, राम कुमार महतो, मथुर महतो, अमलेश्वर महतो, मुकेश महतो, परेश महतो, जितेन्द्र महतो, शिव राम महतो, शरत मोदी, रवि मोदी, नगेन मोदी, सीताराम महतो, लुचंद महतो, बाटुल सरकार समेत कई किसान एवं ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

वाटर पार्क में मारपीट का वीडियो वायरल सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बोकारो : पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत काशीझरिया आमतल स्थित एक वाटर पार्क में मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वाटर पार्क में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। लोगों के अनुसार वहां सुरक्षागार्डों की कमी है, जिससे इस प्रकार की घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है। लोगों ने कहा कि ऐसे स्थानों पर परिवार और बच्चे मनोरंजन एवं आनंद लेने पहुंचते हैं, लेकिन मारपीट जैसी घटनाएं बेहद निंदनीय हैं। ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और वाटर पार्क प्रबंधन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और लोग सुरक्षित वातावरण में मनोरंजन कर सकें।

रोहिण परब पर तलगडिया- चास चंदनकियारी के किसानों ने शुरू किया बीजारोपण

बोकारो : रोहिणी नक्षत्र के आगमन के साथ ही तलगडिया चास एवं चंदनकियारी क्षेत्र के किसानों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ बीजारोपण कार्य प्रारंभ कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोहिण परब को लेकर उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। किसानों का मानना है कि रोहिणी नक्षत्र में खेतों में बीज डालना शुभ माना जाता है तथा इससे फसल अच्छी होती है और उपज अधिक मिलती है। जानकारी के अनुसार रोहिणी नक्षत्र ज्येष्ठ माह की 26वीं तिथि तक रहेगा। इसे खरीफ फसलों के लिए बीज डालने का उपयुक्त समय माना जाता है। क्षेत्र के किसान धान सहित अन्य खरीफ फसलों की तैयारी में जुट गए हैं। गांवों में पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार खेतों में प्रतीकात्मक रूप से बीज डालकर कृषि कार्य की शुरूआत की गई। रोहिण परब को खेती-बाड़ी से जुड़े लोग कृषि परब के रूप में वर्षों से मनाते आ रहे हैं। इस अवसर पर घर-आंगन में गोबरदाग देने एवं आषाढ़ी फल खाने की भी परंपरा निभाई जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पर्व प्रकृति, कृषि और लोकसंस्कृति से जुड़ा हुआ है। जगन्नाथ राजवार , विभिन्न महतो,सआधउ महतो, अंकित कुंभकार व किसानों ने बताया कि समय पर वर्षा होने की उम्मीद के साथ अब खेती कार्य तेज होगा। रोहिण परब के बाद किसान खेतों की जुताई, बिचड़ा तैयार करने एवं अन्य कृषि कार्यों में पूरी तरह जुट जाएंगे। गांवों में इस पारंपरिक पर्व को लेकर उत्साह एवं आस्था का माहौल बना हुआ है।

वात्सल्य बालिका गृह से दो नाबालिग फरार

गम्हरिया : सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना क्षेत्र स्थित जन सहभागी विकास केंद्र द्वारा संचालित वात्सल्य बालिका गृह से मंगलवार रात दो नाबालिग लड़कियों के फरार होने की घटना ने संस्था की कार्यशैली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है जबकि पुलिस मामले की जांच और दोनों लड़कियों की तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार फरार हुई दोनों लड़कियों में एक जमशेदपुर के पटमदा थाना क्षेत्र की रहने वाली है जबकि दूसरी सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मंगलवार देर रात दोनों नाबालिग अचानक बालिका गृह से गायब हो गईं। घटना की जानकारी मिलने के बाद बालिका गृह प्रबंधन द्वारा संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई। इस संबंध में सीडब्ल्यूसी अधिकारी संतोष कुमार ठाकुर ने गम्हरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस आसपास के इलाकों, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड में तलाश अभियान चला रही है। साथ ही पूरे मामले में बालिका गृह प्रबंधन की भूमिका और सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने जन सहभागी विकास केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। लोगों का कहना है कि जिन नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी संस्था पर होती है वहां से दो लड़कियों का फरार हो जाना गंभीर लापरवाही को दशार्ता है। लोगों का आरोप है कि बालिका गृह में निगरानी व्यवस्था कमजोर थी जिसका फायदा उठाकर दोनों नाबालिग बाहर निकलने में सफल रहीं। उल्लेखनीय है कि बीते 15 अप्रैल को ही उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह द्वारा इस वात्सल्य बालिका गृह का उद्घाटन किया गया था। उद्घाटन के कुछ ही समय बाद इस तरह की घटना सामने आने से संस्था की तैयारियों और संचालन क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। नियमों के अनुसार किसी भी बालिका गृह में 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था, महिला कर्मियों की निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, नियमित उपस्थिति जांच और बच्चों की काउंसिलिंग अनिवार्य मानी जाती है। ऐसे में अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या संस्था द्वारा इन मानकों का सही तरीके से पालन किया जा रहा था या नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बालिका गृह में सुरक्षा और निगरानी मजबूत होती तो इस प्रकार की घटना नहीं होती। वहीं घटना के बाद संस्था और संबंधित अधिकारी खुलकर कुछ भी बोलने से बचते नजर आ रहे हैं। यहां तक कि प्राथमिकी दर्ज कराने वाले सीडब्ल्यूसी अधिकारी संतोष कुमार ठाकुर ने भी मीडिया के सवालों पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और दोनों नाबालिगों की तलाश जारी है।

एसटीईएम कार्यशाला से छात्रों को मिला नवाचार और विज्ञान का ज्ञान

धनबाद : आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के पेनमैन ऑडिटोरियम में गुरुवार को बीसीसीएल के सीएसआर पहल के तहत अंडरप्रिविलेज्ड और प्रोजेक्ट अफेक्टेड पर्सन (पीएपी) छात्रों के लिए एसटीईएम शिक्षा विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और छात्र मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य बीसीसीएल क्षेत्र के जरूरतमंद और परियोजना प्रभावित छात्रों को विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल और वैज्ञानिक शिक्षा बेहद जरूरी हो गई है और ऐसे कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और तकनीकी समझ विकसित करने में सहायक साबित होंगे। कार्यक्रम समन्वयक और आईआईटी (आईएसएम) की सहायक प्राध्यापक प्रो रश्मि सिंह ने बताया कि कार्यशाला में 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान छात्रों को आईआईटी (आईएसएम) के टेक्समिन इनोवेशन हब, रोबोटिक्स लैब, जियोलॉजिकल म्यूजियम, सेंट्रल लाइब्रेरी और अन्य शोध केंद्रों का भ्रमण कराया गया, ताकि उन्हें विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और करियर संभावनाओं की जानकारी मिल सके।

संक्षिप्त डायरी

पटना के बिहटा में भीषण गर्मी में बंद पड़ा सार्वजनिक प्याऊ

पटना (एजेंसी) पटना के बिहटा में भीषण गर्मी में बंद पड़ा सार्वजनिक प्याऊ, वार्ड 27 के लोगों में नाराजगी, राहगीर पानी के लिए परेशान, भीषण गर्मी के बीच इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों को पानी के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लोगों का कहना है कि पानी की सुविधा बंद होने से उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ रहा है. (मोनु कुमार मिश्रा) बिहटा नगर परिषद के वार्ड संख्या 27 स्थित सहवाजपुर-पाण्डेयचक तीनमुहानी पर लगा सार्वजनिक प्याऊ पिछले एक सप्ताह से बंद पड़ा है. बताया जा रहा है कि प्याऊ का मोटर खराब हो जाने के कारण यहां पेयजल की आपूर्ति ठप हो गई है राहगीरों और स्थानीय लोगों को हो रही भारी परेशानी भीषण गर्मी के बीच इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों को पानी के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लोगों का कहना है कि पानी की सुविधा बंद होने से उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ रहा है. शिकायत के बावजूद अब तक नहीं हुआ सुधार कार्य स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार इसकी सूचना नगर परिषद और संबंधित विभाग को दी गई, लेकिन अब तक मोटर की मरम्मत नहीं कराई गई है. इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है. लोगों ने जल्द मरम्मत कर प्याऊ चालू करने की मांग की ग्रामीणों और राहगीरों ने नगर परिषद प्रशासन से जल्द से जल्द मोटर ठीक कर प्याऊ को दोबारा चालू कराने की मांग की है, ताकि भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके.

अब रियलिटी शो में दिखेंगे तेज प्रताप यादव, 'भोजपुरी बवाल' में पवन-निरहुआ संग करेंगे कमाल

पटना (एजेंसी) राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अब रियलिटी शो में दिखने वाले हैं. भोजपुरी इंडस्ट्री का नया रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' जल्द ही लॉन्च होने वाला है. इसमें भोजपुरी इंडस्ट्री के फेमस कलाकारों के साथ तेज प्रताप यादव भी देखेंगे. जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेज प्रताप यादव राजनीति के बाद अब रियलिटी शो में भी दिखने वाले हैं. खास बात यह होगी कि भोजपुरी इंडस्ट्री के कई कलाकारों के साथ इस बार वे कमाल दिखायेंगे. जानकारी के मुताबिक, भोजपुरी इंडस्ट्री का नया रियलिटी शो ह्यभोजपुरी बवालह्न जल्द लॉन्च होगा. इसमें भोजपुरी सिनेमा और राजनीति से जुड़े चर्चित चेहरे शामिल होंगे. इन कलाकारों के साथ दिखेंगे तेज प्रताप चर्चा है कि शो में भोजपुरी इंडस्ट्री के पावरस्टार कहे जाने वाले पवन सिंह, दिनेश लाल यादव, आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी भी नजर आएंगी. साथ ही बिहार की राजनीति का चर्चित चेहरा तेज प्रताप यादव भी इस शो का हिस्सा होंगे. शो के जरिए फैंस को भोजपुरी सितारों की जिंदगी को करीब से देखने का मौका मिलेगा. इसमें कलाकारों की प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ के कई अनदेखे पहलु भी दिखाए जाएंगे. शो में सितारों के बीच मस्ती, बातचीत, इमोशनल मोमेंट और पर्दे के पीछे की जिंदगी देखने को मिलेगी. भोजपुरी दर्शकों के लिए यह शो एक बड़ा एंटरटेनमेंट पैकेज माना जा रहा है. इसमें तेज प्रताप यादव के बारे में भी लोगों को नजदीक से जानने का मौका मिल सकता है. तेज प्रताप सोशल मीडिया पर एक्टिव तेज प्रताप यादव राजनीति में एक्टिव होने के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव रहते हैं. ळ इ'ङ्क के नाम से तेज प्रताप यादव ने एक यूट्यूब चैनल भी बनाया है. इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स के जरिए कई पोस्ट शेयर करते रहते हैं. कभी कृष्ण अवतार तो कभी शिव के अवतार में उन्होंने कई बार फोटो शेयर किया.

बेबाक बयानों और अलग अंदाज के लिए तेज प्रताप फेमस इस तरह से देखा जाए तो तेज प्रताप यादव अपने अलग अंदाज और बेबाक बयानों के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं. तेज प्रताप यादव से जुड़े कई मामले जैसे कि राजनीतिक बयानबाजी, ऐश्वर्या राय से तलाक का मामला, अनुष्का यादव प्रकरण, पार्टी और परिवार से निकाले जाना, भाई तेजस्वी यादव से खटपट को लेकर चर्चा में आ चुके हैं. ऐसे में अब राजनीति के बाद वे रियलिटी शो में भी दमखम दिखाने वाले हैं.

सरकारी जमीन पर गड़बड़ी करने वालों की अब खैर नही

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार सरकारी जमीन के रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के लिए सख्त कदम उठाने जा रही है. राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने साफ कहा है कि सरकारी जमीन किसी और के नाम करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी. साथ ही जमीन से जुड़े सभी कार्यों को पूरी तरह ऑनलाइन करने की तैयारी है. (कृष्ण कुमार, पटना) राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि सरकारी जमीन का रिकॉर्ड दुरुस्त करना हम सभी की जिम्मेदारी है. यदि सरकारी जमीन किसी अन्य व्यक्ति के नाम की जाती है तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि इस संबंध में राज्य सरकार जल्द ही नया कानून लाने जा रही है. मंत्री डॉ. जायसवाल गुरुवार को लगातार तीसरे दिन विभागीय समीक्षा बैठक कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुपौल, रोहतास और पटना जिले के राजस्व कार्यों की समीक्षा की. समीक्षा बैठक में उन्होंने भ्रष्टाचार और लापरवाही को लेकर अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस की चेतावनी दी. जमीन से जुड़ा हर काम होगा ऑनलाइन बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि जमीन से संबंधित सभी कार्य अब केवल ऑनलाइन माध्यम से ही किए जाएंगे. इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और आम लोगों को दलालों एवं भ्रष्टाचार से राहत मिलेगी. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अंचल स्तर पर एक्टिव दलालों पर कड़ी नजर रखी जाए. साथ ही, भ्रष्टाचार पर निगरानी के लिए आर्थिक अपराध इकाई का विशेष सेल गठित किया गया है. मंत्री ने बताया कि विभाग के करीब पौने दो सौ अधिकारी इस सेल की निगरानी में हैं. भूमिहीन परिवारों को जमीन उपलब्ध कराने का लक्ष्य डॉ. जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सभी योग्य भूमिहीन परिवारों को वास भूमि उपलब्ध कराना है. इसके लिए ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द जमीन उपलब्ध कराई जाए. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़े मामलों का तय समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े. 15 दिनों में सुधार दिखाने का निर्देश समीक्षा के दौरान मंत्री ने पटना, सुपौल और रोहतास जिले की रैंकिंग एवं कार्य प्रगति का भी जायजा लिया. उन्होंने अधिकारियों को अगले 15 दिनों के भीतर स्पष्ट सुधार दिखाने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि सभी जिलों को टॉप-10 में स्थान बनाने के लक्ष्य के साथ काम करना होगा. खासकर पटना जैसे महत्वपूर्ण जिले की रैंकिंग में हर स्तर पर सुधार जरूरी है. इसके लिए जिलाधिकारी और अपर समाहर्ता नियमित मॉनिटरिंग करें. बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद बैठक में विभाग के सचिव जय सिंह ने संबंधित जिलों के अधिकारियों को लंबित मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटारा करने का निर्देश दिया. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता और अंचलाधिकारी जुड़े रहे. इसके अलावा बैठक में सचिव सीमा त्रिपाठी, विशेष सचिव इनायत खान, अपर सचिव प्रशांत सीएच, डॉ. महेंद्र पाल, आजीव वत्सराज, विशेष कार्य पदाधिकारी मणि भूषण किशोर, उप निदेशक मोना झा, उप सचिव संजय कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार, अरविंद कुमार, सहायक निदेशक सह जनसंपर्क पदाधिकारी जूही कुमारी और आईटी मैनेजर आनंद शंकर समेत कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे.

मजनू भाई की पेंटिंग से हुई बिहार के CM सम्राट चौधरी के स्केच की तुलना, वायरल होने पर बिल्डर ने हटाई तस्वीर

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक बिल्डर द्वारा भेंट किया गया पेंसिल स्केच सोशल मीडिया पर गलत कारणों से वायरल हो रहा है। यह स्केच सीएम से बिल्कुल नहीं मिलता-जुलता, जिससे यूजर्स को फिल्म 'वेलकम' के मजनू भाई के चित्र याद आ गए और स्केच की कलात्मकता पर सवाल उठ रहे हैं। बढ़ती नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बाद, भेंट करने वाले बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने अपनी पोस्ट से विवादित तस्वीर हटा ली है। बिहार के एक बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक चित्र भेंट किया। पेंसिल से बनाया गया यह चित्र अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, हालांकि इसके पीछे गलत कारण हैं। चित्र में मुख्यमंत्री (चौधरी) खुद को दशार्या गया है, लेकिन इसे देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स को बॉलीवुड फिल्म के एक किरदार, मजनू भाई की याद आ गई। पटना के बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने हाल ही में मुख्यमंत्री चौधरी से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री के साथ अपनी मुलाकात की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। तस्वीरों में, संजीव श्रीवास्तव चौधरी को कई वस्तुएं भेंट करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से एक यह चित्र भी था। इंस्टाग्राम पोस्ट का कैप्शन था, बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पल्लव राज कंस्ट्रक्शन के सीएमडी संजीव श्रीवास्तव जी से सौहार्दपूर्ण मुलाकात। जैसे ही यह तस्वीर वायरल हुई और फिल्म वेलकम के मजनू भाई से इसकी तुलना होने लगी, मुख्यमंत्री की तस्वीर स्वीकार करते हुए फोटो यूजर ने हटा दी, हालांकि पोस्ट अभी भी मौजूद है। पोस्ट के सामने आते ही कई यूजर्स ने बिहार के मुख्यमंत्री का पेंसिल स्केच बनाने वाले की कलात्मकता पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। जाहिर है, वे इस तस्वीर से प्रभावित नहीं हुए क्योंकि यह बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से जरा भी मिलती-जुलती नहीं थी। भारतीय युवा कांग्रेस ने इंस्टाग्राम पर इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर उन्होंने लिखा, अंदाजा लगाओ कौन यह तस्वीर में बिहार के मुख्यमंत्री के कार्टून जैसे दिखने वाले चित्र पर एक तंज प्रतीत होता है। कुछ यूजर्स ने मुख्यमंत्री चौधरी द्वारा उपहार स्वीकार करने की सराहना की। एक यूजर ने लिखा, पेंटिंगः इस व्यक्ति ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जो भी उपहार दिया है, उसे पेंटिंग तो बिल्कुल नहीं कहा जा सकता। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एक दयालु व्यक्ति हैं, इसीलिए इस व्यक्ति ने इतने आत्मविश्वास से यह विचित्र कलाकृति भेंट की और फिर भी सुरक्षित निकल गया। एक अन्य यूजर ने इस चित्र के कलाकार की तुलना फिल्म वेलकम के किरदार मजनू भाई से की। उन्होंने लिखा कि मजनू भाई को गर्व होताबिहार की निर्माण कंपनी के निदेशक ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की और पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें यह चित्र भेंट कियाङ्क फिर गर्व से चारों तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दीं। यह रिपोर्ट लिखे जाने तक, चौधरी को चित्र भेंट करने वाले बिल्डर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से यह तस्वीर हटा दी थी। उन्होंने पोस्ट के कमेंट सेक्शन को भी बंद कर दिया था। संभवतः यह कदम पिछले दो दिनों से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के कारण उठाया गया था।

पटना में गर्मी से राहत की तैयारी, अब 7 हजार लीटर वाले वाटर टैंकर बुझाएंगे लोगों की प्यास

पटना (एजेंसी) पटना में गर्मी से राहत की तैयारी, अब 7 हजार लीटर वाले वाटर टैंकर बुझाएंगे लोगों की प्यास. शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी 186 पंप हाउसों के संचालन की नियमित जांच करने का निर्देश दिया गया है. पटना नगर निगम के पास वर्तमान में करीब 120 किलोमीटर लंबा पाइपलाइन नेटवर्क मौजूद है. (हिमांशु देव) राजधानी पटना में लगातार बढ़ती गर्मी और तेज धूप को देखते हुए पटना नगर निगम ने पेयजल व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्णय लिया है. अब शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए बड़े क्षमता वाले वाटर टैंकर लगाए जाएंगे. 12 नए टैंकर किराये पर लेगा नगर निगम नगर निगम शहर में टैंकरों की संख्या बढ़ाकर 25 करने जा रहा है. इसके लिए 12 अतिरिक्त वाटर टैंकर किराये पर लिए जाएंगे. इन टैंकरों की क्षमता 7 हजार लीटर तक होगी, जिससे ज्यादा लोगों को पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा. स्वच्छ पानी के लिए सख्त निर्देश जारी नगर निगम ने सभी टैंकरों की नियमित सफाई और रोज ताजा पानी भरने का निर्देश दिया है. पानी को दूषित होने से बचाने के लिए टैंकरों के ढक्कन बंद और लॉक रखने को कहा गया है. अधिकारियों को निगरानी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है. 186 पंप हाउसों की भी होगी निगरानी शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी 186 पंप हाउसों के संचालन की नियमित जांच करने का निर्देश दिया गया है. पटना नगर निगम के पास वर्तमान में करीब 120 किलोमीटर लंबा पाइपलाइन नेटवर्क मौजूद है. इन प्रमुख जगहों पर लगाए गए हैं वाटर टैंकर फिलहाल गर्दनीबाग रोड नंबर-2, शिवपुर महेंद्रू, ज्ञान भवन, जीपीओ, हड़ताली मोड़, आयकर गोलंबर और दीप नगर पंप हाउस के पास वाटर टैंकर तैनात किए गए हैं. डाकबंगला चौराहा और गांधी मैदान सहित कई स्थानों पर भी

पटना वीमेंस कॉलेज के समर कैंप में छात्राओं ने सीखे ताइक्वांडो और क्रिकेट के गुर, खेल गतिविधियों में दिखा जबरदस्त उत्साह

पटना (एजेंसी) पटना वीमेंस कॉलेज के समर कैंप में छात्राओं ने सीखे ताइक्वांडो और क्रिकेट के गुर, खेल गतिविधियों में दिखा जबरदस्त उत्साह. प्रशिक्षण सत्र के बाद छात्राओं के बीच क्रिकेट मैच भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. मैच के दौरान छात्राओं में खेल के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला. : (अमृता सिंह) पटना वीमेंस कॉलेज में आयोजित समर कैंप के तीसरे दिन छात्राओं ने खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. पूरे दिन कैंप परिसर में उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला. ताइक्वांडो प्रशिक्षण में छात्राओं ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीकें दिन की शुरूआत ताइक्वांडो प्रशिक्षण सत्र से हुई. प्रशिक्षक ज्योति कुमारी ने छात्राओं को वार्म-अप अभ्यास कराने के साथ ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों और आत्मरक्षा कौशल की जानकारी दी. छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया. क्रिकेट सत्र में सिखाए गए बल्लेबाजी और खेल के नियम इसके बाद आयोजित क्रिकेट सत्र में क्वाजी बुशरा अहमद ने छात्राओं को बैट पकड़ने का सही तरीका, बल्लेबाजी की मुद्रा और क्रिकेट में आउट होने के विभिन्न नियमों की जानकारी दी. प्रशिक्षण के बाद ग्रुप लीडरों ने अपनी-अपनी टीमों को अभ्यास भी कराया. छात्राओं के बीच हुआ क्रिकेट मैच प्रशिक्षण सत्र के बाद छात्राओं के बीच क्रिकेट मैच भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. मैच के दौरान छात्राओं में खेल के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला. खेल समन्वयक की देखरेख में चल रहा समर कैंप समर कैंप का आयोजन कॉलेज की खेल समन्वयक डॉ. मंजुला सुशीला के नेतृत्व में किया जा रहा है. मौके पर स्पोर्ट्स सेक्रेटरी ऋचा कुमारी, संयुक्त स्पोर्ट्स सेक्रेटरी खुशी कुमारी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे.

नालंदा में लगेगा समर कैंप, कमजोर बच्चों को भाषा और गणित में दी जाएगी विशेष शिक्षा

पटना (एजेंसी) नालंदा जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा 5 एवं 6 के चयनित बच्चों के लिए ग्रीष्मावकाश के दौरान विशेष समर कैंप का आयोजन किया जाएगा. यह कैंप एक जून से 30 जून तक गांव स्तर पर संचालित होगा. समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के भाषा एवं गणितीय कौशल को मजबूत बनाना है. (कुमार उज्जवलानंद गिरि) नालंदा जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा 5 एवं 6 के चयनित बच्चों के लिए ग्रीष्मावकाश के दौरान विशेष समर कैंप का आयोजन किया जाएगा. यह कैंप एक जून से 30 जून तक गांव स्तर पर संचालित होगा. समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के भाषा एवं गणितीय कौशल को मजबूत बनाना है. कमजोर बच्चों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण समग्र शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मो. शाहनवाज ने बताया कि प्रारंभिक विद्यालयों में पढ़ने वाले वैसे छात्र-छात्राएं जो भाषा और गणित में अपेक्षाकृत कमजोर हैं, उनके लिए प्रथम संस्था के सहयोग से विशेष समर कैंप आयोजित किया जाएगा. कैंप के दौरान बच्चों को सरल भाषा और गणित की विशेष शिक्षा दी जाएगी. स्वयंसेवकों की मदद से चलेगा कैंप उन्होंने बताया कि समर कैंप का संचालन निःशुल्क सेवा देने वाले स्वयंसेवकों की सहायता से किया जाएगा. जिले के सभी शिक्षा सेवक और तालिमी मरकज कर्मी अपने-अपने केंद्रों पर स्वयंसेवक के रूप में कैंप चलाएंगे. प्रशिक्षित स्वयंसेवक असर टूल के माध्यम से बच्चों का चयन कर प्रतिदिन एक से डेढ़ घंटे तक विशेष पढ़ाई कराएंगे. हर कैंप में शामिल होंगे 10 से 15 बच्चे प्रत्येक समर कैंप में 10 से 15 छात्र-छात्राओं को शामिल किया जाएगा. बच्चों को भाषा और गणित की बुनियादी समझ मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा. समर कैंप के लिए स्वयंसेवकों को जिला रिसोर्स पर्सन और प्रखंड नोडल पर्सन द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. जिला स्तर पर तैयार किए गए मास्टर ट्रेनर स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर भी नियुक्त किए गए हैं. इनमें डॉ. अभिनव कुमार, प्रशांत प्रियदर्शी, सुनील कुमार तांती और अनूप कुमार सिन्हा का चयन किया गया है. ये सभी प्रखंड स्तर के ट्रेनरों को प्रशिक्षित करेंगे. बच्चों को उच्च कक्षाओं के लिए तैयार करना है उद्देश्य जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि विभिन्न सर्वेक्षणों में यह सामने आया है कि कक्षा 5 एवं 6 के कई बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं. समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को सरल पाठ को धारा प्रवाह पढ़ने, समझने और अपने विचार व्यक्त करने में सक्षम बनाना है. साथ ही गणित में संख्या पहचान, संक्रिया और शाब्दिक सवाल हल करने की क्षमता विकसित करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तैयारियों की हुई समीक्षा समर कैंप के सफल संचालन को लेकर बुधवार को सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी कृष्ण कुमार दास ने ऑनलाइन बैठक कर सभी संबंधित कर्मियों से तैयारियों की जानकारी ली. बैठक में नामांकन अभियान और समर कैंप को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए. अधिकारियों ने एक जून से हर हाल में कैंप शुरू करने का निर्देश दिया.

पटना सिटी में ईद-उल-अजहा की रौनक, नमाज में मांगी खुशहाली और तरक्की की दुआ, खानकाहों और ईदगाहों में उमड़ी भीड़

पटना (एजेंसी) पटना सिटी में ईद-उल-अजहा की रौनक, नमाज में मांगी खुशहाली और तरक्की की दुआ, खानकाहों और ईदगाहों में उमड़ी भीड़, पटना सिटी में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार श्रद्धा और पारंपरिक तरीके से मनाया गया. खानकाहों और ईदगाहों में बड़ी संख्या में लोगों ने सामूहिक नमाज अदा की. नमाज के दौरान देश में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी गई. (अमिताभ श्रीवास्तव) पटना सिटी, जो सूफी संतों और ऐतिहासिक खानकाहों की नगरी मानी जाती है, वहां गुरुवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया. इस मौके पर खानकाहों और ईदगाहों में सामूहिक नमाज अदा की गयी और लोगों ने देश में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी. ईदगाहों और खानकाहों में अदा की गयी बकरीद की नमाज शनिचरा ईदगाह, दरगाह शाह अरजानी, खानकाह इमादिया मंगल तालाब, वारगाहे इश्क तकिया शरीफ मीतन घाट, शाही ईदगाह गुलजारबाग, खानकाह मुनइमिया, चौक मदरसा गली स्थित जामा मस्जिद, खानकाह फैयाजिया सिमली और खानकाह पीरदमरिया सहित कई स्थानों पर बकरीद की नमाज अदा की गयी. वहीं शिया समुदाय के लोगों ने बौली मस्जिद, इमामबाड़ा गुलजारबाग स्टेट, कबुतरी मस्जिद, हसन साहिब की मस्जिद, नौजर कटरा इमामबाड़ा, पत्थर मस्जिद और गुजरी बाजार स्थित अन्य मस्जिदों में भी नमाज अदा की. नमाज के बाद गले मिलकर दी गई मुबारकबाद नमाज संपन्न होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी और भाईचारे का संदेश दिया. इसके बाद घरों में जाकर पारंपरिक तरीके से कुबार्नी की रस्म अदा की गयी, जिससे पूरा इलाका त्योहार की खुशियों से भर गया. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन रहा पूरी तरह सतर्कबकरीद के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा. एसडीओ सत्यम सहाय ने बताया कि दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गयी थी. संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी और सघन गश्ती की व्यवस्था की गयी ताकि त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके.

यात्रियों के लिए बड़ी राहत, पटना-झाझा रूट से नई दिल्ली और हावड़ा के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

पटना (एजेंसी) यात्रियों के लिए बड़ी राहत, पटना-झाझा रूट से नई दिल्ली और हावड़ा के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन. पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि स्पेशल ट्रेनें पटना, बख्तियारपुर, किउल, झाझा, आरा और बक्सर सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेंगी, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को सुविधा मिलेगी. (आनंद तिवारी) ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने नई दिल्ली और हावड़ा के बीच 2 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का फैसला लिया है. इससे बिहार के यात्रियों को सफर में काफी राहत मिलेगी. पटना, आरा, बक्सर और झाझा समेत कई स्टेशनों पर रुकेगी ट्रेन पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि स्पेशल ट्रेनें पटना, बख्तियारपुर, किउल, झाझा, आरा और बक्सर सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेंगी, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को सुविधा मिलेगी. 28 मई और 30 मई को नई दिल्ली से खुलेगी स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 04048 नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल 28 मई को नई दिल्ली से शाम 6:15 बजे खुलेगी और अगले दिन रात 11:40 बजे हावड़ा पहुंचेगी. वहीं गाड़ी संख्या 04050 नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल 30 मई को इसी समय पर रवाना होगी. हावड़ा से भी चलेगी वापसी स्पेशल ट्रेन वापसी में गाड़ी संख्या 04047 हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल 30 मई को और गाड़ी संख्या 04049 हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल 1 जून को हावड़ा से खुलेगी. ये ट्रेनें पटना, आरा, बक्सर और डीडीयू सहित कई स्टेशनों पर रुकते हुए नई दिल्ली पहुंचेंगी. यात्रियों को भीड़ से मिलेगी राहत रेलवे का मानना है कि इन स्पेशल ट्रेनों के परिचालन से गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और सफर अधिक सुविधाजनक होगा.

पटना के ठेकेदार रिशु श्री गिरफ्तार, रश्व की छापेमारी में मिले करोड़ों के सोना-चांदी, हीरा और नोटों के बंडल

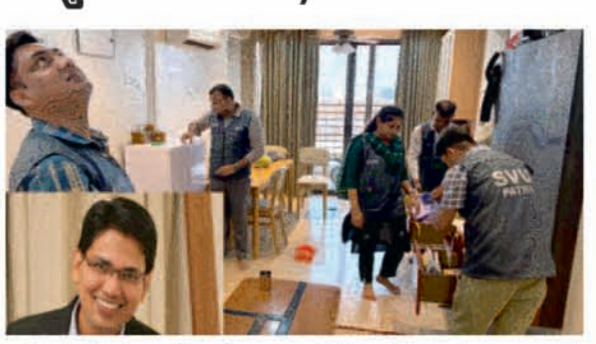

पटना (एजेंसी) पटना के ठेकेदार रिशु श्री को एसवीयू की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है. छापेमारी में ठेकेदार के फ्लैट से करोड़ों की संपत्ति, सोना-चांदी और कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं. बिहार में सरकारी ठेकों में कथित भ्रष्टाचार को लेकर सरकार की विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने बड़ा एक्शन लिया है. ठेकेदार रिशु श्री को गिरफ्तार कर जेल भेजने की प्रक्रिया जारी है. यह कार्रवाई टेंडर में हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हुई है. गिरफ्तारी के बाद उन्हें देर रात रश्व के दफ्तर ले जाया गया. जहां उनसे पूछताछ की गई. करोड़ों के गहने बरामद बुधवार को छापेमारी के दौरान एसवीयू को 61 सेल डीड के कागजात, करीब सवा किलो सोना, चांदी, हीरे के जेवर और ढाई लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं. बरामद गहनों की कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है. एजेंसी अब रिशु श्री की अन्य संपत्तियों और निवेश की भी जांच कर रही है. जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई सरकार ने इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ ह्यजीरो टॉलरेंसह्न नीति का हिस्सा बताया है. एसवीयू की टीम यह पता लगाने में जुटी है कि सरकारी ठेकों में किस तरह गड़बड़ी की गई और किन-किन लोगों को इसका फायदा पहुंचाया गया. सूत्रों के मुताबिक रिशु श्री के कुछ बड़े अधिकारियों और आईएएस अफसरों से करीबी संबंध थे. जांच एजेंसियां अब इन कनेक्शनों की भी पड़ताल कर रही हैं. आईएएस संजीव हंस भी जांच के घेरे में एसवीयू ने 30 अप्रैल 2025 को रिशु श्री के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोध अधिनियम की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था. इस मामले में बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजीव हंस का नाम भी सामने आया है. आरोप है कि सरकारी निविदाओं में हेरफेर कर अपनी कंपनी को फायदा पहुंचाया गया और सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया. ईडी की जांच में भी मिला था करोड़ों का खजाना इस मामले में इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी कार्रवाई कर चुका है. नवंबर 2025 में ईडी ने रिशु श्री के ठिकानों पर छापेमारी की थी. उस दौरान भी 51 लाख रुपये नकद, करोड़ों के सोने-चांदी के जेवर और सेल डीड के दस्तावेज मिले थे. ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिशु श्री और आईएएस संजीव हंस को आरोपी बनाया था. जांच एजेंसी का दावा है कि रिशु श्री ने कई बड़े अधिकारियों से संबंधों का फायदा उठाकर जल संसाधन, नगर विकास और भवन निर्माण विभागों में ठेके हासिल किए. अफसरों को कमीशन और विदेश यात्राओं का आरोप ईडी सूत्रों के अनुसार रिशु श्री पर अधिकारियों को कमीशन देने और उनके निजी खर्च उठाने के आरोप भी हैं. इतना ही नहीं, कुछ अधिकारियों की विदेश यात्राएं स्पॉन्सर करने की बात भी जांच में सामने आई है. जांच एजेंसियों का मानना है कि अफसरों और ठेकेदारों की मिलीभगत से टेंडर प्रक्रिया को पहले से सेट किया जाता था, ताकि खास कंपनियों को फायदा मिल सके. डिजिटल रिकॉर्ड और लेन-देन की हो रही जांच एसवीयू की टीम छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और बैंकिंग लेन-देन की गहराई से जांच कर रही है. एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सरकारी योजनाओं में कितनी राशि का घोटाला हुआ और इसमें कौन-कौन शामिल हैं. इस कार्रवाई के बाद बिहार में सरकारी ठेकों और टेंडर प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं. अब सभी की नजर जांच एजेंसियों की अगली कार्रवाई पर टिकी है.

शरीर को जर्जर कर सकती है इस विटामिन की कमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन से भरपूर आहार लेना जरूरी है। अगर किसी एक विटामिन की कमी हो जाए तो इससे पूरी बॉडी पर असर पड़ता है। धीरे-धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है और शरीर बीमारियों का घर बना जाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी सबसे जरूरी है। जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देता है और उसे मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन सी की कमी (Vitamin C Deficeieny) हो जाए तो इससे आप जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं। मामूली सर्दी जुकाम भी शरीर पर असर दिखाने लगता है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण बाल टूटने लगते हैं। हड्डियां कमजोर हो जाती है और चेहरे पर अर्ली एजिंग के निशान दिखने लगते हैं। विटामिन सी की कमी ओरल हेल्थ यानि आपके दांत और मसूड़ों को भी प्रभावित करती है। यानि शरीर में विटामिन सी कमी होने पर पूरा ढांचा ही खराब होने लगता है।

आप विटामिन सी की कमी के लिए कुछ खास चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। जिससे शरीर को रोजाना की विटामिन सी की जरूरतों को पूरा करने में आसानी हो। खाने-पीने में ऐसी कई चीजें है जो आपकी विटामिन सी की डेली नीड्स को पूरा कर सकती हैं। आइये जानते हैं विटामिन सी से भरपूर भोजन क्या है? किन चीजों में विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है?

विटामिन सी से भरपूर चीजें

आंवला- विटामिन सी के लिए आवला को सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। आंवला में भरपूर विटामिन सी पाया जाता है। डेली किसी भी तरह 1 आंवला खाने की कोशिश करें। एक मीडियम साइज का आंवला खाने से 600- 700 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है। आप रोजाना आंवला का जूस, आंवला पाउडर, आंवला का अचार या आंवला की चटनी खा सकते हैं।

अमरूद- ज्यादातर लोगों को लगता है कि सिर्फ खट्टी चीजों में ही विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। फलों में अमरूद विटामिन सी से भरपूर माना जाता है। एक मीडियम साइज का अमरूद रोजाना खाने से करीब 228 मिलीग्राम विटामिन ष्ट मिलता है। इसलिए डाइट में अमरूद जरूर शामिल करें।

कीवी- फलों में रोजाान कीवी खाने से भी विटामिन सी की कमी को दूर किया जा सकता है। इसलिए रोजाना 1 कीवी जरूर खाया करें। 1 कीवी में लगभग 92 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। जिससे आपको डेली की जरूरतों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

पपीता- लगभग 1 कप पपीता खाने से शरीर को 88 मिलीग्राम विटामिन सी मिल जाता है। इसलिए पपीता को डेली डाइट में शामिल करें। पपीता गर्मियों में पेट को हेल्दी रखने में मदद करता है और इससे शरीर को दूसरे जरूरी विटामिन भी मिल जाते हैं। पपीता खाने से विटामिन सी की कमी दूर हो सकती है।

संतरा और नींबू- विटामिन सी के लिए संतरा, मौसमी और नींबू को भी बहुत अच्छा माना जाता है। सिट्रिक फ्रूट्स में विटामिन सी पाया जाता है। रोजाना एक मीडियम संतरा खाने से शरीर में 70 मिलीग्राम विटामिन सी पहुंचता है। आप संतरा का जूस भी पी सकते हैं। वहीं 100 ग्राम नींबू खाने से भी करीब 50-60 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है।

किन लोगों को मट्ठा पीने से परहेज करना चाहिए?

गर्मियों के मौसम में लोगों को छाछ पीना काफी पसंद होता है। छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छाछ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है? कुछ लोगों को छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आइए छाछ पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

गले से जुड़ी समस्या

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी गले से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपको छाछ का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ की तासीर ठंडी होती है। यही वजह है कि खांसी-जुकाम में छाछ पीने की वजह से आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है।

एक्जिमा का शिकार लोग

अगर आपको एक्जिमा है, तो आपको छाछ को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए। छाछ में मौजूद कुछ तत्व आपकी त्वचा की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। एक्जिमा का शिकार लोगों को मट्ठा पीने से त्वचा पर जलन, खुजली या फिर लालपन जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंट

क्या आप लैक्टोज इनटॉलेरेंट हैं? अगर हां, तो आपको छाछ नहीं पीनी चाहिए वरना आपकी तबीयत खराब हो सकती है। लैक्टोज इनटॉलेरेंस की समस्या से जूझ रहे लोगों को छाछ या फिर दूध से बनी चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। इस तरह के लोग दूध को सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं कर पाते जिसकी वजह से उनकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको छाछ पीने से बचना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ
खाते ही जलन-एसिडिटी को करता है दूर

गर्मियों में पेट से जुड़ी समस्याएं काफी परेशान करती हैं। जरा सा तेल मसालेदार खाना खाने से ही जलन, गैस और एसिडिटी होने लगती है। ऐसा लगता है कि खाने में सिर्फ ठंडी चीजों को ही शामिल करें। खाने के बाद जिनको ज्यादा ब्लोटिंग होती है उन्हें डाइट में कुछ घरेलू चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे गैस एसिडिटी कम हो। रसोई में रखी ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें खाने से पेट की जलन और गैस एसिडिटी को कम किया जा सकता है। इसके लिए सौंफ बेहतरीन मसाला है। सौंफ खाने से पेट ठंडा रहता है। गर्मियों में खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ खाने से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। जानिए कब और कैसे करें सौंफ का इस्तेमाल?

पेट की जलन दूर कर देगा ये मसाला

गर्मियों में सौंफ का सेवन जरूर करना चाहिए। सौंफ की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में कई ड्रिंक्स और दूसरी डिश में सौंफ का उपयोग किया जाता है। आप सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। गैस एसिडिटी को भी सौंफ खाकर दूर किया जा सकता है।

कैसे करें सौंफ का सेवन

सौंफ को खाने के बाद ऐसे ही चबाकर खा सकते हैं। सौंफ और मिश्री मिलाकर भी खा सकते हैं। सौंफ को पीसकर पाउडर बना लें। पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का पाउडर खा लें। आप चाहें तो सौंफ का पानी भी पी सकते हैं। एसिडिटी बहुत ज्यादा बनने वालों को सुबह खाली पेट कुछ दिनों सौफ का पानी पीना चाहिए।

सौंफ के फायदे

सौंफ का सेवन करने से पाचन मजबूत होता है। सौंफ में फाइबर भरपूर होता है जिससे डाइजेशन में मदद मिलती है।

सौंफ लिवर के लिए भी अच्छी मानी जाती है। सौंफ का सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है। इससे शरीर में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

सौंफ खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। शरीर पर जमा फैट कम होने लगता है।

पुरानी कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए सौंफ का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। कब्ज से परेशान लोगों को सौंफ जरूर खानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ मदद करती है। इससे बीपी कंट्रोल होगा और दिमाग भी शांत होगा।

सौंफ का सेवन फीड कराने वाली महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है।

फायदेमंद होता है धनिए का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक धनिए के पानी में विटामिन सी, ए, के, बी6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, सेलेनियम, मैंगनीज, सोडियम, फोलेट, थायमिन, नियासिन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक धनिए के पानी में पाए जाने वाले तत्व आपकी गट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। क्या आप गैस, एसिडिटी या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको धनिए के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। धनिए का पानी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है।

बॉडी को डिटॉक्स करने में कारगर

धनिए का पानी पीकर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर अपनी किडनी और अपनी लिवर के सेहत को मजबूत बना पाएंगे। धनिए के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में असरदार साबित हो सकते हैं। धनिए का पानी पीकर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं यानी डायबिटीज पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक फायदेमंद साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से धनिए के पानी को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

कैसे बनाएं धनिए का पानी?

धनिए का पानी बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले धनिए के बीजों को रात भर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब आप अगली सुबह इस पानी को छानकर पी सकते हैं। इसके अलावा धनिए की पत्तियों को पानी में बॉइल करके भी कंज्यूम किया जा सकता है।

गर्मियों में ककड़ी खाने के फायदे

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन

रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका

ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में आज होगा टाइटंस और रॉयल्स का मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र का क्वालिफायर-2 मुकाबला शुक्रवार को यहां गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स टीमों के बीच खेला जाएगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत हासिल कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना चाहेंगी। इस मैच में हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इस मैच में एक भी गलती इन टीमों को भारी पड़ सकती है। इस मैच में शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस पर दबाव रहेगा। इसका कारण है कि पहले क्वालीफायर में गुजरात की बल्लेबाजी असफल रही थी। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की फिल्डिंग बेहद लचर रही जिस कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आसानी से मैच जीत लिया। ऐसे में गुजरात को अगर जीत हासिल करनी है तो उस अपनी फिल्डिंग में सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे मैच उसके हाथ से फिसल गया था। इस मैच में अब गुजरात को अच्छी फिल्डिंग करने के साथ ही रन भी बनाने होंगे। साई सुदर्शन और शुभमन पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान को विकेट लेने होंगे।

वहीं दूसरी और एलीमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराने से उत्साहित कप्तान रियान पराग की राजस्थान रॉयल्स इस मैच में बड़े हुए मनोबल से उतरेगी। सनराइजर्स के खिलाफ उसके बल्लेबाजों विशेषकर वैभव सूर्यवंशी ने आतिशी पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। वैभव ने जिस प्रकार 28 गेंदों पर तेजी से 97 रन बनाये थे। उसे मैच राजस्थान की ओर मुड़ गया था। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती वैभव से निपटना रहेगा। इसके अलावा सनराइजर्स के खिलाफ घातक गेंदबाजी करने वाले जोफ्रा आर्चर से भी गुजरात के बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। आर्चर ने सनराइजर्स के खिलाफ मैच में अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड के विकेट शुरुआत में ही लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। जिससे टीम अंत तक उबर नहीं पायी थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए थे जिसमें से गुजरात ने 7 जबकि राजस्थान ने 4 जीते है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवान फरेरा, दासुन शनाका, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, यश राज पुंजा।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिद्धू, जेसन होल्डर, राशिद खान, कुलवंत खेजरोलिया, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

विनेश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डब्ल्यूएफआई की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि विनेश ट्रायल में भाग ले सकेंगी या नहीं।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को अपने एक आदेश में विनेश को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई को 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश फोगाट को भेजे गए एक नोटिस के लिए कड़ी फटकार भी लगाई थी। डब्ल्यूएफआई ने उस नोटिस में कहा था कि पेरिस ओलंपिक में विनेश का वजन ज्यादा होने के कारण बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था। हाईकोर्ट ने इस नोटिस को अनुचित ठहराया था। डब्ल्यूएफआई की यह चुनौती पूर्व के उन बयानों से उलट है, जिसमें महासंघ के सूत्रों ने कहा था कि वे अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे और इस फैसले को चुनौती नहीं देंगे। हालांकि, महासंघ ने पहले यह संकेत जरूर दिया था कि अगर विनेश ट्रायल्स के जरिए क्वालीफाई कर भी लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। उनका तर्क था कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है। संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर उन्हें एक आइकॉनिक खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया भी जाता है, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस जटिल मामले में क्या फैसला लेता है। शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पहलवान विनेश फोगाट के एशियाई खेलों के ट्रायल में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त होगा या उन्हें एक और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा।

आईपीएल2026 : वैभव सूर्यवंशी ने 97 रनों की रिकॉर्ड पारी के साथ हासिल की ऑरेंज कैप

न्यू चंड़ीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्य के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 29 गेंदों में 97 रनों की रिकॉर्ड पारी खेल कर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में एक बार फिर स ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। वैभव सूर्यवंशी ने ने बुधवार की रात 12 छक्के लगाते हुए एक IPLसीजन में सर्वाधिक छक्कों का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह गेल के सबसे तेज IPL शतक (30 गेंद) के रिकॉर्ड को भी तोड़ने के बेहद क़रीब थे लेकिन 29वीं गेंद पर ही 97 रन बनाकर आउट हो गए।

सूर्यवंशी अब 680 रनों के साथ ऑरेंज कैप टेबल में शीर्ष पर हैं। जो दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस साई सुदर्शन से 28 रन अधिक हैं। तीसरे स्थान पर जीटी के कप्तान शुभमन गिल हैं तो वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रनों के साथ छठे स्थान पर हैं। ध्रुव धुरेल ने एसआरएच के खिलाफ 21 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली जिसके बाद उनके 508 रन हो चुके हैं और वह 11वें स्थान पर आ गए हैं। SRH के हाइनरिक क्लासन (624 रन), इशान किशन (602 रन) और अभिषेक शर्मा (563 रन) ने तीसरे, पांचवें और आठवें स्थान पर रहते हुए सीजन समाप्त किया है।

पर्पल कैप तालिका में की बात की जाए तो इस सीजन कई मौको पर जोफ्रा आर्चर ने अपनी गेंदों से सबको आश्चर्य में डाला है। पावरप्ले में अपनी गेंदबाजी से आर्चर ने अलग ही खौफ पैदा किया है। ऋक्को पिछले दो मैचों में लगातार जीत ही हासिल करनी थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आर्चर ने 17 रन देकर तीन विकेट निकाले। SRH के खिलाफ उन्होंने 58 रन दिए लेकिन तीन विकेट भी हासिल किए। आर्चर के महगे होने पर इसलिए किसी ने ध्यान नहीं दिया क्योंकि उन्होंने तीनों बड़े विकेट निकाले और सब पावरप्ले में ही लिए।

आर्चर अब 24 विकेट इस सीजन ले चुके हैं। उनसे आगे दो ऐसे गेंदबाज़ हैं जो अब भी और विकेट हासिल कर सकते हैं। ऋष्क्र के भुवनेश्वर कुमार और जीटी के कगिसो रबाडा दोनों के नाम 26 विकेट हैं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे ऑलराउंडर विजय शंकर

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सत्र 17 जुलाई से 8 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग की ओर से 1 जून को होने वाले प्लेयर ड्राफ्ट के लिए बड़े नामों की सूची जारी कर दी गई है। कैंडी रॉयल्स टीम की इसके लिए जारी सूची में विजय शंकर का नाम सबसे पहले शामिल है। विजय के अलावा इंग्लैंड के मोईन अली और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी इस लीग में खेलेंगे। इन दोनो को ही इसकी संबंधित फ्रेंचाइजियों ने रिटेन किया है, जिससे इस सत्र में रोमांचक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद जतायी जा रही है।

साल 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम में शामिल रहे विजय शंकर ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रिकार्ड बनाया था। वह कैंडी रॉयल्स की टीम की ओर से खेलेंगे। उनके आने से उत्साहित लीग की आरे से कहा गय कि तमिलनाडु के इस तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के आने से कैंडी की टीम और बेहतर हुई है। इस टीम में मोईन अली के साथ-साथ श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं। विजय शंकर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह अंतरराष्ट्रीय लीग खेलते दिखेंगे। उन्होंने साल 2018 और 2019 के बीच भारत की ओर से 12 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

आईपीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन संखधर ने लीग के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहा, श्रीलंका प्रीमियर लीग लगातार दुनिया के प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों से बेहतरीन प्रतिभाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो वैश्विक टी20 लीग के बढ़ते कद को दिखाता है। विजय शंकर, मोईन अली, शाकिब अल हसन और श्रीलंका के कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के इस सीजन में शामिल होने से इसमें उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट देखने को मिलेगा जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य दक्षिण एशिया में लीग की उपस्थिति को मजबूत करना है, साथ ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है।

पिछली बार की डिफेंडिंग चैंपियन और ख्क्र के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी, एससी जाफना किंग्स ने भी अपनी टीम को बेहतर बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन के साथ-साथ श्रीलंकाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुनिथ वेलालगे और भानुका राजपक्षे को रिटेन किया है। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को ड्राफ्ट से पहले दो विदेशी और दो श्रीलंकाई मार्की खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी।

इस छठे सत्र में एससी जाफना किंग्स, कैंडी रॉयल्स, दांबुला सिक्सर्स, गाले गैलेंट्स और कोलंबो कैप्स की टीमें डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खिलेंगी जिसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। यह टूर्नामेंट 17 जुलाई को कोलंबो के एसएससी ग्राउंड में एक उद्घाटन समारोह और जाफना किंग्स तथा गाले गैलेंट्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा और 8 अगस्त को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल के साथ समाप्त होगा। इस लीग में दांबुला सिक्सर्स के लिए रीजा हेंड्रिक्स (दक्षिण अफ्रीका) और दिनेश चांदीमल (श्रीलंका); गाले गैलेंट्स के लिए ईशान मलिंगा (श्रीलंका) और दासुन शनाका (श्रीलंका); तथा कोलंबो कैप्स के लिए कुसल मेंडिस (श्रीलंका) और कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका) शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के होने से से सत्र रोमांचक होना तय है।

बुमराह हो या कमिंस, किसी के रसूख से नहीं डरता सूर्यवंशी : ध्रुव जुरेल

मुल्लांपुर । राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपने साथी वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में भी वह विरोधी गेंदबाज की ख्याति से भयभीत नहीं होता। 15 वर्ष के सूर्यवंशी ने IPL में जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की बखिया उधेड़ी है। मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड और कैगिसो रबाडा की गेंदों पर भी उन्होंने खूब रन बनाए हैं। बुधवार को उन्होंने कमिंस को लगातार तीन छक्के लगाए। सूर्यवंशी के 29 गेंद में 97 रन की मदद से रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर दूसरे क्वालीफायर में जगह बनाई। जुरेल ने कहा, 'वैभव के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह कुछ योजना बनाकर नहीं खेलता क्योंकि वह बहुत अभ्यास करता है और उसे खुद पर भरोसा है। उसे खुद पर एक पल को भी संदेह नहीं होता कि वह ऐसा नहीं कर सकेगा।' इस सत्र में छह अर्धशतक जमा चुके जुरेल ने कहा, 'जब हम अकादमी में जाते हैं तो हमसे कहा जाता है कि गेंदबाज को नहीं, गेंद को देखो। 17 बरस की उम्र में हम हमेशा गेंदबाज को देखते हैं कि यह इतना बड़ा गेंदबाज है लेकिन वैभव सिर्फ गेंद को देखता है। वह किसी गेंदबाज की परवाह नहीं करता।'

आईपीएल 2026 में लीग स्तर पर ही बने कई नये रिकार्ड

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र के लीग स्तर पर ही कई नये रिकार्ड बने हैं। वहीं कई पुराने रिकार्ड टूटे हैं। इस सत्र में हुए 70 लीग मैचों में पांच ऐसे बड़े रिकार्ड बने हैं जिससे आईपीएल एक नये युग में पहुंच गया। कई दिग्गज भी इन आंकड़ों को देखकर हैरत में पड़ गये हैं। इस सत्र में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कई नये रिकार्ड बनाये। आक्रामक बल्लेबाजी से बड़े-बड़े गेंदबाजों को नाकाम कर दिया। वैभव ने लीग स्तर के 14 मैचों में ही कुल 583 रन बना दिये थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने एक सत्र में 500 से अधिक रन बनाए हैं। वैभव ने 53 छक्के लगाकर एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह एक सत्र में 500 रन और 50 छक्कों का आंकड़ा हासिल करने वाले पहले भारतीय और दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। व्यक्तिगत चमक में चेन्नई सुपर किंग्स के उर्विल पटेल ने भी इतिहास रचा। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में ही अर्धशतक लगाकर यशस्वी जायसवाल के सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। यह पिछले तीन सालों में इस रिकॉर्ड की पहली बराबरी है, जिसने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के दिये 264 रनों के विशाल लक्ष्य को भी इस सत्र में पंजाब किंग्स ने 265 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस सीजन में रनों की ऐसी बाढ़ रही कि 200 रन का स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा। पिछले साल 2025 में जहां पूरे टूर्नामेंट में 52 बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बना था, वहीं आईपीएल 2026 के लीग स्टेज के 70 मैचों के दौरान ही यह आंकड़ा 61 तक पहुंच गया। इसस अब आईपीएल मुकाबले हाई-स्कोरिंग हो गये हैं। इसके अलावा, बल्लेबाजों ने 14 शतक लगाकर साल 2024 के में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा की

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को आगामी महिला टी-20 विश्वकप 2026 के लिए अधिकारियों के पैनल की घोषणा कर दी है। यह महिला टी-20 विश्व कप का लगातार तीसरा एडिशन होगा जिसमें पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों पैनल होगा, जिसमें कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी सभी 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में अपने टूर्नामेंट में पर्दापण करेंगी।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा, 'आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों का यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व का दायरा बढ़ाने के ICC की प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम इन अधिकारियों की प्रोग्रेस और ICC CWC 2025 के दौरान उनके द्वारा दिखाए गए ऊंचे मानकों को देखकर बहुत खुश हैं। जैसे ही हम दुनिया के सबसे बड़े महिला स्पोर्टिंग प्रतियोगिता को आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं, यह चयन इस एथलेटिक स्पर्धा को और बढ़ाएगा।'

टी20 विश्व कप के 33 मैचों में कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी इस्तेमाल किए जाएंगे जिसमें 2024 एडिशन से मैच अधिकारियों की टीम के 9 सदस्य आने वाले इवेंट के लिए वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं क्योंकि वह टूर्नामेंट में अपनी छठी उपस्थिति के लिए तैयार हो रही हैं, उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है, जबकि जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन - जिन्होंने इस स्टेज पर 19-19 मैचों की देखरेख की है - इंग्लैंड और वेल्स में पांच टी-20 विश्व कप के माइलस्टोन तक पहुंचेंगी।

मैच रेफरी में तीन रिटर्निंग अधिकारी शामिल हैं - शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा जो 2024 एडिशन का भी हिस्सा थे। चार रेफरी के ग्रुप को न्यूजीलैंड से टुडी एंडरसन पूरा करेंगी।

सिंधू और लक्ष्य सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिंगापुर । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय कई गलतियों की वजह से बाहर हो गए। सिंधू ने 37 मिनट के भीतर जापान की रिको गुंजी को 21-9, 21-12 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया की आन से यंग से होगा। सिंधू कभी भी ओलंपिक चैंपियन को हरा नहीं सकी हैं और आठ बार पराजित हो चुकी हैं। पिछली हार पिछले साल चाइना ओपन में मिली थी। अमरोहा के लक्ष्य ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है क्योंकि दूसरे वरीय कुनलावुत विदितसर्ण ने महज दो अंक के बाद पीठ की समस्या के कारण रिटायर होने का फैसला किया। अब 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। पुरूष युगल में चौथी वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में चीनी ताइपै के ली झि हुइ और यांग पो सुआन को एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना मलेशिया के खाइ शिंग कांग और आरोन ताइ से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो भी अंतिम आठ में पहुंच गए जिन्होंने जापान की युता वातानाबे और माया तागुची को 8-21, 21-17, 21-16 से मात दी। अब उनका सामना कोरिया के किम जाए हियोन जांग और हा जियोंग तथा मलेशिया के चेन तांग जिये और तोह ई वेइ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। प्रणय आखिरी गेम में बुरी तरह पिछड़ गए और 61 मिनट तक चले मैच में घरेलू दावेदार लोह कीन यू से 18-21, 21-16, 15-21 से हार गए।

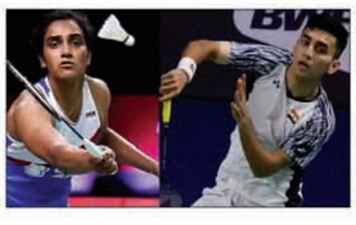

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

पर्थ । अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिशों में जुटी भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में शुक्रवार को उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपनी स्थिति और मजबूत करना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में नवनीत कौर के गोल पर बढ़त बना ली थी लेकिन एबी विल्सन के दो गोल के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 2.1 से जीत दर्ज की। भारत ने दूसरा मैच शूटआउट में 4.2 से जीता जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1.1 से बराबर था। कोच शोर्ड मारिन की टीम ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए चानू पुखरामबम के गोल के दम पर वापसी की थी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने ओलिविया डोनेस के गोल की बदौलत दसवें मिनट में ही बढ़त बना ली थी। भारतीय टीम ने अब तक डिफेंस और मिडफील्ड में काफी प्रभावित किया है। कोच मारिन हालांकि अपने स्ट्राइकरों को गोल करते देखना चाहते हैं। कप्तान सलीमा टेटे जबर्दस्त फॉर्म में दिख रही है। भारत की नजरें पेनल्टी कॉर्नर बेहतर करने पर भी लगी होंगी। विश्व रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया इस समय आठवें और भारत नौवे स्थान पर है। आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप की तैयारी के लिये यह श्रृंखला काफी अहम है। इसके बाद नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक विश्व कप भी खेला जाना है। नेशंस कप के जरिये भारतीय टीम 2026-27 सत्र के लिए FIH प्रो लीग में वापसी करना चाहेगी जो लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का हॉकी क्वालीफायर भी है। फाइनल मैच शनिवार को होगा।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की संभावना

नई दिल्ली । 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाड़ी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का अनुभव मिलेगा। इस बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयारियां जारी हैं। भारत के लिए, यह चैंपियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी। दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में अपनी दक्षता बार-बार साबित की है, और 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

SRH का खेलने का तरीका तारीफ के काबिल है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है : मूडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व हेड कोच टॉम मूडी ने कहा कि टीम का बैटिंग पर ज्यादा जोर देने का तरीका और उनका खेलने का कुल मिलाकर अंदाज 'तारीफ के काबिल है।' फिर भी इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी बॉलिंग यूनिट में और ज्यादा निवेश करना चाहिए।

मूडी की ये टिप्पणियां तब आईं जब स्त्रा को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के हाथों 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टीम पॉइंट्स टेबल पर तीसरी सबसे बेहतरीन टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। बड़े रन बनाने के लिए SRH ने अपने बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन (624 रन), ईशान किशन (602 रन), अभिषेक शर्मा (563 रन) और ट्रैविस हेड (410 रन) पर बहुत ज्यादा भरोसा किया।

बॉलिंग में ईशान मलिंगा (20 विकेट) और साकिब हुसैन (15 विकेट) सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें जगाईं। लेकिन मूडी ने बॉलिंग लाइन-अप में बड़े नामों की कमी की ओर इशारा किया, सिवाय पैट कमिंस के, जिन्हें 2024 में 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

मूडी ने कहा, 'यह एक तारीफ के काबिल तरीका है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। हां, वे खुद को मौका देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब बॉलिंग की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए आप बैटिंग यूनिट के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत बॉलिंग यूनिट बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते हैं, जो उस बैटिंग को सहारा दे सके।' उन्होंने कहा, 'यह (सब कुछ) संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि RCB (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) ने यही किया है। उन्होंने सही संतुलन बनाया है। इसलिए मैं इस तरीके के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन जब आप सैलरी कैप और बाकी सब चीजों की बात करते हैं, तो आपको संतुलन बनाने की कोशिश करनी चाहिए।'

एक नजर

हर्ष मल्होत्रा ने संभाला भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार

नयी दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के नवनियुक्त अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने गुरुवार को कार्यभार संभाल लिया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने उन्हें कार्यभार सौंपा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. हर्षवर्धन, विजय गोयल, सतीश उपाध्याय, सांसद मनोज तिवारी एवं आदेश गुप्ता, दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद एवं कपिल मिश्रा, महापौर प्रवेश वाही, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी सहित कई नेता मौजूद रहे। इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 27 वर्षों बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी और रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बनीं। यह सब दिल्ली में हमारे हजारों पार्टी कार्यकताओं की मेहनत और हमारे निवर्तमान अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के प्रेरणादायक नेतृत्व का परिणाम है। मल्होत्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा में जिम्मेदारियां 400 मीटर की रिले दौड़ की तरह होती हैं, आज वीरेन्द्र सचदेवा ने मुझे यह जिम्मेदारी रूपी बैटन सौंपी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के हजारों पार्टी कार्यकताओं के साथ और नेतृत्व के मार्गदर्शन में दिल्ली में भाजपा को आगे बढ़ाने तथा दिल्ली सरकार के कार्यों को और गति देने के लिए काम करेंगे।

आई शिक्षा को सरकार बनाएगी आधुनिक और रोजगारोन्मुख

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा को आधुनिक और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में एआई करिकुलम टास्क फोर्स के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस पाठ्यक्रमों में व्यापक बदलाव पर चर्चा हुई। सरकार ने एआई शिक्षा में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग बढ़ाने, इंडस्ट्री के साथ जुड़ी पढ़ाई और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया है। टास्कफोर्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय संस्थानों में एआई से जुड़े विषय पढ़ाए जा रहे हैं लेकिन जेनरेटिव एआई और फाउंडेशन मॉडल जैसे आधुनिक क्षेत्रों में अभी भी व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। नई व्यवस्था के तहत छात्रों को शुरूआत से ही इंडस्ट्री आधारित प्रोजेक्ट्स, कैपस्टोन प्रोजेक्ट और एआई सॉल्यूशन इंजीनियरिंग से जोड़ा जाएगा। साथ ही प्रैक्टिकल एक्सपोजर को मौजूदा 25-30 प्रतिशत से बढ़ाकर 40-75 प्रतिशत तक करने का प्रस्ताव रखा गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सिक्किम पुलिस को 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से किया सम्मानित

एजेंसी

गंगटोक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गंगटोक में गुरुवार को आयोजित एक समारोह में सिक्किम पुलिस को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सिक्किम पुलिस से जुड़े सभी भूतपूर्व और वर्तमान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को इस सम्मान के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 1897 में अपनी स्थापना के बाद से ही इस बल ने सिक्किम में शांति, सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत की पुलिस व्यवस्था पर औपनिवेशिक शासन की गहरी छाप है। औपनिवेशिक अधीनता के दौर में पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना नहीं, बल्कि उन पर नियंत्रण रखना और सत्ताधारी शासन के आदेशों को सख्ती से लागू करना था। इसी कारण पुलिस व्यवस्था में औपनिवेशिक मानसिकता घर कर गई। इस मानसिकता के तहत पुलिस में जनता के साथ सहयोग करने के बजाय उन पर शासन करने का रवैया हावी था। अब यह मानसिकता बदल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए इस औपनिवेशिक सोच को पूरी तरह से त्यागना आवश्यक है। तभी नागरिक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में पूर्णतः योगदान दे सकेंगे।उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही अत्यंत आवश्यक हैं। पुलिस तंत्र को अधिक नागरिक-हितैषी बनाया जाना चाहिए ताकि आम लोग बिना किसी भय के अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें। महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस को नागरिकों के लिए भागीदार और मार्गदर्शक के रूप में विकसित होना चाहिए। इस सहयोगात्मक भूमिका को अपनाने से जनता और पुलिस के बीच विश्वास मजबूत होगा। जब पुलिस लोगों की समस्याओं को समझकर सहायता प्रदान करेगी, तो इससे समाज में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी और कानून के शासन के प्रति सम्मान गहराएगा। पुलिस व्यवस्था का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं होना चाहिए बल्कि एक सुरक्षित और सामाजिक रूप से जागरूक समाज का निर्माण करना भी होना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रसन्नता व्यक्त की कि सिक्किम पुलिस ने सिक्किम में शांति और सद्भाव बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने पेशेवर आचरण और नागरिकों के प्रति मैत्रीपूर्ण व्यवहार के माध्यम से इसने सिक्किम के लोगों का स्नेह और सम्मान अर्जित किया है। उल्लेखनीय है कि 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' को ह्यराष्ट्रपति का निशान' के नाम से भी जाना जाता है।

गैलेक्सी एस 26 के अकफीचर्स विकसित करने में नोएडा रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर की अहम भूमिका

एजेंसी

नयी दिल्ली : सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के नोएडा स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ने इस साल लॉन्च हुई कंपनी की फ्लैगशिप स्मार्टफोन सीरीज सैमसंग गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए कई एआई फीचर्स विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एसआरआई-नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्योंगयुन रू ने कहा, "हमने करीब तीन साल पहले एआई पर काम शुरू किया था। गैलेक्सी एस26 के लिए हमने दक्षिण कोरिया के सुवॉन आरएंडडी ऑफिस के साथ मिलकर नाउ नज और नाउ ब्रीफ फीचर्स विकसित किए। नाउ नज यूजर्स को उनकी जरूरत के अनुसार पहले से उपयोगी और संदर्भ आधारित सुझाव देता है, जबकि नाउ ब्रीफ महत्वपूर्ण इवेंट्स और कामों के लिए समय पर रिमाइंडर दिखाता है। एसआरआई-नोएडा के इंजीनियरों ने गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए क्रिएटिव स्टुडियो, कॉल स्क्रीनिंग और डायरेक्ट वॉयसमेल जैसे एआई फीचर्स के विकास में भी योगदान दिया है। क्रिएटिव स्टुडियो फीचर की मदद से यूजर्स इमेज बना सकते हैं, फोटो एडिट कर सकते हैं, स्टिकर डिजाइन कर सकते हैं और वॉलपेपर तैयार कर सकते हैं। वहीं कॉल स्क्रीनिंग एक पर्सनल असिस्टेंट की तरह काम करता है, जहां एआई कॉल्स का जवाब दे सकता है, उन्हें ट्रांसक्राइब कर सकता है और जरूरी कॉल्स को फिल्टर कर सकता है। रू ने बताया, "डायरेक्ट वॉयसमेल फीचर भारतीय ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर विकसित किया गया था। इसे पहले गैलेक्सी ए सीरीज के लिए तैयार किया गया था और इस साल इसे पहली बार फ्लैगशिप गैलेक्सी एस26 सीरीज में भी शामिल किया गया है।

हमारी सरकार का संकल्प है, देशभर से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा : अमित शाह

एजेंसी

अहमदाबाद : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने पश्चिम बंगाल चुनाव में जो वादे किए थे, उसके अनुसार बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग और सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि देशभर से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा। केंद्रीय मंत्री शाह अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को अहमदाबाद के एस.जी. हाइवे स्थित सोला उमियाधाम कैंपस में पाटीदार समाज के युवाओं के लिए नवनिर्मित जे.एस. पटेल कुमार छात्रावास और तपस्वीकुमार पटेल कन्या छात्रावास के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। शाह ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में

आज देश के 80 प्रतिशत भूभाग पर भाजपा का शासन है। हमने पश्चिम बंगाल चुनाव में जो वादे किए थे, उसके अनुसार बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग और सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल सरकार ने सात दिनों में 600 हेक्टेयर जमीन बीएसएफ को सौंप दी है। हमारी सरकार का संकल्प है कि देशभर से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार 'डेमोग्राफी चेंज कमीशन' की स्थापना कर रही है, जो एक वर्ष में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा और अवैध जनसंख्या संतुलन को रोकने के लिए नए कानून की दिशा में काम करेगा। गृहमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को याद करते हुए कहा, "आज वीर सावरकर की जयंती है। वे ऐसे प्रखर राष्ट्रभक्त थे जिन्हें किसी सरकारी सम्मान की आवश्यकता नहीं थी।

भगवान बुद्ध के शिष्यों के पवित्र अवशेषों को मंगोलिया में प्रदर्शन से मिलेगी वैश्विक पहचान : प्रह्लाद पटेल

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि आज का दिन भारत और मध्य प्रदेश के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय की तरह है। यह पावन अस्थि अवशेष न केवल हमारी अमूल्य आध्यात्मिक धरोहर हैं, बल्कि वैश्विक शांति और सौहार्द के प्रतीक भी हैं। भगवान बुद्ध के परम शिष्यों के पवित्र अवशेषों के मंगोलिया में प्रदर्शन करने से वैश्विक पहचान मिलेगी।

मंत्री पटेल गुरुवार को भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर भगवान बुद्ध के परम शिष्यों सारिपुत्र और महामोद्गलायन के पवित्र अवशेषों को राजकीय सम्मान के साथ मंगोलिया रवाना करने के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रेखांकित किया कि भगवान बुद्ध के इन महान शिष्यों की पवित्र अस्थियां संपूर्ण विश्व में केवल तीन देशों- भारत, श्रीलंका एवं म्यांमार में ही संरक्षित हैं, जो हमारे प्रदेश और देश के लिए अत्यंत गौरव की बात है। इससे मंगोलिया सहित सभी देशों के बौद्ध अनुयायी प्रदेश में आने के लिए प्रेरित होंगे। मंत्री प्रहलाद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सांस्कृतिक नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जन-जन की आस्था और देश के आध्यात्मिक मूल्यों को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल का स्मरण करते हुए बताया कि जब वे भारत के संस्कृति मंत्री थे, तब एक विशेष नीति बनाई गई थी कि जिस देश से एक लाख से अधिक पर्यटक भारत आएंगे, वहां उनकी स्थानीय भाषा में साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इसी नीति के तहत श्रीलंका से दो लाख से अधिक पर्यटकों के आगमन पर सांची में उनकी भाषा में साइन बोर्ड लगाए गए, जिससे श्रद्धालुओं को सांची और अन्य बौद्ध स्थलों की यात्रा के दौरान सुगमता और आत्मीयता का अनुभव होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सांची केवल अपने पाषाण स्तूपों के कारण विश्व धरोहर स्थल नहीं है, अपितु इन चैतन्य अस्थि अवशेषों की पावन उपस्थिति के कारण वैश्विक श्रद्धा का केंद्र है, जिसके कारण विश्व भर से पर्यटक यहाँ खिंचे चले आते हैं। पूर्व में इन अवशेषों की सफल थाईलैंड यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के साथ हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध अत्यंत प्राचीन और प्रगाढ़ हैं, और यह यात्रा इन संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगी।

बाढ़ और भूस्खलन से पांच प्रमुख राजमार्ग बाधित, यातायात प्रभावित

काठमांडू : नेपाल में लगातार हो रही बारिश से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। इससे देश के कई प्रमुख राजमार्गों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई है। पुलिस प्रशासन के अनुसार बाढ़ और भूस्खलन की वजह से वीपी राजमार्ग सहित पांच महत्वपूर्ण राजमार्गों पर आवागमन बाधित हो गया है। प्रभावित राजमार्गों में वीपी राजमार्ग, कोशी राजमार्ग, मध्य पहाड़ी राजमार्ग, बेनी-जोमसोम राजमार्ग और हिल्सा-सिमकोट राजमार्ग शामिल हैं। प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई मार्गों पर यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए वीपी राजमार्ग के खुर्कोट-नेपालथोक-कटुन्जेबेंसी खंड पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। वहीं, भूस्खलन की आशंका के चलते हिल्सा-सिमकोट राजमार्ग को भी बंद कर दिया गया है।

भारत का लोकतंत्र पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शक : ओम बिरला

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत का लोकतंत्र दुनिया के लिए मार्गदर्शक का कार्य करता है। यह अपने संवाद, सहभागिता और संवैधानिक मूल्यों की समृद्ध परंपराओं के माध्यम से वैश्विक स्तर पर राष्ट्रों को प्रेरित कर रहा है।

दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक कक्ष में गुरुवार को केंद्रीय विधान सभा (1924-1930) की कार्यवाही के 89 खंडों और त्रैमासिक पत्रिका 'विधान-चेतना' के प्रथम अंक के लोकार्पण के मौके पर उन्होंने विचार व्यक्त किए।

यह कार्यक्रम दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जिसमें संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी शामिल हुए। इस मौक पर दिल्ली के विधायी कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, विधायक, दिल्ली विश्वविद्यालय के कई प्राध्यापक और शिक्षक मौजूद रहे।

▶ लोकसभा अध्यक्ष ने केंद्रीय विधानसभा की कार्यवाहियों के 89 खंडों और त्रैमासिक पत्रिका विधान-चेतना के प्रवेशांक का किया लोकार्पण

लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस बात पर विशेष बल दिया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की वास्तविक शक्ति जागरूक संवाद, तथ्य-परक चर्चा और सक्रिय जनभागीदारी में निहित है। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ियों में लोकतांत्रिक चेतना को सुदृढ़ करने के लिए भारत की संसदीय विरासत का संरक्षण और गहन अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली विधान सभा का यह ऐतिहासिक भवन भारत की लोकतांत्रिक चेतना, संसदीय परंपराओं और हमारे स्वतंत्रता संग्राम का एक जीवंत प्रतीक तथा गौरवशाली विरासत है। इस परिसर के ऐतिहासिक महत्व को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि इस भवन ने भारत के संसदीय लोकतंत्र के प्रारंभिक कालखंड को देखा है। यह एक ऐसा ऐतिहासिक मंच रहा है, जहां देश के स्वतंत्रता सेनानियों और महान राष्ट्रीय नेताओं ने प्रतिनिधित्व, नागरिक अधिकारों और स्वशासन के लिए अपनी मुखर संवैधानिक मांगें उठाई थीं। केंद्रीय विधानसभा के प्रथम भारतीय अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल के अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए बिरला ने कहा कि उन्होंने संसदीय शिष्टाचार, निष्पक्षता और अध्यक्ष पद की गरिमा की एक सुदृढ़ नींव रखी थी। औपनिवेशिक शासन के अत्यंत कठिन समय और भारी दबाव के बावजूद, पटेल ने इस विधायी संस्था की स्वायत्तता और प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखा। उनका यह योगदान देश भर के पीठासीन अधिकारियों और विधि निमार्ताओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। लोकसभा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि केवल तर्क, गंभीरता और तथ्यों पर आधारित चर्चा ही लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को सुरक्षित रख सकती है और सार्वजनिक विश्वास को सुदृढ़ कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति का मूल आधार सदैव चर्चा, आम सहमति और गहन विचार-विमर्श रहा है। अतः संसद और राज्यों की विधान सभाओं को सदैव देश की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला सर्वोच्च मंच बने रहना चाहिए। केंद्रीय विधानसभा की कार्यवाही के प्रकाशन को ऐतिहासिक कदम बताते हुए बिरला ने आशा व्यक्त की कि यह संकलन आने वाली पीढ़ियों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय मयार्दाओं के एक मार्गदर्शक प्रकाश-स्तंभ के रूप में कार्य करेगा। त्रैमासिक प्रकाशन विधान-चेतना की सराहना करते हुए बिरला ने इसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण बौद्धिक प्रयास बताया, जो संसदीय अध्ययनों, विधायी शोध और लोकतांत्रिक जागरूकता को और अधिक सशक्त करेगा। संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कि यदि विधायी संस्थाएं कमजोर होंगी तो लोकतंत्र भी कमजोर होगा।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षा मंत्रालय कुप्रबंधन का अड्डा बन गया : कांग्रेस

नयी दिल्ली: कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लगातार चुनावी हारों वाले बयान पर पलटवार किया है। रमेश ने कहा कि ऐसे बयान ही उनकी पहचान है, जबकि उन्होंने लाखों विद्यार्थियों के लिए अराजकता पैदा की और बतौर मंत्री पूरी तरह अक्षम साबित हुए हैं। रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि प्रधान ने न केवल संसदीय स्थायी समिति की गरिमा को ठेस पहुंचाई, बल्कि अब विपक्ष के नेता पर भी हमला कर रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय कुप्रबंधन का अड्डा बन गया है। उन्होंने कहा कि एनईईटी और सीबीएसई विवादों की जिम्मेदारी सरकार पर है, जिन्होंने 2024 में एनटीए की विफलता के बाद भी प्रधान को बचाए रखा। इससे पहले धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद पत्रकारों से कहा था कि राहुल गांधी चुनावी हार की कुंठा के कारण देश की वैज्ञानिक प्रगति का विरोध कर रहे हैं। प्रधान ने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस प्रणाली में हुई किसी भी असुविधा की जिम्मेदारी वे स्वयं लेते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

मौसम ने बदली करवट, दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश से गर्मी से मिली राहत

नयी दिल्ली: मौसम विभाग के पूवार्नुसार गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा के साथ हल्की बारिश होने से यहां के लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग केन्द्र (आईएमडी) के वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने जारी बुलेटिन में बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत में पिछले कई दिनों से जारी भीषण लू से आज राहत मिली है। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान सहित अधिकतर हिस्सों से उष्ण लहर का प्रभाव कम दिखा है। यहां पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती हवा के क्षेत्र सक्रिय होने के कारण मौसम में यह बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, "देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाले दिनों में आंधी, ओलावृष्टि और भारी बारिश के आसार हैं। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में 29 मई को गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने और ओलावृष्टि का अनुमान है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का भी पूवार्नुमान है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चलने के आसार हैं। इसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में लू की स्थिति जारी रह सकती है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में ओलावृष्टि का प्रभाव भी देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 29-30 मई को ओलावृष्टि का भी पूवार्नुमान है। इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पूर्वी भारत के बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल में 31 मई तक तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट देखी जाएगी लेकिन 1-3 जून के बीच यह फिर से 2-3 डिग्री बढ़ सकता है। बिहार, झारखंड और ओडिशा में 29-30 मई को गरज-चमक के साथ तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना है। उमाशंकर ने बताया कि उत्तर पाकिस्तान और उससे सटे इलाकों में एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में बना हुआ है। इसके साथ देश के विभिन्न हिस्सों में चक्रवात संचालन, निम्न दबाव बना हुआ है जिससे ओलावृष्टि होने का अनुमान है। इसके प्रभाव से आगामी 28-30 मई के बीच उत्तर-पश्चिम भारत में दिन के तापमान में 6-8 डिग्री सेल्सियस तक की भारी गिरावट दर्ज की जा सकती है लेकिन 31 मई से 3 जून के बीच तापमान में फिर से 4-6 डिग्री तक वृद्धि हो सकती है। वहीं, देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में भी मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मध्य भाग के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ क्षेत्रों में अगले 24 घंटे के दौरान में तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा लेकिन 29 मई से 3 जून के बीच तापमान में 3-5 डिग्री की गिरावट आएगी जबकि अन्य हिस्सों में 3 जून तक कोई बदलाव नहीं होगा।

चावल उत्पादन में चीन को पछाड़ कर भारत बना नंबर वन : शिवराज

नयी दिल्ली : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि वर्ष 2025-26 में देश का कुल अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन 3,765.63 लाख टन तक पहुंच गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 188 लाख टन अधिक है। वहीं, चावल उत्पादन में भारत ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि चावल का उत्पादन 1,540.24 लाख टन तक पहुंच गया है और चीन को पछाड़ कर अब दुनिया में भारत नंबर वन बन गया है। उन्होंने बताया कि गेहूं का उत्पादन 1,206.57 लाख टन और मक्का का उत्पादन 550.92 लाख टन दर्ज किया गया है जो अपने आप में रिकॉर्ड स्तर है। दिल्ली स्थित पूसा परिसर में गुरुवार को खरीफ सम्मेलन से संबंधित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की आजीविका को बेहतर बनाना और देशवासियों को पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूसा में शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय खरीफ अभियान-2026 में देशभर के कृषि मंत्री, वैज्ञानिक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हो रहे हैं। आईसीएआर, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि भी इस महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा बने हैं। सम्मेलन में खरीफ सीजन की तैयारी को लेकर दो दिनों तक विस्तार से चर्चा और समीक्षा की जाएगी। इसका उद्देश्य किसानों को बेहतर योजना, बेहतर तकनीक और बेहतर समर्थन मिले। इस मौके पर शिवराज चौहान ने कहा कि केवल खाद्यान्न ही नहीं बल्कि तिलहन उत्पादन में भी देश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष तिलहन का संभावित उत्पादन 430.59 लाख टन रहने का अनुमान है। इसमें मूंगफली का उत्पादन 130.74 लाख टन और रेपसीड-सरसों का उत्पादन 137.68 लाख टन तक पहुंच गया है जो रिकॉर्ड स्तर है। उन्होंने कहा कि दलहन उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की गई है और आने वाले समय में उत्पादन में और बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**